THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com


## आंध्र प्रदेश में एक ही परिवार के चार लोगों ने साइनाइड खाकर सुसाइड किया

### आर्थिक तंगी से परेशान थे

अमरवती, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मदकासिरा में एक ही परिवार के चार लोगो ने साइनाइड खाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस के अनुसार परिवार ने आर्थिक तंगी और पारिवारिक समस्याओं के कारण आत्महत्या कर ली। मृतकों की पहचान सोने की दुकान चलाने वाले कृष्ण चारी, उनकी पत्नी सरला और उनके दो बेटों के रूप में हुई है। कृष्ण चारी कर्ज में डूबे हुए थे।


**वर्ष-30 अंक : 3** (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **चैत्र शु.2/3 2082 सोमवार, 31 मार्च-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ⁂ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**


# 'जहां सेवा कार्य, वहीं स्वयंसेवक' : मोदी

## आरएसएस को जमकर सराहा, अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट बताया

नागपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटर की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और इसके स्वयंसेवकों को जमकर सराहा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है। ये अक्षय वट आज भारतीय संस्कृति को... हमारे राष्ट्र की चेतना को निरंतर ऊर्जावान बना रहा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जहां भी सेवा कार्य किया जा रहा है, वहां स्वयंसेवक हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र यज्ञ के इस पावन अनुष्ठान में मुझे आज यहां आने का सौभाग्य मिला है। आज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का ये दिन बहुत विशेष है। आज से नवरात्रि का पवित्र पर्व शुरू हो रहा है। देश के अलग अलग कोनों में आज गुड़ी पड़वा, उगादी और नवरेह त्योहार भी मनाया जा रहा है।

आज भगवान झूलेलाल जी और गुरु अंगद देव जी का अवतरण दिवस भी है। ये हमारे प्रेरणापुंज परम पूज्यनीय डॉ. साहब की जयंती का भी अवसर है। इसी साल आरएसएस की गौरवशाली यात्रा का 100 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। आज इस अवसर पर मुझे स्मृति मंदिर जाकर पूज्य डॉ. साहब और पूज्य गुरुजी को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य मिला है।

उन्होंने कहा कि अगले ही महीने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती भी है। आज मैं दीक्षाभूमि पर बाबा साहेब को नमन किया है और उनका आशीर्वाद भी लिया है। मैं इन विभूतियों को नमन करते हुए देशवासियों को नवरात्रि और सभी पर्वों की बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, लाल किले से मैंने सबके प्रयास की बात कही थी। आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश जिस तरह काम कर रहा है, माधव नेत्रालय उन प्रयासों को बढ़ा रहा है। देश के सभी नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें यह हमारी प्राथमिकता है। देश में गरीब से गरीब व्यक्ति को भी अच्छे से अच्छा इलाज मिले, कोई भी देशवासी जीवन जीने की गरिमा से वंचित ना रहे, अपना जीवन देश के लिए दे चुके बुजुर्गों को इलाज की चिंता सताती ना रहे, यह सरकार की नीति है।

इसलिए आयुष्मान भारत के कारण आज करोड़ों लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। बीते 10 साल में गांवों में लाखों आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। जहां से लोगों को देश के सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों से टेलीमेडिसिन से कंसल्टेशन मिलता है, प्राथमिक इलाज मिलता है और आगे के लिए सहायता होती है।

>14

## राहुल गांधी की पीएम को चिट्ठी

**लिखा- यह समुद्री जीवन के लिए खतरा, सरकार इसे कैंसिल करे**

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पीएम मोदी के नाम लिखा लेटर सामने आया है। इसमें राहुल ने केरल, गुजरात और अंडमान एवं निकोबार के तटों पर ऑफशोर माइनिंग की परमिशन देने के केंद्र सरकार के फैसले का विरोध किया है। राहुल ने इसे मरीन इकोसिस्टम और कोस्टल कम्युनिटी की आजीविका के लिए खतरा बताया है।

गांधी ने ऑफशोर एरियाज मिनरल (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2023 की आलोचना भी की। कांग्रेस नेता ने कहा कि इस कानून का शुरू से ही विरोध हो रहा था, क्योंकि इसमें पर्यावरण और सामाजिक-आर्थिक दुष्प्रभावों की अनदेखी की गई है। राहुल ने कहा कि सरकार ने बिना प्रॉपर स्टडी और हितधारकों से परामर्श के ही निजी कंपनियों को ऑफशोर खनन की परमिशन दे दी। इसलिए सरकार इसका टेंडर कैंसिल करे।

## मणिपुर समेत 3 राज्यों में एएफएसपीए 6 महीने बढ़ा

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (एएफएसपीए) को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी।गृह मंत्रालय के मुताबिक, मणिपुर में जारी हिंसा के कारण कानून व्यवस्था की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया। मणिपुर के 13 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र को छोड़कर बाकी पूरे राज्य में 1 अप्रैल 2025 से अगले छह महीने तक एएफएसपीए लागू रहेगा। नगालैंड के दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिलों को अशांत क्षेत्र घोषित किया है।

## हिमाचल प्रदेश के मणिकर्ण में बड़ा हादसा

**गाड़ियों पर गिरा पेड़, छह की मौत, कुछ लोग घायल**

कुल्लू, 30 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की धार्मिक नगरी मणिकर्ण में नव संवत के दिन एक दर्दनाक हादसा हो गया। कायल का एक पेड़ तेज हवा के चलते नीचे खड़ी गाड़ियों पर गिर गया। पेड़ गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है। मृतकों में कुछ पर्यटक भी शामिल हैं। घायलों को कुल्लू अस्पताल लाया जा रहा है। फिलहाल, मरने वालों की पहचान की जा रही रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मणिकर्ण गुरुद्वारा के ठीक सामने वाली सड़क के पास एक पेड़ टूटकर गिर गया, जिसकी चपेट में आने से वहां पर खड़े रेहड़ी संचालक एक गाड़ी सवार और तीन पर्यटक जो मौके पर मौजूद थे उनकी मौत हो गई है। मरने वालों की पहचान की जा रही रही है। एडीएम कुल्लू अश्वनी कुमार ने बताया कि हादसे में 6 लोगों की जान गई है, जबकि कई घायल हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है।

**भूस्खलन बताई जा रही वजह :**

पहाड़ी से गिरने पर उसके साथ काफी मलबा भी नीचे आया है। अब इस मलबे को हटाकर इसके नीचे भी लोगों की तलाश की जा रही है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। आशंका जताई जा रही है कि भूस्खलन की वजह से पहाड़ी से पेड़ जड़ सहित गिरा और उसके साथ भारी मात्रा में मलबा भी नीचे आया है, जिसमें कई लोग दबे हो सकते हैं। प्रशासन जल्द से जल्द लोगों को सुरक्षित निकालने की कोशिश कर रहा है।

# अमित शाह के सामने नीतीश कुमार ने कह दिया साफ-साफ, वह गलती दुबारा नहीं होगी

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंच से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने बिलकुल स्पष्ट कर दिया कि अब वह कहीं नहीं जाएंगे। दो बार गलती हुई है, लेकिन अब मैं वापस अपने पुराने लोगों के साथ आ गया हूं। इतना ही नहीं इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी का नाम लिया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी का नाम लेते हुए कहा कि श्रद्धेय अटल जी ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया था, तो ऐसे में मैं कैसे भूल सकता हूं।

दरअसल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पटना पहुंचे थे।

एयरपोर्ट पर पहुंचते ही उनका भव्य स्वागत किया गया था। प्रदेश कार्यालय पहुंचने के बाद उन्होंने भाजपा नेताओं के साथ पार्टी की कोर कमिटी से वार्ता की। अमित शाह फिर आज पटना के बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे, जहां उन्होंने चार विभागों की 823 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। मंच पर बोलने के दौरान उन्होंने लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि लालू और राबड़ी का जब -ब शासनकाल रहा, तब-तब बिहार में विनाश हुआ।

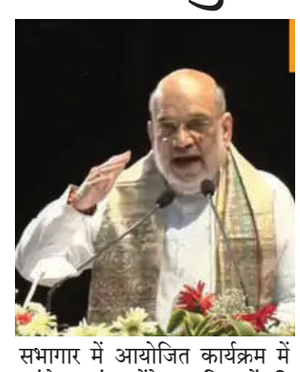

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पटना के बापू सभागार पहुंचे। बापू सभागार में सहकारिता विभाग का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। वहां उन्होंने चार 4 विभागों की 823 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार के साथ-साथ अन्य लोग उपस्थित हैं।

>14

# ओडिशा के कटक में बेंगलुरू-कामाख्या एक्सप्रेस डिरेल

## 11 एसी कोच पटरी से उतरे, 1 की मौत, 8 घायल

भुवनेश्वर, 30 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के कटक में रविवार को बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12551) के 11 एसी कोच पटरी से उतर गए। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई जबकि 8 अन्य घायल हैं।

हादसा सुबह 11:54 बजे नेरगुंडी स्टेशन के पास हुआ। मौके पर मेडिकल और इमरजेंसी टीम भेजी गई है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे की वजह से तीन ट्रेन डायवर्ट की गई हैं। प्रभावित यात्रियों को ले जाने के लिए स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था की गई है। इससे पहले ईस्ट कोस्ट रेलवे के पीआरओ अशोक मिश्रा ने बताया था कि सभी यात्री सुरक्षित हैं।

### सुप्रीम कोर्ट का जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करना खतरनाक मिसाल

# कैश कांड में कपिल सिब्बल ने ऐसा क्यों कहा?

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। जस्टिस यशवंत वर्मा के घर में मिले कैश मामले में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला एक खतरनाक ट्रेंड हैं। सिब्बल का कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती है तब तक किसी भी जिम्मेदार नागरिक को इस मामले में टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

**यह खतरनाक मिसाल**

सुप्रीम कोर्ट द्वारा जांच रिपोर्ट, वीडियो और फोटो जारी करने पर सिब्बल ने कहा कि ये उनके विवेक पर निर्भर करता है। यह गलत है या सही।।। यह समय बताएगा। अदालत ही दस्तावेज का स्रोत है। इस पर लोग भी विश्वास कर लेते हैं।

मगर यह सच है या नहीं, ये बाद में तय होगा। मेरा मानना है कि यह खतरनाक मिसाल है। संस्थागत प्रतिक्रिया में संस्थान को लिखित में लागू करना चाहिए कि क्या करना चाहिए। कपिल सिब्बल का कहना है कि इस पर बार के साथ सलाह करके निर्णय लिया जाना चाहिए। न्यायाधीशों के बारे में हम जीतना जानते हैं।।। वो भी उतना ही जानते हैं। इन मुद्दों से निपटने और तंत्र बनाने के लिए एक समिति होनी चाहिए। अगर इन चीजों को सार्वजनिक किया जाता है तो संस्था पहले ही हार चुकी होती है।

**अभी तो जांच भी पूरी नहीं हुई**

जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में सिब्बल ने कहा कि जब तक कोई व्यक्ति दोषी नहीं पाया जाता है तब तक उसे निर्दोष माना जाता है। इस मामले में तो अभी तक जांच भी पूरी नहीं हो पाई है। जांच पूरी नहीं होने तक किसी भी जिम्मेदार नागरिक को इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहिए।

**14 मार्च को मिला था कैश**

14 मार्च को नई दिल्ली स्थित जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर आग लगने की घटना सामने आई थी। इसी दौरान कथित तौर पर उनके घर से नकदी मिलने के खुलासे से हड़कंप मच गया था। बाद में उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था।

**तीन सदस्यीय कमेटी करेगी जांच**

22 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया। इस कमेटी में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश अनु शिवरामन को शामिल किया गया है। यह कमेटी मामले की जांच करेगी। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाई कोर्ट की संशोधित आंतरिक जांच रिपोर्ट भी सार्वजनिक की। अदालत ने वीडियो और तस्वीरों को भी साझा किया।

### महरौली बदरपुर रोड पर भीषण सड़क हादसा

**डिवाइडर से टकराकर कार के उड़े परखच्चे; दो लोग घायल**

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के महरौली बदरपुर रोड पर रेड लाइट के पास भीषण सड़क हादसा हुआ है। मारुति सुजुकी की वैगनआर कार डिवाइडर से टकराई। इस दौरान कार के परखच्चे उड़ गए। जानकारी के मुताबिक हादसा रविवार तड़के सुबह 5:00 बजे के आसपास हुआ है। हादसे में ड्राइवर समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। अंबेडकर थाना स्थित ट्रामा सेंटर से एमएलसी की सूचना मिली। पूछताछ करने पर घायल सुमित (24) पुत्र सुधील निवासी अगेनपुर, फरीदाबाद, हरियाणा ने बताया कि वह अपनी कार में तीन दोस्तों के साथ जा रहा था। उसने खानपुर रेड लाइट तोड़ी और पीछे से एक ट्रक से टकरा गया। उन्हें मामूली चोटें आईं और वे खुद ही इलाज के लिए एम्स ट्रामा सेंटर चले गए।

### पंजाब के एजी गुरमिंदर सिंह गैरी ने दिया इस्तीफा

# आप सरकार के 3 साल में चौथी बार हुआ ऐसा

चंडीगढ, 30 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह गैरी ने इस्तीफा दे दिया है। उनका कार्यकाल 31 मार्च तक था। ये भी पंजाब में पहली बार हो रहा है कि एक ही सरकार में तीन एडवोकेट जनरल पहले हटाए जा चुके हैं और चौथे एडवोकेट जनरल का कार्यकाल पूरा होने से ठीक पहले उन्हें इस्तीफा देकर जाना पड़ रहा है। एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह गैरी ने इस पद पर नियुक्त होने के 18 महीने बाद इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले विनोद घई ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ दिया था। इसी के बाद 6 अक्टूबर, 2023 को गुरमिंदर सिंह को एजी के रूप में नियुक्त किया गया था।

**कौन हैं एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह?**

गुरमिंदर सिंह ने चंडीगढ़ में मौजूद पंजाब यूनिवर्सिटी से लॉ में ग्रेजुएशन की। उन्होंने 1989 में अपनी प्रैक्टिस शुरू की थी और 2014 में उन्हें वरिष्ठ वकील नामित किया गया था। वो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया, यूनियन सर्विस पब्लिक कमीशन, पंजाब विधानसभा और राज्य के अन्य बोर्डों और निगमों के लिए स्थायी वकील बने रहे। वो सेवा मुकदमेबाजी, संवैधानिक और आपराधिक मामलों में विशेषज्ञ हैं और चंडीगढ़, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश में हाईकोर्ट के अलावा सुप्रीम कोर्ट में भी पेश हुए हैं।

**तीन एजी हटाए गए**

मार्च 2022 में जब आम आदमी पार्टी ने राज्य की कमान संभाली थी तब डीएस पटवालिया एजी के पद पर कायम थे। नई सरकार के कार्यभार संभालने के दो दिन के अंदर ही पटवालिया ने एजी पद से इस्तीफा दे दिया था। सरकार ने तब अनमोल रतन सिद्धू को एजी नियुक्त किया था। हालांकि, सिद्धू ने सिर्फ चार महीने बाद 30 जुलाई, 2022 को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। उसी दिन, सरकार ने विनोद घई को इस पद के लिए नियुक्त किया था, जो 5 अक्टूबर, 2023 तक कार्यालय में रहे। इसी के बाद 6 अक्टूबर को, सरकार ने गुरमिंदर सिंह को एजी नियुक्त किया था। हालांकि, अब उन्होंने भी इस पद से इस्तीफा दे दिया है।

## महाराष्ट्र की मस्जिद में देर रात को हुआ जोरदार धमाका, सामने आया अंदर का विडियो

बीड, 30 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड जिले में तड़के एक मस्जिद में विस्फोट का मामला सामने आया है। यह घटना अर्धामसला गांव की मस्जिद का बताया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक देर रात करीब 2:30 बजे मस्जिद में विस्फोट हुआ। फिलहाल बताया जा रहा है कि यह किसी अज्ञात सिरफिरे की करतूत है। इस विस्फोट में मस्जिद की फर्श टूट गई है। राहत की बात यह है कि कोई भी इस विस्फोट में घायल नहीं हुआ है। वहीं मामले की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंच गए हैं। अभी तक विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है। वहीं पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

**फर्श और दीवारों में आई दरारें**

दरअसल, पूरा मामला बीड के गेवराई तालुका के अर्धमसला गांव का बताया जा रहा है। यहां एक मस्जिद में देर रात विस्फोट किया गया। इस विस्फोट से मस्जिद की फर्श और दीवारों में दरारें आ गई हैं। बताया जा रहा है कि किसी अज्ञात मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति ने इस घटना को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस अधीक्षक नवनीत कावट मौके पर पहुंच चुके हैं।

यह घटना रात करीब ढाई बजे हुई है। इस विस्फोट के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की है और अज्ञात व्यक्ति की तलाश की जा रही है।

## 43 डिग्री पहुंचा तापमान, 60 किमी प्रति घंटे से चलेंगी तेज हवाएं, इन राज्यों में बारिश के साथ गिरेंगे ओले

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। देश में मौसम की खिचड़ी देखने को मिल रही है। कहीं भीषण गर्मी पड़ रही है तो कहीं बारिश का अलर्ट जारी है। साथ ही कई राज्यों में तेज हवाएं चल रही हैं। हालांकि, तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने हीटवेव और बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है।

**इन राज्यों में बरसेंगे बादल**

उत्तर-पश्चिम भारत में 20-30 से लेकर 40 किमी प्रति घंटे की स्पीड से तेज हवाएं चलेंगी। पूर्वोत्तर असम पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है, जिससे अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना है। महाराष्ट्र के मध्य और आसपास के भागों पर हवा के संगम के प्रभाव में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात में 1-2 अप्रैल को 30-60 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चलेंगी और बिजली-गरज के साथ बादल बरसेंगे। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश में 31 मार्च से 2 अप्रैल के दौरान बरसात हो सकती है। साथ ही कई राज्यों में ओले भी गिरेंगे। पिछले 24 घंटे में जम्मू कश्मीर, लद्दाख और पूर्वी उत्तर प्रदेश में तूफानी तेज हवाएं चलीं।

**आने वाले दिनों में तापमान में होगी बढ़ोतरी**

उत्तर-पश्चिम भारत में 30 मार्च से 2 अप्रैल तक अधिकतम तापमान 4-6 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है, जबकि पूर्वी और मध्य भारत में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा। उत्तर प्रदेश में अगले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी, लेकिन उसके बाद तापमान में उछाल आएगा। गुजरात में अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी।

**43 डिग्री सेल्सियस पहुंचा तापमान**

देश भर में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव और ओडिशा के झारसुगुड़ा में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 43.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटे में दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंतरिक ओडिशा, पश्चिम बंगाल, दक्षिण-पूर्वी झारखंड, उत्तरी तेलंगाना में अधिकतम पारा 40-42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। कश्मीर, लद्दाख को छोड़कर देश के बाकी हिस्सों में 28-35 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान रहा।

**जानें दिल्ली एनसीआर में कैसा रहेगा मौसम?**

दिल्ली एनसीआर में पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 9 डिग्री तक और अधिकतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 31 से 34 डिग्री और 10 से 15 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। 1 अप्रैल तक मौसम साफ रहेगा और 20 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से हवाएं चलेंगी।

## ठाणे में प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप की 238 बोतलें जब्त

ठाणे, 30 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने 53,550 रुपये मूल्य की प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप की 238 बोतलें जब्त की हैं। बोतलों को एक व्यक्ति अवैध रूप से मोटरसाइकिल पर ले जा रहा था। पुलिस ने शिल दैघर इलाके के सिबली नगर में 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर लिया। उसका दोपहिया वाहन, 1,800 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

## लैंडिंग से ठीक पहले फट गया फ्लाइट का टायर, जयपुर से चेन्नई जा रहा था विमान

चेन्नई, 30 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर से चेन्नई आ रहा एक विमान बड़े हादसे का शिकार होते-होते बच गया। बताया जा रहा है कि रविवार की सुबह चेन्नई एयरपोर्ट पर उतरने से पहले ही विमान का टायर फट गया। इसकी जानकारी मिलने के बाद विमान में बैठे यात्रियों की जान अटक गई। हालांकि अधिकारियों ने इस विमान की इमरजैंसी लैंडिग कराई। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया कि सभी यात्री और चालक दल के सभी सदस्य विमान से सुरक्षित उतर गए। उन्होंने बताया कि विमान के एयरपोर्ट पर उतरने से पहले पायलट को टायर फटने का पता चला। इसके बाद उसने इस बारे में अधिकारियों को सूचित किया। अधिकारियों के अनुसार, पायलट से सूचना मिलने पर ऐसी परिस्थितियों में विमान को उतारने के लिए निर्धारित मानदंडों का पालन किया गया।

**कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग**

अधिकारियों ने बताया कि विमान को आपातकालीन परिस्थिति में उतारा गया। इसके बाद विमान का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान इसका पहिया नंबर-2 क्षतिग्रस्त मिला, जिसके बाएं हिस्से से कई टुकड़े अंदर की ओर से बाहर आ रहे थे। इसी तरह के एक हादसे में अमेरिका में एक विमान अनियंत्रित होकर मकान पर गिर गया। विमान आयोवा से मिनेसोटा जा रहा था। विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर मिनियापोलिस उपनगर के एक मकान पर गिरा, जिससे विमान में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। ब्रुकलिन पार्क के प्रवक्ता रिसिकट अडेसाओगुन ने बताया कि मकान में रह रहे लोगों को इस हादसे में कोई चोट नहीं आई है, लेकिन मकान नष्ट हो गया है।

**मकान पर गिरा विमान**

वहीं संघीय उड्डयन प्रशासन ने एक बयान में बताया कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि एकल-इंजन वाले 'सोकाटा टीबीएम7' विमान में कितने लोग सवार थे। एजेंसी ने बताया कि विमान 'डेस मोइनेस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' से रवाना हुआ था और वह 'अनोका काउंटी-ब्लेन हवाई अड्डे' जा रहा था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस दुर्घटना के संबंध में जांच कर रहा है।

### मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, 30 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग हिस्सों से तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। प्रतिबंधित पीआरईपीएके (प्रो) के एक सदस्य को शनिवार को इंफाल पश्चिम जिले के खुरकुल से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान निंगथौजम बोबॉय सिंह उर्फ खोंगनांगथाबा (37) के रूप में हुई। प्रतिबंधित केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को इंफाल पूर्व जिले के सावोमबंग में उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान सनसम सोनामित सिंह (27) के रूप में हुई। केसीपी (सिटी मीतेई) के एक उग्रवादी शारंगबाम थोइबा सिंह (43) को गिरफ्तार किया गया। वह काकचिंग और इंफाल पश्चिम जिलों में जबरन वसूली के मामलों में वांछित था। इसके अलावा एक 32 वर्षीय व्यक्ति को अन्य व्यक्तियों की जानकारी के बिना आतंकियों को सिम कार्ड बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

## अग्रोहा में शाह का आगमन आज

### केंद्रीय गृहमंत्री के कार्यक्रम स्थल के दो किलोमीटर दायरे में धारा 163 लागू

हिसार, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अग्रोहा मेडिकल कॉलेज परिसर में महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का अनावरण, नवनिर्मित आईसीयू कक्ष का लोकार्पण तथा पीजी हॉस्टल का शिलान्यास सोमवार को करेंगे। अमित शाह दोपहर करीब 12 बजे पहुंचेंगे और 1.30 बजे वापस दिल्ली के लिए रवाना होंगे। अमित शाह करीब 1.30 घंटे अग्रोहा में रहेंगे। उनका हेलिकॉप्टर मेडिकल कॉलेज परिसर में बने हेलिपैड पर उतरेगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के 31 मार्च के दौरे को लेकर पुलिस की पांच कंपनियां तैनात की जाएंगी, जिसमें 2 कंपनी दूसरे जिलों से बुलाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर रविवार को रिहर्सल होगा। अमित शाह के दौरे के दृष्टिगत अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कार्यक्रम स्थल के 2 किलोमीटर के दायरे में धारा 163 लागू की गई है। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्धारित स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की तैनाती की गई है। गृह मंत्री अमित शाह के साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, स्वास्थ्य मंत्री आरती राव, लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा भी उपस्थित रहेंगे। इस मौके पर हिसार विधायक सावित्री जिंदल गृहमंत्री अमित शाह का स्वागत करेंगी। कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल समापन मौके पर धन्यवाद भाषण देंगे।

**यह सौगात मिलेगी**

अग्रोहा मेडिकल कॉलेज परिसर में 31 मार्च को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 32 बेड के अत्याधुनिक सुविधाओं वाले आईसीयू का उद्घाटन करेंगे। 20 फीट ऊंची महाराजा अग्रसेन की 800 किलोग्राम वजनी प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके अलावा पीजी स्टूडेंटस के लिए बनने वाले छात्रावास भवन की आधारशिला भी रखेंगे। मेडिकल कॉलेज के एमएस डॉ। राजीव चौहान ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में पहले 8 बेड का आईसीयू था, अब इसे बढ़ाकर 32 बेड कर दिया गया है। चार गुणा क्षमता वाले नए आईसीयू भवन में अत्याधुनिक सेवाएं मिलेंगी।

**अधिकारियों ने किया मुआयना**

अग्रोहा मेडिकल कॉलेज के दौरे को लेकर तैयारियां को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस संबंध में अतिरिक्त उपायुक्त सी जयाश्रद्धा तथा पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने अग्रोहा पहुंचकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला प्रशासन के अधिकारी रविवार को रिहर्सल करेंगे।

### कॉर्बेट पार्क में मिला बाघिन का शव, सिर पर गहरी चोट और खून के निशान; हाथियों के हमले का शक

नैनीताल, 30 मार्च (एजेंसियां)। रामनगर कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के ढेला रेंज में रविवार सुबह वन कर्मियों को एक बाघिन का शव मिला। बाघिन के शव पर चोट के निशान थे, सिर से काफी खून बह रहा था। वहीं मौके पर हाथियों के झुंड के भी निशान दिखाई दिए है। अनुमान लगाया जा रहा है कि बाघिन को हाथियों के झुंड मारा होगा। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ। साकेत बडोला ने बताया कि बाघिन के शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। मौत के सही वजह का पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद चलेगा फिलहाल मौके पर वन कर्मियों की टीम जांच पड़ताल में लगी है।

### दिल्ली में गर्मी के साथ गहराया पावर संकट

## कांग्रेस ने बिना टेंडर बिजली की खरीद पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में नई सरकार के गठन की वजह से राजनीतिक पारा चरम पर है। दूसरी तरफ दिल्ली में मौसम में बदलाव और तापमान में लगातार बढ़ोतरी की वजह से बिजली कटौती की समस्या ने दिल्लीवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में बढ़ते बिजली संकट और उपभोक्ताओं पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि गर्मियों की शुरुआत के साथ ही दिल्ली में बिजली कटौती की समस्या बढ़ती जा रही है। इस बीच दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (डीईआरसी) के नए चेयरमैन की नियुक्ति के बाद बिजली कंपनियां बिना टेंडर के महंगी बिजली खरीदने की तैयारी में हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की आशंका है। देवेंद्र यादव ने बताया कि डीईआरसी के समक्ष एक याचिका विचाराधीन है, जिसमें मई 2025 से जुलाई 2025 के बीच 400 मेगावाट बिजली की सीधी खरीद की इजाजत मांगी गई है। यह खरीद बिना टेंडर प्रक्रिया के रात 12 बजे से 2 बजे और रात 8 बजे से 12 बजे के बीच प्रस्तावित है। उन्होंने इसे बड़े भ्रष्टाचार का संकेत बताते हुए कहा कि इसके तार काफी दूर तक जुड़े हैं। सीएम रेखा गुप्ता सरकार ने बिजली बिलों में वृद्धि के लिए कंसल्टेंट नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिससे उपभोक्ताओं पर दोहरी मार पड़ने की साजिश रची जा रही है। बिजली कंपनियां बिना प्रतिस्पर्धा के ऊंचे दामों पर बिजली खरीद रही हैं, जिससे उनका दिल्ली के ऊर्जा बाजार पर एकाधिकार स्थापित हो सकता है। इससे बिजली के दाम बढ़ेंगे और इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा।

### आईएएस सुजाता की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति को केंद्र की मंजूरी

## भाजपा के आरोपों के बाद मामले ने पकड़ा था तूल

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने ओडिशा कैडर की भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी सुजाता आर कार्तिकेयन के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के आवेदन को मंजूरी दी है। उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए वीआरएस के लिए आवेदन किया था। आईएएस कार्तिकेयन बीजद नेता और पूर्व सीएम पटनायक के सहयोगी वीके पांडियान की पत्नी हैं। पिछले साल चुनाव के दौरान भाजपा ने उन पर बीजद की एजेंट होने का आरोप लगाया था। इसके बाद चुनाव आयोग ने उनका स्थांनातरण कर दिया था। इसके बाद सत्ता में आई भाजपा ने उनके छुट्टी बढ़ाने के आवेदन को खारिज कर दिया था। माना जा रहा है कि आरोपों के बाद कार्तिकेयन ने वीआरएस लेने का फैसला लिया है। कार्तिकेयन अभी वित्त विभाग में विशेष सचिव के रूप में कार्यरत हैं। सुजाता कार्तिकेयन 2000 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। वह लेडी श्री राम कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक और दिल्ली विश्वविद्यालय की टॉपर रही हैं। इसके अलावा उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मास्टर डिग्री भी हासिल की है। ओडिशा में पूर्ववर्ती बीजद सरकार में उन्होंने खेल और शिक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए कई काम किए। उन्होंने हाईस्कूल छात्रों के लिए साइकिल योजना शुरू करने के लिए जाना जाता है। माओवादी प्रभावित सुंदरगढ़ जिले में कलेक्टर रहने के दौरान स्कूलों में छात्राओं के नामांकन में सुधार लाने के लिए उन्होंने यह पहल की थी। बाद में इसे पूरे राज्य में लागू किया गया। उन्होंने राज्य में फुटबॉल और हॉकी के लिए छात्रावास बनवाए। 2006 में उन्होंने सुंदरगढ़ के सभी सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना में अंडे शामिल करने की शुरुआत की। इसे बाद में पूरे राज्य में लागू किया गया। आईएएस कार्तिकेयन ने महिला सशक्तीकरण के लिए भी कई काम किए। वह कटक जिले की पहली महिला कलेक्टर बनी। इसके बाद समाज कल्याण की निदेशक रहते हुए उन्होंने मिशन शक्ति पहल शुरू की। इससे 70 लाख महिलाओं को जोड़ा गया। योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा मिला। पूरे राज्य में मिशन शक्ति बाजार स्थापित किए गए। इसका माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने दौरा किया।

## अंडा और जूस बेचने वालों को मिला इनकम टैक्स का नोटिस

### एक पर 6 और दूसरे पर 7 करोड़ का बकाया

भोपाल, 30 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में अंडा और जूस बेचने वाले दो लोगों को आयकर विभाग की टीम ने नोटिस भेजा है। आयकर विभाग ने दोनों को करोड़ो रुपये के बकाए का नोटिस भेजा है। इसमें चौंकाने वाले एक बात और है और वो ये कि दोनों सेलरों को कोई अंदाजा ही नहीं है कि आखिर उनके ऊपर किस बात का बकाया लगाया गया है और इनकम टैक्स ने उन्हें क्यों नोटिस भेजा है। जानकारी के मुताबिक, दोनों अपने-अपने परिवार में कमाने वाले इकलौते व्यक्ति हैं।

दमोह के रहने वाले प्रिंस सुमन को इनकम टैक्स विभाग ने नोटिस भेजा है। इनकम टैक्स विभाग ने प्रिंस सुमन को 50 करोड़ रुपये के कारोबार के लिए नोटिस भेजा है। इस नोटिस में कहा गया है कि उनके ऊपर 6 करोड़ रुपये का जीएसटी बकाया है। विभाग ने बकाया चुकाने के अलावा प्रिंस से 50 करोड़ के लेनदेन से जुड़े डॉक्यूमेंट्स भी मांगे हैं। आयकर विभाग की नोटिस से पता चला कि प्रिंस के नाम एक रजिस्टर्ड है। साल 2022 में दिल्ली के स्टेट जोन 3 के वार्ड 33 में प्रिंस एंटरप्राइजेज नाम की एक कंपनी को रजिस्टर किया गया था। ये कंपनी लकड़ी, चमड़ा और लोहे का व्यापार करती है। आयकर विभाग ने अपनी नोटिस में बताया है कि पिछले 2 सालों में बड़े पैमानें पर कंपनी ने लेनदेन की है। वहीं उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में जूस बेचने वाले मोहम्मद रहीस को भी इनकम टैक्स विभाग ने नोटिस भेजा है। उन्हें 7.79 करोड़ रुपये के जीएसटी बकाए का नोटिस भेजा गया है। मोहम्मद रहीस ने बताया कि नोटिस मिलन के बाद से ही उनका परिवार परेशान है। रहीस ने कहा कि उन्हें नहीं पता ऐसे क्यों हुआ है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

युविचार

शालीनता आपके संस्कारों को दर्शाता है इसलिए सभ्य और शालीन बन कर रहे ।



## कांग्रेस पार्टी अगले दस साल तक सत्ता में रहेगी : महेश

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने तेलंगाना के लोगों को उगादि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता के आशीर्वाद से कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और भट्टी विक्रमार्क उपमुख्यमंत्री के रूप में जन कल्याण और विकास के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। अगर आप मेहनत करेंगे तो आपको फल जरूर मिलेगा। राज्य में अनेक विकास कार्यक्रम एवं कल्याणकारी कार्यक्रम आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास होगा। विदेशी लोग निवेश के लिए आगे आ रहे हैं। हम अपने द्वारा उगाए जाने वाले छोटे चावल को फिलीपींस में निर्यात कर रहे हैं। शिक्षा को लेकर काफी सोच-विचार किया जा रहा है। हम एकीकृत आवासीय विद्यालय स्थापित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अथक प्रयास कर रहे हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे, युवा नेता राहुल गांधी और सोनियाम्मा के नेतृत्व में कांग्रेस देश में बहुत मज़बूत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य में अगले दस साल तक सत्ता में रहेगी। गांधी भवन में कांग्रेस पार्टी का कार्यालय गरीबों के मंदिर जैसा है। कांग्रेस पार्टी लोगों की पार्टी है और उनके लिए काम करती है। मैं कामना करता हूं कि इस वित्तीय वर्ष में राज्य का अच्छा विकास हो और जनता के लिए कल्याणकारी परिणाम आएं।

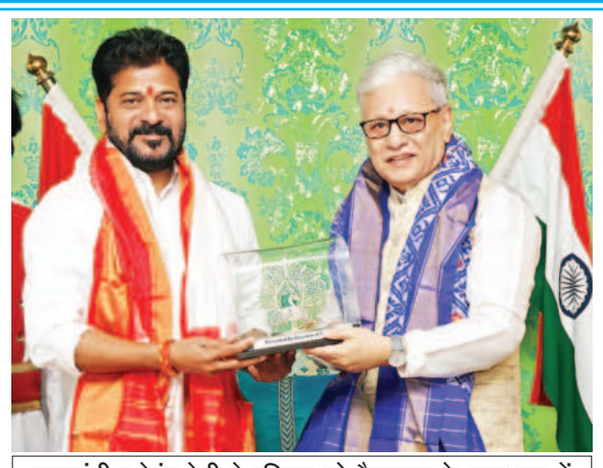

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद के राजभवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात कर तेलुगु नव वर्ष, विश्वसु नाम संवत्सर उगादि के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

## जवाहर लाल नेहरू ने देश में पहली बार राशन की दुकानें लाए : मुख्यमंत्री

### हुजूर नगर में सीएम ने गुणवत्ता वाले चावल वितरण का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू 1957 में देश में पहली बार राशन की दुकानें लाए। कांग्रेस ने हमेशा आम आदमी के हितों की चिंता की है। वे हुजूर नगर में गुणवत्ता वाले चावल वितरण समारोह में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गड्डा नलगोंडा, जहां मल्लू स्वराज की धरती, भुक्ति और मुक्ति के लिए संघर्ष हुआ था। कृष्णपट्टी क्षेत्र चैतन्य का उपनाम है। कार्यकर्ताओं ने साबित कर दिया है कि हुजूर नगर और कोदड़ा कांग्रेस के गढ़ हैं। गड्डा नलगोंडा ने रवि नारायण रेड्डी को देश में सबसे बड़े बहुमत से हराया। दक्षिण भारत में नलगोंडा ने कांग्रेस ने चुना और सबसे बड़ा बहुमत दिया। इंदिरा गांधी ने वही दिया जो दलित, अल्पसंख्यक और कमजोर वर्ग चाहते थे। इंदिरा गांधी ने तेलंगाना में गरीबों को 25 लाख एकड़ जमीन बांटा। यहां भगवान की फोटो के बगल में इंदिरम्मा की फोटो लगाने की संस्कृति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों को तत्कालीन मुख्यमंत्री कोटला विजय भास्कर रेड्डी ने 20 रुपये में एक किलो चावल दिया। वर्ष 1983 में, गरीबों की भूख जानने वाले व्यक्ति के रूप में, एनटीआर ने दो रुपये में एक किलो चावल दिया। जना रेड्डी ने 2 रुपये किलो चावल योजना में अहम भूमिका निभाई। पंडित जवाहर लाल नेहरू 1957 में देश में पहली बार राशन की दुकानें लाए। नलगोंडा जिले में 12 लाख एकड़ में धान की खेती होती है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने मिलर्स से 21 हजार करोड़ का चावल छुपाया। मिलर्स 10 रुपये में चावल खरीदते हैं और सरकार को 30 रुपये में बेचते हैं। गरीब लोग बढ़िया चावल नहीं पका सकते थे। अपने कैबिनेट सहयोगियों से चर्चा के बाद हर गरीब को 6 किलो छोटा चावल देने का निर्णय लिया। मैंने सोचा गरीबों का पेट भर दूं। सोनियाम्मा खाद्य सुरक्षा कानून लेकर आईं और गरीबों की भूख मिटाई। सोनियाम्मा ने मां की भूमिका निभाई और खाद्य सुरक्षा कानून लेकर आईं। उन्होंने 80 हजार किताबें पढ़ीं और कहा कि वे तेलंगाना के बारे में सब कुछ जानते हैं। उन्होंने किसानों को डराया कि अगर उन्होंने धान लगाया तो वे मर जायेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने उन्हें धान लगाने और धान खरीदने के लिए कहा था.. लेकिन उन्होंने एरविली फार्म हाउस में 1000 एकड़ में धान की खेती की और इसे 4,500 प्रति क्विंटल में बेच दिया। अगर दलित और आदिवासी धान उगाते हैं तो उसे खरीदने वाला कोई नहीं है। गरीबों का उगाया हुआ एक-एक अनाज हमारी सरकार खरीदती है। पतला चावल उगाने वाले किसानों को हम प्रति क्विंटल 500 रुपये का बोनस दे रहे हैं। नलगोंडा जिले के किसानों को सर्वाधिक बोनस मिला है। सशस्त्र किसान संघर्ष, रोटी कपड़ा मकान, दो रुपये प्रति किलो चावल के बाद इस सरकार का गुणवत्ता वाले चावल के इतिहास में दर्ज होगा। कोई भी मुख्यमंत्री इस चावल योजना को रद्द नहीं कर सकता है। हुजूर नगर सभा में लोग ऐसे आये जैसे कृष्णा नदी एंथिल की तरह उमड़ रही हो। कांग्रेस सरकारें किसानों को समर्थन देने के लिए कई परियोजनाएं लेकर आई हैं। दस साल तक सत्ता में रहे केसीआर ने एसएलबीसी सुरंग की आधारशिला रखी। किसानों से नाराजगी के बाद नलगोंडा ने एसएलबीसी पूरा नहीं किया। 34 किलोमीटर लंबी एसएलबीसी को प्रति वर्ष एक किलोमीटर खोदा जा सकता था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। हमारी सरकार विफल परियोजनाओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि तीन साल में केसीआर ने एक लाख करोड़ निगल लिए और कुलेश्वरम का निर्माण किया। एक लाख करोड़ की लागत से बनी परियोजना तीन साल में ध्वस्त हो गयी। देश में सबसे ज्यादा धान पैदा करने का रिकॉर्ड तेलंगाना के किसानों के नाम है। मेरी सोच में कोई त्रुटि नहीं है। मैं अच्छी इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ रहा हूं। भले ही केसीआर ने मेरे घर का दरवाजा तोड़ दिया और मुझे गिरफ्तार कर लिया, मैं 8 महीने में सांसद बन गया। मैंने 2006 में जेडपीटीसी के रूप में राजनीति शुरू की और 2024 में मुख्यमंत्री बन गया। बीआरएस की हालत शगुन बताने वाली छिपकली की तरह है जो दाहिनी ओर गिरकर मर गई। हम तीन करोड़ लोगों को पतला चावल देंगे। मैंने 25 लाख किसानों का कर्ज माफ किया हम पहले ही किसानों के खातों में रैतु भरोसा फंड के 5000 करोड़ रुपये जमा कर चुके हैं। हम शेष 4 हजार करोड़ रुपये भी जल्द ही जमा करेंगे। हम किसानों के दिलों में इंदिरम्मा और सोनियाम्मा का नाम बनाए रखने के लिए कार्यक्रम कर रहे हैं। हम अनाज खरीदने के तीन दिन के भीतर किसानों के खाते में पैसा जमा कर रहे हैं। हुजूर नगर को कृषि महाविद्यालय प्रदान करना है। मिर्यालागुडा को यंग इंडिया आवासीय विद्यालय प्रदान करना है। हम 15 महीने में जितने कार्यक्रम कर सकते थे हमने किये हैं। हम करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग विकास कार्यों में टांग अड़ाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता उनकी आंखों में धूल झोंकने को तैयार हैं। लोकतंत्र प्रगति के पथ पर चलकर हम तेलंगाना को देश में नंबर एक नंबर बनाएंगे।

## आग लगने से तीन बढ़ईगीरी कार्यशालाएं खाक

निर्मल, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार देर रात कुंतला मंडल के ओला गांव में बिजली के शॉर्ट-सर्किट के कारण आग लगने से बढ़ई की तीन दुकानें जलकर खाक हो गईं। दुकान मालिकों के अनुसार, क्षतिग्रस्त संपत्ति की कीमत 40 लाख रुपये आंकी गई है। वेलपुर के बढ़ई राजशेखर, रंजीत और राकेश ने दावा किया कि बिजली के शॉर्ट-सर्किट के कारण लगी आग में उनकी कार्यशालाएँ जलकर राख हो गईं। दमकल गाड़ियों को बुलाया गया, लेकिन वे बेकार गईं क्योंकि जब तक दमकलकर्मी मौके पर पहुँचे, तब तक संपत्ति जल चुकी थी। बढ़ईयों ने बताया कि आग लगने से कार्यशालाओं में रखे उपकरण और फर्नीचर नष्ट हो गए हैं। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त संपत्ति की कीमत करीब 40 लाख रुपये है। उन्होंने सरकार से सहायता राशि देने का अनुरोध किया।

## छात्रों के विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहा पत्रकार हिरासत में

### बढ़ते विरोध के बीच पत्रकार को छोड़ा गया

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहे एक अंग्रेजी समाचार वेब पोर्टल के पत्रकार को रविवार को पुलिस ने कथित तौर पर हिरासत में ले लिया। पत्रकार विश्वविद्यालय के पूर्वी परिसर में 400 एकड़ वन भूमि को साफ करने के लिए आए बुलडोजरों के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहे थे, जिसे राज्य सरकार ने नीलामी के लिए रखा है।

पत्रकार पर पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने कहा कि तेलंगाना में पुलिस की कठोर कार्रवाई चिंताजनक है। राव ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि पत्रकारों को हिरासत में लिया जा रहा है और असहमति जताने वालों को गिरफ्तार किया जा रहा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह खुला दमन अस्वीकार्य है और राहुल गांधी लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में उपदेश देने शहर जाते हैं। दोहरे मापदंड बेहद घृणित हैं। बीआरएस नेता डॉ. मन्ने कृषांक ने भी पत्रकार की हिरासत की निंदा की और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। बाद में पुलिस ने पत्रकार को छोड़ दिया।

## नागरकर्नूल जिले में फसल नुकसान से परेशान एक काश्तकार ने की आत्महत्या

नागरकर्नूल, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। खराब उपज और बढ़ती निराशा के कारण रविवार को नागरकर्नूल जिले के पेद्दा कोथापल्ली मंडल के देवुल थिरुमालापुर गांव में एक किसान कोनामोनी श्रीनिवासुलु की कथित तौर पर आत्महत्या करने से मौत हो गई। श्रीनिवासुलु नामक एक किराएदार किसान ने इस साल कलवाकुर्ती मंडल के वेप्पुर गांव में आम का बाग पट्टे पर लिया था। उन्होंने इस क्षेत्र में प्रचलित प्रथा के अनुसार किराए की राशि अग्रिम रूप से चुका दी लेकिन कीटों के कारण आम की पैदावार बुरी तरह प्रभावित हुई, जबकि तूफान ने फल बनने की अवस्था में काफी नुकसान पहुंचाया। फसल बर्बाद होने से दुखी होकर श्रीनिवासुलु ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

## डॉग स्क्वायड टीम ने कई स्थानों पर छानबीन की

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त सुधीर बाबू ने तेलुगु नव वर्ष की शुरूआत, उगादि उत्सव के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस मौके पर सभी लोगों के खुश रहने की कामना की। कमिश्नरेट में सांप्रदायिक सौहार्द के लिए अधिकारी विभिन्न सावधानियां बरत रहे हैं। कल होने वाले रमज़ान त्योहार के अवसर पर, अधिकारियों को राचाकोंडा आयुक्तालय में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मुसलमानों को सामूहिक प्रार्थना जैसे कार्यक्रमों के आयोजन के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है, जहां बड़ी संख्या में लोग भाग लेते हैं। अधिकारियों को सभी प्रमुख मस्जिदों के परिसरों में वाहन नंबर प्लेटों और दस्तावेजों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। आवश्यक स्थानों पर बम निरीक्षण टीमों द्वारा प्रारंभिक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। सीपी के निर्देशों के अनुसार, सीएआर भुवनगिरी टीम और एंटी-सैबोटेज चेक टीम और डॉग ने एहतियाती उपायों के तहत आज भुवनगिरी स्टेशन क्षेत्र, यादगिरीगुट्टा और विभिन्न व्यस्त स्थानों पर सरूर नगर दरगाह, उप्पल म्यूनिसिपल ग्राउंड, बालापुर दरगाह जैसे विभिन्न क्षेत्रों में जांच की।

## कांग्रेस नेता 'भ्रष्टाचार के वायरस' से संक्रमित : संजय

### भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है हर सरकारी विभाग

करीमनगर, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता 'भ्रष्टाचार के वायरस' से संक्रमित हैं। अनुबंधों से लेकर लंबित बिलों के निपटान तक, कमीशन दिए बिना कोई काम नहीं किया जाता। उगादी समारोह के दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि हर सरकारी विभाग भ्रष्टाचार में डूबा हुआ है।

नये पंचांग के अनुसार नये साल में नई बीमारियों के अलावा लूटपाट, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों में भ्रष्टाचार भी अधिक रहेगा। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार पर नजर डाली जाए तो यह सच है। संजय कुमार ने जनता को बढ़िया किस्म का चावल वितरित करने के राज्य सरकार के फ़ैसले का भी स्वागत किया और कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकार की तुलना में तीन गुना ज़्यादा लागत वहन कर रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 40 रुपये प्रति किलोग्राम चावल उपलब्ध करा रही है, जबकि राज्य सरकार का हिस्सा केवल 10 रुपये है। इसलिए उन्होंने मांग की कि सभी राशन दुकानों पर प्रधानमंत्री की तस्वीर लगाई जानी चाहिए।

## बाजार की चुनौतियों के बीच अनिश्चितता से जूझ रहे धान किसान

### 2,630-2,970 रुपये और 2,320-2,520 रुपये प्रति क्विंटल कीमतें

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में धान किसानों को चालू रबी सीजन के दौरान अनिश्चितताओं का सामना करना पड़ रहा है, बाजार मूल्य और जलवायु परिस्थितियां उनकी परेशानियों को बढ़ा रही हैं। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू) के कृषि बाजार खुफिया केंद्र ने अनुमान लगाया है कि फसल कटाई के मौसम के शुरूआती हफ्तों में धान ग्रेड-ए और धान-कॉमन की कीमतें क्रमशः 2,630-2,970 रुपये और 2,320-2,520 रुपये प्रति क्विंटल के बीच हो सकती हैं। ये कीमतें किसानों की उम्मीदों से कम हैं, खासकर पानी की कमी से अपनी फसलों को बचाने के लिए भारी निवेश के बाद।

ए-ग्रेड धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,320 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, साथ ही बढ़िया किस्मों के लिए 500 रुपये अतिरिक्त दिए गए हैं। हालांकि, वनकलम फसलों की तुलना में रबी फसलों के लिए उच्च इनपुट लागत को देखते हुए, इस एमएसपी को उत्साहजनक नहीं माना जा रहा है। चुनौतियों के अलावा, पानी की कमी ने 8 लाख एकड़ से ज़्यादा ज़मीन पर लगी धान की फ़सल को ख़तरे में डाल दिया है, और पूरे राज्य में भूजल स्तर गिर रहा है। किसानों ने पानी के टैंकर किराए पर लेने और बोरवेल खोदने का सहारा लिया है, लेकिन उच्च लागत और लगातार विफलताओं ने कई लोगों को अपनी फ़सल छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। निर्यात के मोर्चे पर, जबकि भारत ने नवंबर 2024 में 20.31 लाख मीट्रिक टन सहित चावल के निर्यात में वृद्धि देखी है, बढ़ते वैश्विक उत्पादन और भारत में मजबूत फसल कीमतों पर दबाव डाल सकती है। फरवरी में भारतीय रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर ने व्यापारियों के मार्जिन को बढ़ाया है, लेकिन बाजार की स्थिरता अनिश्चित बनी हुई है, जो भविष्य की मांग और नीतिगत निर्णयों पर निर्भर है। रबी सीजन में धान की आवक बढ़ने के साथ ही राज्य सरकार ने इस रबी सीजन में 70 लाख टन धान खरीदने की योजना बनाई है, लेकिन खरीफ सीजन की तरह इस लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल होगा। बोनस भुगतान में देरी और मिल मालिकों के प्रभाव से किसानों के आत्मविश्वास पर असर पड़ रहा है, जिससे परिचालन पर असर पड़ने की संभावना है। इस साल राज्य में धान उत्पादन में उछाल आया है, कुल उत्पादन 1.21 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है। सरकार ने राज्य भर में 8,200 खरीद केंद्र स्थापित करने की योजना की घोषणा की है, जो एक सप्ताह में चालू हो जाएंगे। इनका उद्देश्य खरीद प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और किसानों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करना है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए केंद्रीय पूल में शामिल करने के लिए तेलंगाना से 52 लाख टन धान को शामिल करने को मंजूरी दे दी है।

## हैदराबाद में आने वाले दिनों में चरम पर रहेगा तापमान

### 3 और 4 अप्रैल को आंधी-तूफान की संभावना

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के कई जिलों में भीषण गर्मी जारी है और अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच है। आने वाले दिनों में गर्मी अपने चरम पर रहेगी, हालांकि 3 अप्रैल से 4 अप्रैल के बीच आंधी-तूफान के रूप में कुछ राहत मिलने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने रविवार शाम को अपने पूर्वानुमान में कहा कि राज्य में शुष्क मौसम रहने की संभावना है। अगले 2 दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, उसके बाद अगले 3 दिनों के दौरान धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी।

गुरुवार, 3 अप्रैल से हैदराबाद और अन्य स्थानों पर लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिलेगी, क्योंकि आईएमडी ने कुछ जिलों के लिए येलो अलर्ट (मध्यम) और शुक्रवार, 4 अप्रैल को आंधी-तूफान का ऑरेंज अलर्ट (तीव्र) जारी किया है। गुरुवार के लिए आईएमडी के पीले अलर्ट में कहा गया है कि तेलंगाना के आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, निर्मल, निजामाबाद, कामारेड्डी, मेदक, महबूबनगर, वानापर्थी और जोगुलम्बा गदवाल जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी आने की संभावना है।

शुक्रवार, 4 अप्रैल के लिए ऑरेंज (उच्च तीव्रता) अलर्ट में कहा गया है कि तेलंगाना के कामारेड्डी, मेदक, संगारेड्डी, विकाराबाद, महबूबनगर, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गदवाल जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी आने की संभावना है, जबकि आदिलाबाद में बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी आने की संभावना है।

## जंगली सूअर से टकराने से ऑटोरिक्शा चालक की मौत

मेदक, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के रामायमपेट मंडल के सुथारपल्ली में एक ऑटोरिक्शा चालक की उस समय मौत हो गई जब उसका वाहन एक जंगली सूअर से टकरा गया। कामारेड्डी जिले के मल्लुपल्ली निवासी भानु चंद्र (21) अपनी मां को लेने के लिए सुथारापल्ली अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे। भानु हैदराबाद में ऑटोरिक्शा चालक के तौर पर काम करता था। बताया जाता है कि रास्ते में एक जंगली सूअर सड़क पर आ गया, जिससे भानु का वाहन पर से नियंत्रण खो गया और वह सूअर से टकरा गया। ऑटोरिक्शा पलटने से भानु की मौके पर ही मौत हो गई। मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रामायमपेट के क्षेत्रीय अस्पताल भेज दिया गया है।

## महिला और तीन बच्चे तालाब में डूबे

कामारेड्डी, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। येल्लारेड्डी मंडल के वेंकटपुर मंडल में रविवार सुबह एक महिला और उसके तीन बच्चे तालाब में डूब गए। मृतकों में मौनिका (28), मैथिली (10), अक्षरा (8) और विनय (5) शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मौनिका तालाब के पास कपड़े धो रही थी, जबकि उसके तीन बच्चे नहाने के लिए पानी में उतरे थे। जैसे ही वे गहरे जलाशय में पहुंचे, मौनिका ने उन्हें डूबते हुए पाया। उन्हें बचाने के लिए वह भी पानी में उतर गई, लेकिन दुर्भाग्य से वह और उसके बच्चे डूब गए। इस घटना से गांव में मातम छा गया है और उगादी उत्सव पर भी इसका असर पड़ा है।

## हॉस्टल की बालकनी से कूदकर बीटेक छात्र ने दी जान, जांच में जुटी पुलिस

प्रयागराज, 30 मार्च (एजेंसियां)। ट्रिपल आइटी में बीटेक द्वितीय वर्ष के 20 वर्षीय छात्र राहुल मदला चैतन्य हॉस्टल की बालकनी से कूदकर जान दे दी। आत्महत्या की वजह साफ नहीं है लेकिन कहा गया है कि उसे कुछ शारीरिक परेशानी थी। इस घटना से जहां छात्रों में खलबली मच गई, वहीं संस्थान के सुरक्षा इंतजाम पर सवाल उठ रहे। बताया गया है कि निजामाबाद तेलंगाना निवासी राहुल झलवा स्थित ट्रिपल आईटी में बीटेक का छात्र था। वह कैंपस के पांच नंबर हॉस्टल में रहता था। रविवार अलसुबह वह बालकनी से कूद गया। यह देख वहां अफरातफरी मच गई। जख्मी छात्र को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के कारण का पता लगाया जा रहा है।

# औरंगजेब पर नहीं थम रहा विवाद

## राणा सांगा पर अब मौलाना तौकीर ने उगला जहर संभल सीओ के खिलाफ देंगे धरना

बरेली, 30 मार्च (एजेंसियां)। संभल में सीओ अनुज चौधरी की सख्ती और तीखे बयान इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा खां को अखर गए। मौलाना ने कहा कि ईद के बाद मुस्लिम सांसदों के साथ संभल जाकर सीओ व अन्य अधिकारियों को हटाने के लिए धरना देंगे। हालांकि, उन्होंने इसकी तारीख नहीं बताई। देश में मुगल शासक औरंगजेब पर छिड़ी बहस का सहारा लेकर मौलाना ने वीर योद्धा राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी कर दी कि वह देश के गद्दार थे। मौलाना ने वीर सावरकर के लिए कहा कि वह अंग्रेजों से 60 रुपये वजीफा लेकर देश को बेच रहे थे।

**मौलाना ने सरकार पर साधा निशाना**

अपने आवास पर प्रेसवार्ता में मौलाना तौकीर ने कहा कि सरकार मुस्लिमों के विरुद्ध है। मुख्यमंत्रियों में मुस्लिमों को प्रताड़ित करने की होड़ मची है ताकि वे बता सकें कि कौन सबसे बड़ा हिंदू है। संभल और नागपुर में हमारे लोगों को मारा। जेल में डाला गया। इसे ध्यान में रखते हुए ईद पर नए कपड़े नहीं पहनेंगे। संभल के सीओ अपनी कार्यशैली से देश का माहौल खराब कर रहे हैं। इसलिए वहां धरना देने जाएंगे। मौलाना ने राणा सांगा पर विवादित बयान दिया कि उनके कहने पर बाबर ने पंजाब और दिल्ली पर हमला किया। वहां मुस्लिम शासक थे। बाद में बाबर से वादाखिलाफी कर दी। इसलिए उससे युद्ध हुआ था। वक्फ संशोधन बिल के संदर्भ में मौलाना तौकीर ने कहा कि मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड विरोध के नाम पर भीड़ दिखाना चाहता है। स्थापना से अब तक कोई काम नहीं करने वाला बोर्ड यह भी जान ले कि सरकार ने धर्म के नाम पर 65 करोड़ लोग एक स्थान पर एकत्र करा दिए थे।

**यूसीसी पर उठाया सवाल**

यूसीसी पर यह कहकर सवाल उठाया कि पाकिस्तानी हिंदुओं की आड़ में आतंकी भी आ सकते हैं। मुस्लिमों के घर सौगात-ए-मोदी पहुंचने पर मौलाना ने कहा कि औरंगजेब का मुद्दा उठाने में हुए नुकसान की भरपाई के लिए ऐसा किया जा रहा। प्रधानमंत्री की फोटो मुस्लिमों के घर पहुंचाने के लिए करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की ओर से हिंदुओं को नवरात्र पर उपहार भेजे जाएं। सलमान की घड़ी पर बोले, हर बात में शरीयत लाना ठीक नहीं अभिनेता सलमान खान ने श्रीराम मंदिर की तस्वीर वाली घड़ी पहनी, इसे मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने शरई दृष्टि से अनुचित बताया था। इस पर मौलाना तौकीर ने कहा कि सलमान खान या कोई अन्य अभिनेता डायरेक्टर के निर्देश पर काम करता है, उसमें दखलंदाजी गलत है। हर बात में शरीयत को लाना ठीक नहीं। तौकीर बोले, जिन मौलाना को बरेलवी बताया जाता है, वह बहराइची हैं। उनका मरकज से सिर्फ उतना ताल्लुक है, जितना किसी अन्य मानने वालों को होता है। वह अन्य बरेलवी मौलाना को बदनाम कर रहे हैं।

## बुलंदशहर में नवरात्रि से पहले माहौल बिगाड़ने की कोशिश

बुलंदशहर, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में नवरात्रि की पूर्व संध्या पर असामाजिक तत्वों ने देव प्रतिमाओं को तोड़कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। हालांकि उनकी ये कोशिश नाकाम रही। इससे आक्रोशित होकर गांव वालों और हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने 24 घंटे में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने और दूसरी देव प्रतिमा स्थापित करने का आश्वासन दिया।

तब कहीं जाकर गुस्साए लोग शांत हुए। ये मामला बुलंदशहर के नारऊ गांव से सामने आया है। थाना छतारी क्षेत्र के गांव नारऊ में मुस्लिम आबादी वाले इलाके में पथवारी माता का मंदिर स्थित है। नवरात्रि की पूर्व संध्या पर असामाजिक तत्वों ने पथवारी से शेरावाली माता की प्रतिमा और शिव परिवार की प्रतिमाओं को तोड़ने की कोशिश की गई। जब इस घटना की जानकारी पूरे गांव को हुई तो गांव वाले और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता एकजुट हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही थाना छतारी पुलिस और अन्य थानों की फोर्स को भी मौके पर भेजा गया।

मौके पर पहुंचे डिबाई सीओ शोभित कुमार और राजस्व अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीण और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि 24 घंटे के अंदर आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। इसके साथ ही नई देव प्रतिमाएं स्थापित करने का आश्वासन भी लोगों को दिया। तब जाकर हंगामा कर रहे लोग शांत हुए।

# 'रामलला के दर्शन नहीं करने देंगे

## बृजभूषण शरण सिंह ने मंच से दी राज ठाकरे को चेतावनी

कैसरगंज, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की कैसरगंज से पूर्व बीजेपी सांसद ब्रजभूषण सिंह ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता राज ठाकरे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने धमकी दी कि जब तक राज ठाकरे उत्तर भारतीयों से माफी नहीं मांगेंगे तब तक हम उन्हें राम लला के दर्शन नहीं करने देंगे। बृजभूषण ने सार्वजनिक मंच से कहा राज ठाकरे ने उत्तर भारतीयों को कूड़ा मकौड़ा समझा था उनके साथ मारपीट की। उनका ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पूर्व सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह उन्नाव में बीजेपी सांसद साक्षी महाराज के होली मिलन समारोह में शामिल हुए थे। जहां उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए राज ठाकरे को चेतावनी दी। उन्होंने कहा- मुझे याद है महाराष्ट्र में राज ठाकरे जब जब उत्तर भारतीयों की पिटाई करता था तब-तब कांग्रेस पार्टी उसे सिक्योरिटी देती थी। जब-जब वो हमारे उत्तर भारतीय जो मजदूरी करने गए हैं। कहीं काम करने जाते थे इंटरव्यू देने जाते थे। गरीब लोग थे उन्हें पीटने का काम करता था और कांग्रेस की सरकार उसे सुरक्षा देती थी।

**राज ठाकरे को दी चेतावनी**

इसलिए जब उसने (राज ठाकरे) कहा कि हम अयोध्या के दर्शन करना चाहते हैं। रामजी का दर्शन करना चाहते हैं। अयोध्या सबकी है। हमारी भी है।। हर गरीब की है, राज ठाकरे की भी है। आज वहां देश के कोने-कोने और देश के बाहर से भी लोग दर्शन करने आते हैं। कहीं किसी का विरोध नहीं है। लेकिन, मैने विरोध किया था राज ठाकरे का। कुछ नहीं मांगा था बस ये कहा था कि उसने महाराष्ट्र की धरती पर हमारे पढ़े लिखे जवानों को, गरीबों को पीटने का काम किया है। तुमने उत्तर भारतीयों को कूड़ा मकौड़ा समझ रखा था। बृजभूषण ने राज ठाकरे को चेतावनी देते हुए कहा कि आओ तुम अयोध्या।। लेकिन, जब तक वो यहां के गरीबों, महिलाओं और युवाओं से सार्वजनिक माफी नहीं मांगेंगे तब तक हम उसे अयोध्या में रामलला के दर्शन नहीं करने देंगे। बता दें कि इससे पहले साल 2022 में राज ठाकरे ने अयोध्या आने की इच्छा जताई थी लेकिन तब भी उन्हें बृजभूषण शरण सिंह के विरोध का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद ठाकरे ने अपना अयोध्या दौरा टाल दिया था।

## मोतिहारी में फर्जी नौकरी रैकेट का भंडाफोड़, 400 युवकों को बनाया बंधक 5 गिरफ्तार

चंपारण, 30 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल इलाके से पुलिस ने एक बड़े फर्जी नौकरी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। यहां पड़ोसी देश नेपाल, उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों से आए 400 से अधिक युवकों को बंधक बनाकर रखा गया था। पुलिस ने छापेमारी कर इन युवकों को मुक्त कराया। मुक्त कराए गए युवकों में कई नाबालिग भी हैं।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वर्ण प्रभात ने बताया कि कई दिन से पुलिस को यह सूचना मिल रही थी कि रक्सौल थाना क्षेत्र में नेपाल सहित उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों से लड़कों को नौकरी देने के नाम पर बुलाया जा रहा है और उसके बाद उन्हें बंधक बनाकर रखा जा रहा है। इसके बाद इन युवकों के परिजनों से फिर पैसे वसूल किए जा रहे हैं।

## मोतीपुर थानाध्यक्ष को जांच में लापरवाही करना पड़ा भारी, वेतन से हर महीने कटेंगे 10-10 हजार रुपये

मुजफ्फरपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। किशोरी से दुष्कर्म के मामले में दस वर्ष में भी जांच पूरी नहीं करने पर मोतीपुर थानाध्यक्ष व विवेचक के वेतन से 10-10 हजार रुपये प्रतिमाह कटौती करने का आदेश वरीय पुलिस अधीक्षक को दिया गया है। कटौती तब तक जारी रहेगी, जब तक अंतिम प्रपत्र विशेष कोर्ट में दाखिल नहीं कर दिया जाता। यह आदेश अनन्य विशेष कोर्ट (पाक्सो) संख्या-दो ने दिया है। कोर्ट ने वरीय पुलिस अधीक्षक को इस आदेश के अनुपालन की सूचना देने का भी निर्देश दिया है। मोतीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग छात्रा के पिता ने 16 अक्टूबर 2015 को मोतीपुर थाना में प्राथमिकी कराई थी। इसमें कहा था कि 15 अक्टूबर की सुबह 3.30 बजे उसकी पुत्री शौच के लिए घर से बाहर निकली। सुबह पांच बजे तक वापस नहीं आई। उसकी खोजबीन कर ही रहे थे कि पड़ोसी गांव का एक व्यक्ति उसकी पुत्री को अपने साथ लेकर आ गया। पुत्री ने बताया कि जब वह शौच के लिए निकली थी तो दो बाइक से गांव के अशोक कुमार राय, रविन्द्र कुमार राय, मुकुंद कुमार उर्फ बाबू साहेब व पप्पू कुमार ने उसका मुंह दबा कर अपहरण कर लिया। उसे बगल के एक गांव स्थित पॉल्ट्री फार्म में ले जाया गया, जहां अशोक कुमार राय ने दुष्कर्म किया। उसके बाद अन्य आरोपितों के साथ उसे घर पहुंचाने आ रहा था कि सड़क से गुजर रहे बगल के गांव के एक व्यक्ति को संदेह हो गया। उसने जब पूछताछ की तो सभी आरोपित उसे छोड़ कर भाग गए। इसके बाद उस व्यक्ति ने किशोरी को घर पहुंचा दिया इस संबंध में थानाध्यक्ष से कारण भी पूछा गया, लेकिन इसका भी कोई उत्तर नहीं मिला। तब विशेष कोर्ट ने इस संबंध में आदेश पारित किया। इस आदेश की प्रति आइजी व वरीय पुलिस अधीक्षक को भेजा गया। इसके बाद भी कोई कदम नहीं उठाया गया।

## भागलपुर सदर अस्पताल कैंपस में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

भागलपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। भागलपुर में शॉर्ट सर्किट से सदर अस्पताल परिसर में आग लग गई। आग, पास के फल दुकान तक पहुंच गई। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।दरअसल, कैंपस में 11000 बोल्ट वायर से सटा हुआ पेड़ है, इसके स्पार्क की चिंगारी से आग फैली और आग ने भयावह रूप ले लिया। स्थानीय लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। घटनास्थल के आस-पास दर्जनों फल की दुकानें हैं। घटना में हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं है। आग की लपटे देख हम लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद आग पर किसी तरह काबू पाया जा सका। घटना में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है।

## जनता के लिए फैसले नहीं ले पा रहे सीएम

### सांसद सुधाकर सिंह ने मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य पर उठाए सवाल

सासाराम, 30 मार्च (एजेंसियां)। बक्सर से आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह रात सासाराम पहुंचे। जहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि जदयू और भाजपा मुख्यमंत्री की स्वास्थ्य स्थिति को जनता से छिपा रही है। सांसद ने रोहतास जिले के कोआथ नगर पंचायत स्थित मदरसा इसीदिया में आयोजित इफ्तार पार्टी में यह बात कही। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बिहार की 13 करोड़ जनता के लिए फैसले नहीं ले पा रहे हैं। सुधाकर सिंह ने महाराष्ट्र के एकनाथ शिंदे का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार को मुख्यमंत्री बदल देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि आने वाले चुनाव में बिहार की जनता उन्हें सत्ता से बाहर कर देगी। कार्यक्रम में राजद के दिनारा विधायक विजय कुमार मंडल और एमएलसी अशोक कुमार पांडे समेत कई नेता मौजूद थे।

## मुजफ्फरपुर में नकली एमवीआई और चालक गिरफ्तार, गाड़ी जब्त

मुजफ्फर, 30 मार्च (एजेंसियां)। पुरमुजफ्फरपुर पुलिस ने एक नकली एमवीआई को चालक के साथ गिरफ्तार किया है। एक गाड़ी में जब्त की गई है। एमवीआई, एनएच पर गाड़ियों से अवैध वसूली कर रहा था। दोनों से थाने पर पूछताछ चल रही है। मामला जिले के करजा थाना क्षेत्र का है। दरअसल, कांटी थाने की पुलिस को लगातार शिकायत मिल रही थी कि एनएच पर एमवीआई के द्वारा अवैध वसूली की जा रही है। इसको लेकर कांटी पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई थी। इसी बीच शनिवार देर रात करीब दो बजे कांटी थाना अध्यक्ष राम नाथ प्रसाद को गुप्त सूचना मिली कि दरभंगा मोड़ के पास एमवीआई के द्वारा वसूली की जा रही है। मामले की सत्यता की जांच के लिए थानाध्यक्ष ने गश्ति अधिकारी को मौके पर भेजा।

पुलिस मौके पर पहुंची तो देखी कि एक पिकअप को रोक गया था। एक शख्स खुद को एमवीआई बता रहा था। उसके साथ उसका चालक भी था, लेकिन उनके साथ कोई पुलिसकर्मी नहीं था। इसके बाद गश्ति दल को आशंका हुई कि कुछ गड़बड़ है। वहीं पिकअप चालक का कहना था कि मेरे पास सभी पेपर है, लेकिन मुझसे पैसा मांगा जा रहा है। इसके बाद गश्ति दल के द्वारा दोनों को हिरासत में लेकर थाने लाया गया। वहां, खुद को एमवीआई बता रहे शख्स से उसका पहचान पत्र मांगा गया। वो टालमटोल करने लगा। थानाध्यक्ष रामनाथ प्रसाद ने उससे सख्ती से पूछताछ की। इसके बाद उसने बताया कि वो नकली एमवीआई है। एनएच पर गाड़ियों को रोककर अवैध वसूली करता है। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

# सपा सांसद के राणा सांगा वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री बोले

## 'अब तक के सबसे घटिया बयानों में नंबर एक'

एटा, 30 मार्च (एजेंसियां)। एटा में राणा सांगा पर समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के बयान पर केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री ने इस विवाद पर कहा कि हिंदुस्तान की राजनीति के घटिया बयानों के संकलन में राणा सांगा पर दिये रामजीलाल सुमन के बयान को मैं अब तक के सबसे घटिया बयानों में नंबर एक पर रखूंगा। एसपी सिंह बघेल ने कहा कि बाबर यदि खानवा की लड़ाई में मारा जाता तो देश की स्थिति आज अलग होती। हिन्दू मुस्लिम के बीच कटुता औरंगजेब के कृत्यों, मंदिर तोड़ने, धर्म परिवर्तन कराने और कत्लेआम कराने से हुआ था। यदि बाबर मारा जाता तो ये सब नहीं होता। उन्होंने कहा कि राणा सांगा का परिवार मुगलों कि तीन पीढ़ियों से लड़ा था। उन्होंने कहा कि रामजीलाल सुमन का बयान मुसलमान वोटों के ध्रुवीकरण, एकत्रीकरण, निजीकरण करने के लिए और अपने पक्ष में वोट डलवाने के लिए ये क्रम बद्ध तरीके से हिन्दुओं के खिलाफ, हमारे सनातन और आइकॉन के खिलाफ बयान दिये जाते हैं। मुस्लिम वोटों पर गिद्ध दृष्टि से सोकाल्ड सेक्युलर पार्टी चाहे वो कांग्रेस हों, एसपी हों या ओबैसी हों, एक होड़ लगी है कि मुस्लिम वोट हम अपने पक्ष में करें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसलिए ज्यादा से ज्यादा सोशल हीरोज को अपमानित करने वाले बयानों और मुसलमानों को खुश करने वाले बयान दिये जा रहे हैं। तुष्टीकरण की राजनीति ने इस देश को बर्बाद कर दिया है। कल्याण सिंह वोटों की चिंता न करते हुए नकल विरोधी अध्यादेश लाये थे और ये वोट के लिए देश को तोड़ रहे हैं। मंत्री बघेल ने अखिलेश के गौशालाओं से दुर्गन्ध आने वाले बयान पर कहा कि 5200 साल पहले द्वापर में भी गाय के अंदर ब्राह्मण की बात कही गयी है, जिनको गायों में दुर्गन्ध आती हो तो फिर सोचना पड़ेगा कि उनके संस्कारों में कहां कमी रह गयी। आज भगवानों की बात तो छोड़ो रंगों का भी पेटेंटीकरण हो गया है, यहां तो जानवरों का भी वर्गीकरण हो गया तो भगवान ही मालिक है। उन्होंने कहा कि औरंगजेब को अगर अबू हसन आजमी ने महान बताया जिसने अपने 4 भाइयों का कत्ल करके गद्दी पायी हो, अपने बूढ़े बाप शाहजहां को लाल किले में कैद किया हो ऐसा व्यक्ति शासक कैसा भी हो महान तो नहीं हो सकता। शाह जहां ने फारसी में कनागतों में औरगजेब को एक शेर लिखा था, तुमसे तो अच्छे ये हिन्दू लोग होते हैं जो श्राद्धों के दिनों में अपने मरे हुए बाप दादाओं के लिए जल अर्पित करते हैं, पता नहीं वहां तक पहुंचता है या नहीं पहुंच पाता, तू तो जिन्दा बाप को भी पानी नहीं दे रहा है, मेरा पानी बढ़ा दे।

## जिस घर में ड्राइवर था, उसी की बेटी को भगा ले गया अहमद रजा, फिर शादी कर बनाई उसकी जिंदगी नर्क

बस्ती, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक हिन्दू युवती ने अपने मुस्लिम पति पर बेहद ही सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। युवती का कहना है कि उसके पति ने पहले उसे प्रेम जाल फंसाया और फिर उससे शादी करके उसका शारिरीक और मानसिक शोषण किया। युवती का कहना है कि पति अब रोजा रखने, नमाज पढ़ने और मुस्लिम धर्म अपनाने के लिए यातनाएं दे रहा है। यहां तक की वह अब गौ मांस तक खाने का दबाव बना रहा है। हिंदू युवती ने अपने पति अहमद रजा के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। बस्ती के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के एक गांव से ये पूरा मामला सामने आया है। यहां रहने पीड़िता ने अपने पति अहमद रजा के खिलाफ सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। युवती का कहना है कि वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के जमदाशाही निवासी अहमद रजा पुत्र अब्दुल नईम उसके घर पर ड्राइबर का काम करता था। अहमद रजा आए दिन उसके साथ छेड़खानी करता था, लेकिन लोक लाज के चक्कर में उसने इसकी जानकारी परिवार के सदस्यों को नहीं दी। फरवरी 2024 में चाकू की नोक पर अहमद रजा ने उसके साथ गलत काम किया। जब उसने मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी तो आरोपी अहमद रजा ने कहा कि वह उससे विवाह कर लेगा। युवती के माता-पिता, परिजनों ने अहमद रजा के साथ विवाह करवाने से इंकार कर दिया। पीड़िता के मुताबिक, एक दिन अहमद रजा के मां-पिता और बहनें मोमिना और फातिमा आई और उन्होंने कहा कि तुम नमाज पढ़ो, गोमांस खाओं, रमजान में रोजा रखो। ये सुन युवती ने इनकार कर दिया तो पति और उसके परिजनों ने उसके साथ खूब मारपीट की। युवती का आरोप है

# गाड़ी ओवरटेक करने को लेकर हुआ विवाद

## आरपीएफ जवान ने बीजेपी नेता को सड़क पर सरेआम पीटा, वीडियो वायरल होते ही मचा बवाल

बरेली, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली से एक आरपीएफ कांस्टेबल का दबंगई का मामला सामने आया है। शहर के मिनी बाईपास पर एक विवाद ने बड़ा रूप ले लिया जब एक आरपीएफ कांस्टेबल ने भाजपा नेता को सड़क पर गिराकर लात-घूसों से पीट दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे मामला और गरम हो गया। कांस्टेबल के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज पुलिस जांच में जुट गई है। बरेली के सीबीगंज के स्लीपर रोड निवासी और भाजपा के सीबीगंज मंडल के कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता रात अपनी कार से मिनी बाईपास से गुजर रहे थे। इसी दौरान कर्मचारी नगर चौकी के पास आरपीएफ कांस्टेबल मनवीर चौधरी ने गाड़ी ओवरटेक करने पर उन्हें रोक लिया। अजय गुप्ता का आरोप है कि कांस्टेबल ने पहले उन्हें गालियां दीं, जिसका उन्होंने विरोध किया। इसी बात पर मनवीर चौधरी भड़क गया और अपनी स्कूटी अजय गुप्ता की कार के आगे लगा दी। इसके बाद वह जबरन उन्हें कार से बाहर खींचकर सड़क पर गिरा दिया और लात-घूंसों से पीटने लगा। इस दौरान वहां मौजूद राहगीरों ने किसी तरह बीच-बचाव कर अजय गुप्ता को बचाया, लेकिन तब तक किसी ने इस घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेताओं में रोष फैल गया।

**पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट**

वीडियो वायरल होते ही भाजपा नेताओं ने थाना इज्जतनगर पहुंचकर आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ तहरीर दी। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी कांस्टेबल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। इंस्पेक्टर बिजेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी आरपीएफ का कांस्टेबल है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने पीड़ित अजय गुप्ता का मेडिकल परीक्षण भी कराया है। घटना से भाजपा नेताओं में भारी आक्रोश है। उन्होंने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और आरोपी कांस्टेबल से पूछताछ कर रही है।

## पहले किया किडनैप चलती कार में मारी गोली फिर महिला को फेंककर फरार हो गए बदमाश

बरेली, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में 45 वर्षीय महिला सोनू का अपहरण कर बदमाशों ने उसे गोली मार दी। घायल महिला को गांधी उद्यान के पास फेंक कर आरोपी फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी सिटी मानुष पारीक और सीओ सिटी पंकज श्रीवास्तव ने अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टर ने बताया कि महिला का ऑपरेशन किया जाएगा। दरअसल सोनू जो इज्जत नगर के वीर सावरकर नगर में किराए पर रहती हैं। शाम अस्पताल के सामने स्थित मेडिकल स्टोर पर दवा लेने आई थीं।

# पीएम मोदी तोड़ेंगे नेहरू का रिकॉर्ड केंद्रीय मंत्री अठावले ने ऐसा क्यों कहा ?'

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया प्रमुख रामदास आठवले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'जवाहर लाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे' और लगातार चौथी बार सत्ता बरकरार रखेंगे। केंद्रीय मंत्री आठवले बिहार के दौरे पर हैं। तीन दिवसीय इस दौरे में उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि जेडीयू अध्यक्ष का स्वास्थ्य 'अच्छा' है और वह 'कम से कम पांच से दस साल तक' सत्ता में रहेंगे। आठवले ने महाराष्ट्र में हाल में हुए सांप्रदायिक तनाव के लिए ब्लॉकबस्टर फिल्म 'छावा' को जिम्मेदार ठहराया और 'औरंगाबाद में स्थित औरंगजेब के मकबरे को हटाने की मांग को बंद की बात कही। रामदास अठावले ने कहा कि मुझे नरेन्द्र मोदी सरकार की टीम का हिस्सा होने पर गर्व है, जिनके कार्यकाल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटकर नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मुझे विश्वास है कि वह रिकॉर्ड तोड़ देंगे और लगातार चौथी बार सत्ता में आएंगे। उन्होंने कहा कि एक बौद्ध के रूप में, मैं बिहार का बहुत सम्मान करता हूं, वह भूमि जहां बुद्ध ने 2,500 साल से भी पहले ज्ञान पाया था। महाबोधि मंदिर परिसर, जो यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है, पर 'पूर्ण नियंत्रण' की मांग कर रहे बौद्धों के साथ एकजुटता दिखाते हुए बोधगया का दौरा करने के एक दिन बाद आठवले ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के सामने भी इस मुद्दे को उठाया है। अठावले ने कहा कि बिहार सम्राट अशोक की भूमि है, जिन्होंने बुद्ध की शिक्षाओं को विदेशों में फैलाया। आज बौद्ध धर्म के अनुयायी 80 देशों में फैले हुए हैं। उनके लिए यह दुख स्वाभाविक है कि मंदिर का संचालन करने वाले ट्रस्ट में दूसरे कई धर्मों के सदस्य हैं। ऐसा 1950 के दशक में राज्य सरकार की ओर से पारित एक अधिनियम की वजह से हुआ है। उन्होंने कहा कि मैंने नीतीश जी से बौद्धों की चिंताओं का समाधान करने का आग्रह किया है, जो एक महीने से बोधगया में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंने खुद प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की थी। सीएम ने इससे जुड़े क्षेत्रों की जांच करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया है। आठवले ने जेडीयू की जमकर तारीफ की और कहा कि मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वे अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में रेल मंत्री थे। साथ ही उन्होंने दावा किया कि उन्हें नीतीश कुमार का स्वास्थ्य अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि उनके शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की अफवाहें आरजेडी और कांग्रेस की करतूत लगती हैं, जो आने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर परेशान हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश जी निश्चित रूप से लालू जी से ज्यादा स्वस्थ हैं। मैं दोनों का मित्र रहा हूं। मुझे लगता है कि नीतीश जी अगले पांच या दस साल तक सत्ता में रहेंगे। हो सकता है कि मेरी पार्टी बिहार में मजबूत न हो , लेकिन मैंने उनसे कहा है कि मैं राजग के लिए प्रचार करूंगा।

## असम में अवैध रूप से रह रहे 4 बांग्लादेशी नागरिक वापस भेजे गए

गुवाहाटी, 30 मार्च (एजेंसियां)। असम के श्रीभूमि जिले में भारत में अवैध रूप से घुसे चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर उनके देश वापस भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरम ने शनिवार को कहा कि यह कार्रवाई अवैध घुसपैठ के खिलाफ सरकार के सख्त रुख को दर्शाती है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मोहम्मद शॉन, मोहम्मद एसएम पोलाश, अद्दास मोल्लिक और रुखसाना बेगम के रूप में हुई है। सरमा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, अवैध घुसपैठ के खिलाफ दृढ़ कार्रवाई में श्रीभूमिपुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर सीमा पार भेज दिया। उन्होंने बताया कि पिछले साल बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों के बाद से पूर्वोत्तर में 1,885 किमी लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर निगरानी बढ़ा दी गई है।

# पीएम मोदी ने ईद से लेकर चैत्र नवरात्र की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 120वें एपिसोड में पूरे देश को ईद से लेकर चैत्र नवरात्र, गुड़ी पाड़वा सहित भारतीय नववर्ष की शुभकामनाएं दी। पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा, आज चैत्र नवरात्र के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि है। आज से चैत्र नवरात्र की शुरुआत हो रही है। साथ ही आज से भारतीय नववर्ष की भी शुरुआत हो रही है। ईद का त्योहार तो आ ही रहा है। ये त्योहार भारत की विविधता में एकता का अहसास कराते हैं। पीएम मोदी ने आज के एपिसोड में कई मुद्दों को लेकर बात की। जहां उन्होंने सबसे पहले बच्चों का जिक्र करते हुए गर्मियों की छुट्टियों का जिक्र किया। पीएम ने इस मौके पर अपने स्कूल के दिनों को याद किया। पीएम ने कहा बच्चों को इन दिनों का सही इस्तेमाल करना चाहिए और कुछ नया सीखना चाहिए। पीएम ने कहा, बच्चों के पास इन दिनों करने के लिए बहुत कुछ होता है, हुनर को तराशने का मौका, कई क्षेत्रों के कोर्स कर सकते हैं।

### समर वेकेशन कलैंडर किया लॉन्च

पीएम मोदी ने इस मौके पर मेरा भारत का खास कलैंडर भी लॉन्च किया। जिसे गर्मियों की छुट्टी के लिए तैयार किया गया है। पीएम ने कहा, इस कलैंडर के जरिए स्टडी टूल की मदद से आप यह जान सकते हैं कि हमारो औषधि केंद्र कैसे काम करते हैं, आप वाइब्रेंट विलेज अभियान का हिस्सा बन सकते हैं। वहीं, आंबेडर जयंती पर पदयात्रा में भारीदारी कर आप संविधान के मूल्यों को लेकर जागरूकता भी फैला सकते हैं।

### पानी बचाने की तैयारी

गर्मियां नजदीक आ रही है और गर्मियों में पानी का रोल काफी ज्यादा बढ़ जाता है इसीलिए पीएम ने जल संरक्षण को लेकर बात की। लोगों से जल संरक्षण की अपील करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बारिश की बूंदों को बचा कर हम बहुत सारा पानी बर्बाद होने से बचा सकते हैं। पिछले कुछ सालों में इस अभियान के तहत देश के कई हिस्सों में जल संरक्षण का काम हुआ है। पिछले 7-8 साल में बने टैंक, तालाबों और अन्य जल रिचार्ज की तकनीक से 11 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी का संरक्षण किया गया है। उन्होंने कैच द रेन अभियान का शानदार उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने कर्नाटक के गडग जिले का जिक्र किया, जहां सूख गईं झीलों को गांव के लोगों ने पुनर्जीवित किया। साथ ही पीएम ने लोगों से अपील की के वो तेज गर्मी में अपने आस-पास मौजूद पक्षियों का भी ख्याल रखे और उन्हें पानी पिलाए। पीएम मोदी ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 का भी जिक्र किया और कहा कि इस बार खेल में पहले से भी ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया है। सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। पीएम ने कहा, दिव्यांग खिलाड़ियों ने 18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए, जिसमें 12 रिकॉर्ड देश की महिलाओं ने बनाए। पीएम ने टेक्सटाइल वेस्ट की बात की।पूरी दुनिया के लिए नई चुनौती, पुरानी दुनिया में से पुराने कपड़ों को हटा कर नए कपड़े लेने का चलन बन रहा है। पुराने कपड़े जो आप पहनना छोड़ देते हैं वो ही कपड़े टेक्सटाइल वेस्ट बन जाते हैं। पीएम ने कहा, रिसर्च में यह सामने आया है कि सिर्फ 1 प्रतिशत वेस्ट ही रिसाइयकल होता है। वहीं, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा टेक्सटाइल वेस्ट प्रोड्यूस करने वाला देश है।

## रामनवमी पर सूर्य की किरणें करेंगी रामलला का अभिषेक, वैज्ञानिकों ने किया ट्रायल

अयोध्या, 30 मार्च (एजेंसियां)। रामजन्मभूमि परिसर में सूर्य तिलक का ट्रायल हुआ। इसरो के वैज्ञानिक छह अप्रैल को सूर्य की किरण भगवान के मस्तक पर लाने के लिए व्यवस्था कर रहे हैं। बीते वर्ष अस्थायी तौर पर रामलला का सूर्य तिलक हुआ था। अब स्थायी तौर पर वैज्ञानिक मंदिर का निर्माण पूरा होने पर सूर्य तिलक की व्यवस्था कर रहे हैं। रामलला के जन्मोत्सव के मौके पर भगवान के मस्तक का सूर्य अभिषेक होगा। वैज्ञानिकों ने एक मिनट का ट्रायल किया है। इस दौरान सफलतापूर्वक सूर्य की किरणें रामलला का सूर्य अभिषेक करती नजर आईं। रामनवमी को चार मिनट तक भगवान सूर्य रामलला के मस्तक पर तिलक करेंगे। हिंदू नववर्ष की पूर्व संध्या पर जहां अयोध्या में विभिन्न मंदिरों से झांकी निकाल कर संत, महंत और भक्तों ने रामकोट की परिक्रमा की तो वहीं हिंदू नववर्ष के पहले सूर्योदय पर वैदिक ब्राह्मण और संतों ने नमन किया। रामनगरी में रविवार को नववर्ष के उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर आरती उतार कर स्वागत किया गया। इसमें सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति, वैदिक बटुक और आरएसएस के कार्यकर्ता शामिल रहे। नववर्ष संवत 2082 के स्वागत में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने सरयू के तट पर सरयू जल से अर्घ्य देकर उदीयमान सूर्य की आरती उतारी। नववर्ष के स्वागत के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सरयू के सुरम्य तट पर खूबसूरत नजारा रहा।

# पंजाब के तरनतारन में सीमा पार ड्रग्स गिरोह का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार, 6 किलो हेरोइन जब्त

तरनतारन, 30 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब की तरनतारन पुलिस ने रविवार (30 मार्च) को सीमा पार ड्रग्स तस्करी से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। साथ ही उनके पास से छह किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, हेरोइन पाकिस्तान स्थित तस्करों द्वारा भेजी गई थी। पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर आगे की जांच कर रही है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने सोशल मीडिया एक्स जानकारी दी कि प्रारंभिक जांच में पाकिस्तान स्थित तस्करों की भूमिका का पता चला है, जिन्होंने मादक पदार्थ भेजा था। वहीं दोनों आरोपी हरदीप सिंह उर्फ दीप और हरजीत सिंह थाठी सोहल के निवासी हैं और उनका पिछला आपराधिक रिकॉर्ड भी है। डीजीपी ने कहा कि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है।

### एक हफ्ते पहले अमृतसर में गिरफ्तार हुए थे 4 तस्कर

वहीं एक हफ्ते पहले पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने सीमा पार ड्रग्स तस्करी से जुड़े एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उसकी महिला सरगना समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5.2 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी। इस गिरोह की मुख्य सरगना की पहचान अमृतसर के इब्बन कलां गांव की 27 साल की मंदीप कौर के रूप में हुई थी। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मंदीप कौर के अलावा, पुलिस ने अमृतसर के छेहर्टा इलाके के जनता कॉलोनी निवासी 23 साल के आलम अरोड़ा और 21 साल के मनमीत उर्फ गोलू को भी गिरफ्तार किया है। इसके अलावा, तरन तारन जिले के एक 18 साल के युवक को भी पकड़ा गया है।

## तीन बच्चों की मां ने रात को बॉयफ्रेंड से की ऐसी डिमांड, पूरी नहीं हुई तो खा लिया जहर

पानीपत, 30 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां तीन बच्चों की मां को लिव-इन पार्टनर की हरकत पर इतना गुस्सा आया कि उसने जहर खाकर जान दे दी। बताया जा रहा है कि डिनर में मुर्गा न मिलने पर महिला ने नाराज होकर यह कदम उठाया है। महिला की हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला के शव को शवगृह में रखवा दिया गया। फिलहाल पुलिस ने मृतका के पार्टनर के बयान के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला पानीपत के कुराड़ गांव का है। महिला अपने पार्टनर के साथ लिव-इन में रह रही थी। पुलिस को दी गई शिकायत में सुनील ने बताया कि वह बिहार का रहने वाला है। अभी वह कुराड़ गांव में रहता है। सुनील एक फैक्ट्री में काम करता है। यहां पर उसकी मुलाकात नीलम से हुई थी। कुछ दिनों में दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई। सुनील ने बताया कि नीलम तलाकशुदा थी और तीन बच्चों की मां थी। सुनील ने बताया कि नीलम पिछले 2 साल से उसके साथ रह रही थी। सुनील ने बताया कि बीते दिन यानी शुक्रवार यानी 28 मार्च की रात को नीलम ने मुर्गा मंगवाया था। लेकिन किन्हीं कारणों की वजह से सुनील मुर्गा नहीं ले जा पाया गया था। उसने बताया कि जब वह घर पहुंचा तो नीलम ने मुर्गा मांगा। नहीं देने पर वह नाराज हो गई और दोनों के बीच कहासुनी हुई, जिसके बाद सुनील वहां से चला गया। फिर नाराज नीलम ने जहर निगल लिया। नीलम के बेटे ने इस बारे में सुनील को फोन पर बताया। सुनील फिर मौके पर पहुंचा। नीलम को नजदीकी अस्पताल ले गया। नीलम की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे सिविल अस्पताल रेफर कर दिया,

# धमाकों से दिनभर गूंजते रहे जंगल, हर 50 मीटर पर गोलीबारी; रॉकेट दाग कर आगे बढ़ रहे सुरक्षाबल

कठुआ, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान से घुसपैठ कर आए आतंकी अलग अलग टोलियों में बंट गए हैं। इस फिराक में हैं कि किसी भी तरीके से धार सड़क को पार कर लोहाई मल्हार के पहाड़ों तक पूर्व में छिपे बैठे आतंकियों तक पहुंचा जाए। उधर, सुरक्षाबलों नें उन्हें हर हाल में ढूंढकर खात्मा करने के लिए अभियान छेड़ रखा है। सनियाल से शुरू हुआ आतंकियों की तलाश में सुरक्षाबलों का ऑपरेशन छठे दिन भी जारी रहा। दिन भर सुफैन से कठेरा के बीच जंगल धमाकों और गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजते रहे। सुफैन के अंबे नाल में मुठभेड़ से फरार हुए तीन आतंकियों की तलाश में सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान इस जंगल में लगातार तीसरे दिन जारी रहा। लाहड़ी से लेकर कठेरा तक सुरक्षाबलों ने बड़े पैमाने पर चप्पे-चप्पे की तलाशी शुरू की है। सुरक्षा की पहली पंक्ति में पैरा कमांडो को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जंगल और छोटी पहाड़ियों में आतंकियों की हर छिपने की जगह को पूरी तरह से खंगाला जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, हर 50 से सौ मीटर के बीच गोलीबारी और रॉकेट लांचर दागगर सुरक्षा बल आगे बढ़ रहे हैं। आतंकियों के खात्मे के लिए स्पेशल फोर्स की ओर से कोई भी कमी नहीं रखी गई है। उधर, बिलावर गूड़ा कल्याल समेत बिलावर के अलग-अलग इलाकों में भी सुरक्षाबलों ने सघन तलाशी अभियान चलाए हैं। स्थानीय लोग भी जंगल के इलाकों में जाने से और अकारण घरों से निकलने से अब परहेज कर रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तानी आतंकियों को जिले के दूर दराज पहाड़ी इलाकों में छिपने और अन्य तरह की मदद मिल रही है। एक साल से लोहाई मल्हार से लेकर धनु परोल और बग्गन से मढून के इलाकों में लगातार आतंकियों की मूवमेंट देखे जाने और लंबे समय तक उनके इलाके में सक्रिय रहने से स्थानीय मदद से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। कठुआ और बिलावर के निचले इलाकों में आतंकियों को ज्यादा मदद नहीं मिलती है और आम लोगों की नजर में भी जल्दी आ जाते हैं। ऐसे वो भी इस इलाके से जल्द से जल्द निकलकर पहाड़ों की ओर भागना चाहते हैं।

## धाम में 15000 श्रद्धालु कर सकेंगे रात्रि प्रवास, पड़ावों में भी किए गए हैं इंतजाम

रुद्रप्रयाग, 30 मार्च (एजेंसियां)। आगामी 2 मई से शुरू हो रही केदारनाथ यात्रा में धाम में एक रात में अधिकतम 15000 श्रद्धालुओं के रात्रि प्रवास की व्यवस्था होगी। साथ ही पैदल मार्ग के पड़ावों पर भी दो हजार यात्रियों के प्रवास का इंतजाम किया जाएगा। प्रशासन ने यात्रा तैयारियों का खाका तैयार कर दिया है, जिसे धरातल पर जल्द उतारा जाएगा। इस वर्ष भी गढ़वाल मंडल विकास निगम को यात्रियों के भोजन और रात्रि प्रवास की जिम्मेदारी सौंपी गई है। समुद्रतल से 11750 फीट की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण के तहत इस बार कई भवन बनकर तैयार हो गए हैं, जिससे प्रशासन को यात्री इंतजाम करने में कुछ मदद मिलेगी। साथ ही टेंट और अन्य इंतजाम भी किए जाएंगे, जिससे धाम में एक रात में 15000 यात्रियों को रात्रि प्रवास कराया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि यात्रियों को तीर्थपुरोहितों के आवासीय व व्यवसायिक भवनों के साथ ही जीएमवीएन के कॉटेज में भी ठहराया जाएगा। साथ ही यहां निजी टेंट की सुविधा भी होगी। इसके अलावा गौरीकुंड से केदारनाथ तक जंगलचट्टी, भीमबली, छोटी लिनचोली, बड़ी लिनचोली, छानी कैंप, रुद्रा प्वाइंट, बेस कैंप में भी यात्रियों के रात्रि प्रवास के लिए इंतजाम किए जाएंगे। यहां 2000 यात्रियों को ठहराया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि, पूरे यात्राकाल में यात्रियों को पड़ावों और धाम में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो, इसका प्रमुखता से ध्यान रखा जाएगा।

# प्रसिद्ध बॉडी बिल्डर और बाउंसर पवनप्रीत सिंह ने अस्पताल में तोड़ा दम

### सोशल मीडिया पर लाइव कहा 'अलविदा'

हलवारा, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रसिद्ध बॉडी बिल्डर और बाउंसर पवनप्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर लाइव होकर सल्फास पी लिया, जिसके बाद रविवार तड़के 2 बजे चंडीगढ़ के 32 सेक्टर स्थित सरकारी अस्पताल में उनकी मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना से उनके प्रशंसकों और गांववासियों में शोक की लहर दौड़ गई है। पवनप्रीत सिंह पिछले 10 वर्षों से एक युवती के साथ प्रेम संबंध में थे और दोनों ने शादी करने का फैसला किया था। लेकिन 2023 में नशा तस्करी के मामले में उनकी गिरफ्तारी के बाद प्रेमिका और उसके परिवार ने उनसे नाता तोड़ लिया। जेल से जमानत पर छूटने के बाद पवनप्रीत ने युवती से शादी करने का प्रयास किया, लेकिन युवती और उसके परिवार ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। 27 मार्च को पवनप्रीत अपने परिवार के साथ शादी का प्रस्ताव लेकर युवती के घर गया, लेकिन वहां से उसे निराशा हाथ लगी। शनिवार सुबह वह फिर से युवती के घर के बाहर पहुंचा, लेकिन उसे अंदर नहीं जाने दिया गया। इस आघात से व्यथित होकर पवनप्रीत ने सोशल मीडिया पर लाइव होकर सल्फास पी लिया। लाइव वीडियो में पवनप्रीत सिंह ने कहा कि कोई किसी को प्यार मत करना, मैंने किया था और आज मुझे मरना पड़ रहा है। अलविदा। इस दौरान उन्होंने युवती के साथ अपनी तस्वीरें और कुछ आपत्तिजनक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा कर दिए। घटना के तुरंत बाद गांव के युवा सरपंच ने साहस दिखाते हुए पवनप्रीत को कस्बा सुधार के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां से हालत बिगड़ने पर उसे लुधियाना के डीएमसी अस्पताल रेफर कर दिया गया। जब लुधियाना में भी उनकी हालत और खराब हो गई तो परिजन उन्हें चंडीगढ़ ले गए, जहां रविवार तड़के 2 बजे उनकी मौत हो गई।

## उत्तराखंड में अवैध खनन पर फंसी धामी सरकार! बीजेपी सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने ही उठाए सवाल

देहरादून, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड सरकार में पूर्व मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल से जुड़े मामले को लेकर लंबे समय तक फजीहत झेलने के बाद पुष्कर सिंह धामी सरकार अपनी ही पार्टी के सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा प्रदेश में जारी 'अवैध खनन' का मुद्दा उठाए जाने से एक बार फिर असहज स्थिति में पड़ती दिखाई दे रही है। बीजेपी सांसद ने गुरुवार को संसद में कहा था कि उत्तराखंड के देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल और उधमसिंह नगर जिलों में रात के समय अवैध रूप से खनन ट्रकों का संचालन किया जा रहा है, जो न केवल कानून व पर्यावरण सुरक्षा के लिए बल्कि आम जनता के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड सरकार के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद खनन माफिया रात के समय बिना किसी वैध अनुमति के ट्रकों में क्षमता से अधिक खनिजों की तस्करी कर रहे हैं, जिससे सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचे को भारी क्षति हो रही है। रावत ने यह भी कहा था कि इन ट्रकों के लापरवाह और तेज गति से चलने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसमें कई लोगों की जान भी जा चुकी है। उन्होंने ट्रक चालकों द्वारा ट्रैफिक नियमों की अनदेखी, नशे की हालत में वाहन चलाने और स्थानीय प्रशासन से मिलीभगत के कारण स्थिति को भयावह बताते हुए इस संबंध में प्रभावी कार्रवाई करने को कहा था। बीजेपी सांसद ने केंद्र और राज्य सरकार से अवैध खनन गतिविधियों को रोकने के लिए एक विशेष कार्य बल बनाने का भी आग्रह किया था। राज्य में अवैध खनन की भयावह तस्वीर पेश करने से धामी सरकार बचाव की मुद्रा में आ गई है, सरकार ने इस मुद्दे पर सफाई देते हुए कहा कि प्रदेश के खनन विभाग के निदेशक बृजेश कुमार संत ने राज्य में अवैध खनन बढ़ने के आरोपों को 'पूर्णतया निराधार, असत्य और भ्रामक' करार दिया तथा कहा कि इसका सबसे बड़ा प्रमाण उत्तराखंड गठन के बाद मौजूदा वित्तीय वर्ष में अब तक की खनन राजस्व में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज होना है।

# सऊदी में नौकरी कर रहा था जालंधर का नरेश, छुट्टी मांगा तो कंपनी ने चोरी में आरोप में फंसाया; अब हुई घर वापसी

शाहकोट, 30 मार्च (एजेंसियां)। मलसियां। सऊदी अरब में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहे नरेश कुमार ने जब चार साल बाद परिवार से मिलने के लिए छुट्टी मांगी तो कंपनी ने उन्हें चोरी के झूठे आरोप में फंसा दिया। इसके बाद करीब डेढ़ साल तक उन्हें थानों और जेलों में मानसिक यातनाएं झेलनी पड़ीं। राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल के प्रयासों से जालंधर जिले के गांव मिठड़ा निवासी नरेश कुमार की घर वापसी संभव हो सकी।

### 2014 में सऊदी अरब गए थे नरेश

सुल्तानपुर लोधी स्थित निर्मल कुटिया में अपनी पत्नी के साथ पहुंचे नरेश कुमार ने बताया कि 2014 में सऊदी अरब गए थे और तीन बार गांव वापस आ चुके थे। जब 2019 में सऊदी अरब गए और चार साल बाद छुट्टी मांगी, तो कंपनी ने उन्हें चोरी के झूठे आरोप में फंसा दिया और एक बंद कमरे में कैद कर दिया। वहां दिन में सिर्फ दो बार खाना दिया जाता था और बहुत ही छोटे कमरे में बंद रखा गया। उस समय लगने लगा था कि अब जिंदा नहीं बचेंगे। उनकी पत्नी ने राज्यसभा सांसद संत बलबीर सिंह सीचेवाल के कार्यालय से संपर्क किया, जिसके बाद संत सीचेवाल सऊदी ने अरब स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से हस्तक्षेप किया। दो महीने तक कमरे में कैद नरेश कुमार की रिहाई करवाई।

### अदालत में साबित नहीं हुआ कोई आरोप

नरेश कुमार ने बताया कि एंबेसी के हस्तक्षेप से कंपनी से तो बाहर आ गए, लेकिन बाद में कंपनी ने उन्हें झूठे चोरी के मामले में फंसाकर पुलिस के हवाले कर दिया। जहां सात महीने तक जेल में रखा गया। अदालत में जब उन पर कोई आरोप साबित नहीं हुआ तो बरी कर दिया गया, लेकिन फिर भी रिहा नहीं किया गया। संत सीचेवाल की एक और अपील के बाद भारतीय दूतावास ने दोबारा हस्तक्षेप किया और कंपनी को क्लीयरेंस देने के लिए मजबूर किया। इसके बावजूद कंपनी ने फाइनल क्लीयरेंस को छह महीने तक लटकाए रखा। नरेश कुमार ने घर वापसी के बाद खुशी जाहिर करते हुए संत सीचेवाल का धन्यवाद किया कि वे हर परिस्थिति में उनके और उनके परिवार के साथ खड़े रहे। नरेश कुमार की पत्नी ने पति की वापसी पर खुशी व्यक्त करते हुए राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल और भारत सरकार का आभार व्यक्त किया।

### प्रवासी मजदूर अरब देशों में झूठे मुकदमों में फंसकर हो रहे परेशान

राज्यसभा सदस्य संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने विदेश मंत्रालय और सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास की पैरवी से ही नरेश कुमार की घर वापसी संभव हो सकी। यह भी बताया कि प्रवासी मजदूरों को झूठे चोरी के मामलों में फंसाने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

## 'सच्चाई को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाली फिल्में नहीं देखूंगा', केरल भाजपा अध्यक्ष की दो टूक

कोच्चि, 30 मार्च (एजेंसियां)। सुपरस्टार मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म 'एल 2 एम्पुरान' ने देश की सियासत को गर्म कर रखा है। इसी बीच इस फिल्म को लेकर केरल के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने भी रविवार को इस फिल्म पर नाराजगी जताई। साथ ही ये स्पष्ट किया कि वह मोहनलाल की फिल्म 'एल2: एम्पुरान' नहीं देखेंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी फिल्म जो सच्चाई को तोड़-मरोड़कर कहानी गढ़ने की कोशिश करती है, वह असफल हो जाती है। भाजपा नेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह इस तरह की फिल्म निर्माण से निराश हैं। बता दें कि राजीव चंद्रशेखर की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब संघ परिवार के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'एम्पुरान' फिल्म के कुछ हिस्सों के खिलाफ आलोचना तेज कर दी है। उनका आरोप है कि फिल्म राष्ट्र के हितों के खिलाफ है।

### पहले लूसिफर का सीक्वल देखने पर जताई थी सहमति

चंद्रशेखर ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैंने पहले 'लूसिफर' फिल्म देखी थी और मुझे वह पसंद आई थी। उन्होंने कहा कि मैंने कहा था कि मैं 'एम्पुरान' फिल्म देखूंगा, जब मैंने सुना कि यह 'लूसिफर' का सीक्वल है। उन्होंने ये भी कहा कि पहले मैने भाजपा नेता एम टी रमेश के बयान का समर्थन किया था और कहा था कि फिल्म को फिल्म की तरह देखना चाहिए, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकारी मिली है कि फिल्म के निर्माताओं ने खुद फिल्म में 17 बदलाव किए हैं और अब फिल्म पर सेंसरशिप भी लगाई जा रही है। चंद्रशेखर ने कहा कि फिल्म में कुछ ऐसे विषय हैं जो मोहनलाल के प्रशंसकों और अन्य दर्शकों को परेशान कर रहे हैं।

### केरल के सीएम ने देखी फिल्म, कांग्रेस भी समर्थन में

हालांकि इन विवादों के बीच केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार रात में अपने परिवार के साथ एल 2 एम्पुरान देखी। साथ ही बढ़ते विरोध के बीच कांग्रेस नेता और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने रविवार को मोहनलाल की फिल्म 'एल2: एम्पुरान' के निर्माताओं का समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि संघ परिवार इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है। सतीसन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि संघ परिवार का मानना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब है अपनी बातों को सही तरीके से पेश करने की स्वतंत्रता।

### फुल्मि एल2: एमपुरान पर विवाद क्यों

चलिए अब इस फिल्म को लेकर खड़े हो रहे विवाद की बात करते है। गौरतलब है कि फिल्म 'एल2: एम्पुरान', 'लूसिफ़ेर' का दूसरा भाग है, निर्देशक पृथ्वीराज और अभिनेता मोहनलाल की टीम द्वारा बनाई गई है, अब दक्षिणपंथी राजनीति की आलोचना और गुजरात दंगों के उल्लेख को लेकर चर्चा का विषय बन गई है। फिल्म के पहले दिन ही संघ परिवार ने सोशल मीडिया पर फिल्म की तीखी आलोचना की, जबकि कांग्रेस और वामपंथी संगठनों ने फिल्म में दक्षिणपंथी राजनीति को खलनायक के रूप में दिखाने की तारीफ की।

# न्यायपालिका उपदेश नहीं, निर्णय दे



रघु ठाकुर

भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने अपने भोपाल प्रवास में कहा-हमारा संविधान देश के सुप्रीम कोर्ट को संविधान की व्याख्या करने की अनुमति देता है, पर व्याख्या के बहाने अधिकारों का हनन नहीं हो सकता। कोर्ट की सार्वजनिक उपस्थिति मुख्य रूप से निर्णयों के माध्यम से होना चाहिए। निर्णय अपने आप में बोलते हैं, इनका वजन होता है। निर्णयों के अलावा कोई अन्य प्रकार की अभिव्यक्ति संस्था की गरिमा को कमजोर करती है। उन्होंने यह भी प्रश्न उठाया कि लोकतंत्र में क्या कोई कानूनी तर्क हो सकता है कि मुख्य न्यायाधीश को सीबीआई निदेशक के चयन में भागीदारी करना चाहिए? समझ सकता हूं कि यह विधायी प्रावधान इसलिए अस्तित्व में आया कि सरकार ने न्यायिक निर्णय को स्वीकार किया। अब समय आ गया है कि इसे फिर से देखें कि मुख्य न्यायाधीश को किसी भी नियुक्ति में कैसे शामिल कर सकते हैं। मैं पिछले अनेक वर्षों से इस पर लिखता रहा हूं कि न्यायाधीश का कार्य निर्णय देना है, उपदेश देना नहीं। आजकल न्यायाधीश निर्णय देने के बजाय उपदेशक बन रहे हैं। ये उपदेश प्रतिदिन मीडिया में मोटे अक्षरों में छपते हैं, परंतु जिनका कोई संबंध वास्तविकता से नहीं होता। ऐसे उपदेश आमजन को गुमराह करने वाले व व्यवस्था को बचाने वाले होते हैं क्योंकि इनमें मानने की बाध्यता नहीं होती? हाल में जस्टिस पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने एक अपील में एडवोकेट जनरल से कहा कि मंत्री व अफसरों को समझा दें कि अनावश्यक केस धन की बरबादी है। एक हाईकोर्ट के जज साहब ने कहा कि श ये कैसा कलयुग आ गया है ।य और उनका दुख समाप्त हो गया। क्या कोई एडवोकेट जनरल सरकार के मंत्रियों को समझा सकता है? बेहतर होता कि ऐसे समय और धन बरबाद करने वाली अपीलों को जुर्माने सहित खारिज करते, तब वह निर्णय ज्यादा प्रभावकारी होता। यह तो एक उदाहरण है। वरना अब यह अदालतों का दैनिक कार्य बन गया है। छद्म-क्रांतिकारिता, जिसकी भूख राजनीति में है वही न्यायिक व्यवस्था में भी पैदा हो गई है। मैं जानता हूं कि कुछ लोग यह कहेंगे कि उपराष्ट्रपति जी चूंकि भाजपा सरकार द्वारा मनोनीत हैं अतरू वे सरकार के सरकार के बचाव में तर्क दे रहे हैं। परंतु मैं पृष्ठभूमि देखने के बजाय उनकी बात को तर्क की कसौटी पर देखना-कसना बेहतर समझता हूं। उपराष्ट्रपति जी की बहुत सी बातों से असहमत होते हुए भी मैं उनके उपरोक्त कथनों से सहमत हूं। अगर सीबीआई के निर्देशक या अन्य पदों की चयन प्रक्रिया में मुख्य न्यायाधीश या उनके प्रतिनिधि बैठते हैं तो वह एक प्रकार का न्यायिक निर्णय जैसा नहीं हो जायेगा? अगर उस निर्णय को तार्किक वैधानिक आधार पर कोई चुनौती देना चाहे तो जिस निर्णय में मुख्य न्यायाधीश शामिल हैं क्या शीर्ष या अन्य अदालत उसे विचार के लिए स्वीकार करेगी? मान लीजिए कभी कोई शीर्ष अदालत इसके प्रतिकूल निर्णय लेती है तो क्या वह सर्वोच्च न्यायालय और मुख्य न्यायाधीश की प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाला नहीं होगा? दूसरे, यह दृष्टिकोण कि लोकतांत्रिक ढंग से चुनी हुई सरकार सदैव पक्षपाती या गलत निर्णय करेगी, यह भी उचित नहीं है। एक प्रकार से यह निर्वाचित सरकारों के प्रति स्थायी अविश्वास और आरोप जैसा है। क्या न्यायधीशों की नियुक्ति और उसकी प्रक्रिया व कोलेजियम सिस्टम पर उंगलियां नहीं उठायीं। क्या सुप्रीम कोर्ट के रोस्टर लगाने पर ऊंगलियाँ नहीं उठी। स्वतरू सुप्रीम कोर्ट के अंदर से याने सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने भी अपने मुख्य न्यायाधीश के ऊपर सार्वजनिक आरोप लगाए हैं। क्या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के चयन में सरकारों की भूमिका नहीं होती? यदि सरकारें न्यायाधीशों का चयन करने में एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं तो उनके द्वारा चयनित न्यायाधीश भी क्या अपने चयनकर्ताओं के प्रति उदार नहीं हो सकते? मेरी राय में शीर्ष न्यायालय को सिवाय न्यायाधीशों की चयन प्रक्रिया के अन्य किसी चयन प्रक्रिया का सहभागी नहीं बनना चाहिए। बल्कि चयन प्रक्रिया को कठोरता से संवैधानिक और वैधानिक नियमों की कसौटी पर कसकर निर्णय करना चाहिए। जो भी हो, उपराष्ट्रपति की इस टिप्पणी से देश में फिर एक बार बहस शुरू होगी, क्यों कि यह सत्ता के शीर्ष से आयी है। आजकल कुछ एनजीओ चुनाव सुधार को लेकर काफी सक्रिय हैं। चुनाव आयोग भी पता नहीं किस आधार पर उन्हें अपने तंत्र का सहयोगी मानता है। इस एनजीओ की पृष्ठभूमि, आय के स्रोत और वैधानिकता क्या है, यह भी जिज्ञासा के प्रश्न हैं? कुछ दिनों से ये एनजीओ राजनीति के अपराधीकरण और चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में चुनाव आयोग से दर्ज विचाराधीन मुकदमों के कागजात से लेकर, सूचनाएं अखबारों में जारी करते रहे हैं। इसी आधार पर चुनाव आयोग ने चुनाव सुधार के नाम पर एक नियम बनाया कि प्रत्याशियों को अपने ऊपर चल रहे मुकदमों की जानकारी नामांकन फार्म में देना चाहिए। साथ ही दो राज्यस्तरीय अखबारों व टीवी चौनलों पर प्रसारित करना चाहिए। जहां तक चुनाव आयोग को सूचना देने का प्रश्न है, मैं उससे सहमत हूं। परंतु, उसके प्रकाशन की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को लेना चाहिए। विज्ञापन देना बहुत खर्चीला होता है।

यह बोझ तो कोई ईमानदार या गरीब प्रत्याशी नहीं उठा सकता। दूसरा पक्ष यह भी है कि पुलिस थानों में दर्ज, व अदालतों में विचाराधीन मुकदमों के आधार पर किसी प्रत्याशी को अपराधी कैसे माना जा सकता है? अगर ऐसा होगा तो वह संविधान कानून व विधिक परम्परा के खिलाफ होगा। पिछले माह सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद दिल्ली के एक विधानसभा प्रत्याशी के जमानत आवेदन पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसे अपराधी व्यक्ति को चुनाव लड़ने का क्या अधिकार है? ऐसी टिप्पणियां और भी प्रकरणों में की गई हैं। केवल मुकदमे दर्ज होने या एफआईआर के आधार पर प्रत्याशी को चुनाव के अयोग्य करने के पक्ष में संकेत दिए गये हैं। क्या ऐसी टिप्पणियां उचित हैं? विचाराधीन व्यक्ति को अपराधी कैसे माना जा सकता है, जब तक कि वह अपराधी सिद्ध न हो जाये? कितने ही ऐसे मुकदमे झूठे और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के होते हैं। पुलिस किसी दबाव में या रिश्वत के आधार पर ऐसे मामले बना देती है। आश्चर्य है कि उच्चतम न्यायालय ने अपनी इस टिप्पणी के लोकतांत्रिक व व्यावहारिक पक्ष पर कोई विचार नहीं किया। एक अधिकारयुक्त तानाशाह जैसी टिप्पणी कर दी। ब्रिटिश काल में देश के तमाम राष्ट्रीय नेताओं पर मुकदमे दर्ज हुए थे। आजादी के बाद भी देश के मान्य नेताओं डॉ राममनोहर लोहिया, चौधरी चरणसिंह, मोरारजी देसाई, जार्ज फनार्ंडीज, मधु लिमए, इंदिरा गांधी, विजयलक्ष्मी पंडित, और ऐसे कितने ही उदाहरण दे सकते हैं जिनके ऊपर राजनीतिक कारणों से मुकदमे दर्ज किए गए, जबकि वे अपराधी नहीं थे,अपराधी सिद्ध भी नहीं हुए। अगर आज के उच्चतम न्यायालय के जजों का नजरिया उस समय होता तो ये नेता कोई चुनाव भी नहीं लड़ सकते थे, न सत्ता के शीर्ष पर पहुंच सकते थे। इसके और भी खतरनाक पक्ष हैं। आज राजनीति में घात प्रतिघात का चलन बहुत बढ़ गया है। अगर निर्णयपूर्व केवल पुलिस में दर्ज या विचाराधीन मुकदमों के आधार पर व्यक्तियों को अपराधी मानकर चुनाव लड़ने से रोका जायेगा तो भारतीय लोकतंत्र एकदलीय, एक सत्ता और एक व्यक्ति की तानाशाही में बदल सकता है। राजनीतिक सत्ता के इशारे पर किसी भी प्रत्याशी के खिलाफ कोई गलत प्रकरण दर्ज किए जा सकते हैं और वे चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित हो सकते हैं। उच्चतम न्यायालय को अपनी अनावश्यक टिप्पणियों व उपदेश से बचना चाहिए। बजाय दिखाने की आभासीय टिप्पणियों के बाध्यकारी निर्णय करना चाहिए और अपने निर्णयों और विचारों से लोकतंत्र के भविष्य व उस पर होने वाले प्रभाव के दृष्टिकोण से व दीर्घकालिक परंपरा निर्माण की दृष्टि से गहराई से विचार करना चाहिए।

# ट्रंप के चाबुक से डरे डंकी !

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने आव्रजन विरोधी नीतियों को सख्ती से लागू किया है। इसका असर ये हुआ है कि भारतीय, जो पहले अमेरिका जाने के लिए अपनी जान भी जोखिम में डालने को तैयार थे, अब 'डंकी रूट' के कल्पना से भी डरने लगे हैं। 'डंकी रूट' मतलब गैरकानूनी तरीके से, छिप-छिपा कर किसी तरह से अमेरिका में घुसना। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2025 में भारत के केवल 1,628 अवैध आप्रवासी पकड़े गए। जनवरी में ये संख्या 3,132 थी और दिसंबर में 5,600 से भी ज्यादा थी। नतीजतन जो तस्कर प्रवासियों के लिए लाइफलाइन थे, अब उनके भी पैर कांपने लगे हैं। क्योंकि पकड़े जाने और वापस भेजे जाने की घटनाएं बढ़ गई हैं। जो लोग पहले से ही अमेरिका में गैरकानूनी रूप से रह रहे हैं, वे डरे हुए हैं। वे इमीग्रेशन के छापे से बचते हुए अपनी गतिविधियों को सीमित कर रहे हैं। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के आंकड़ों के अनुसार, आमतौर पर हर साल 90,000 से एक लाख भारतीय डंकी रूट से अमेरिका में घुसने की कोशिश करते थे। लेकिन ट्रंप के आने के बाद इस संख्या में काफी कमी आ चुकी है। अब पकड़े जाने और वापस भेजे जाने के डर से इनकी संख्या और भी कम होने की उम्मीद है। बता दें कि इस साल फरवरी में, अमेरिका ने 344 भारतीय आप्रवासियों को सैन्य विमानों में वापस भेजा जा चुका है। पहले तीन उड़ानों में लोगों को जंजीरों से बांधा गया और हथकड़ी लगाई गई। ये दिखाता है कि प्रशासन अवैध आव्रजन के खिलाफ कितना सख्त है। इसलिए, फरवरी के आंकड़े 2022 के बाद से अमेरिका में गिरफ्तार किए गए भारतीयों की सबसे कम संख्या है। पकड़े गए कुल 1,628 लोगों में से 238 उत्तरी सीमाओं पर, 145 मेक्सिको के साथ दक्षिणी सीमाओं पर और बाकी लोगों को देश के अंदर पकड़ा गया। ट्रंप के इमीग्रेशन पर सख्त रुख के कारण यहां के मानव तस्करी नेटवर्क की कमर टूट चुकी है। जब से ट्रंप ने पदभार संभाला है, तस्कर बहुत सतर्क हो गए हैं। स्थिति तब और खराब हो गई जब प्रशासन ने सैन्य उड़ानों के माध्यम से अवैध आप्रवासियों को वापस भेजना शुरू कर दिया। फलस्वरूप मानव तस्करी करने वालों को अब रोटी के भी लाले पडने वाले हैं। जो भारतीय पहले से ही अमेरिका में गैरकानूनी रूप से रह रहे हैं, वे भी डरे हुए हैं। गुजरात के कलोल का एक व्यक्ति, जो सालों से वहां रह रहा है, उसने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा, 'हम गुजरात में लोगों को लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वे अवैध रास्ते से अमेरिका में कदम न रखें। इमीग्रेशन अधिकारी बार-बार जांच कर रहे हैं, और हम उनकी जांच-पड़ताल से डरे हुए हैं। कई लोग बाजारों में जाने से बचते हैं और कुछ ने अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है। हम यहां अमेरिका में बस दिन गिन रहे हैं। पता नहीं कब कहां छापामारी कर पूछताछ शुरू हो जाए और हमारा भी बोरिया-बिस्तर बंध जाए।

# महिलाएं ही नहीं पुरुष भी हो रहे हैं घरेलू हिंसा के शिकार



अशोक भाटिया

घरेलू हिंसा या फिर महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को लेकर न सिर्फ अक्सर बातें होती हैं बल्कि कठोर कानून भी बने हैं, बावजूद इसके इनमें कोई कमी नहीं दिखती। लेकिन इस घरेलू हिंसा का एक पक्ष यह भी है कि घरेलू हिंसा के पीड़ितों में महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी हैं लेकिन उनकी आवाज इतनी धीमी है कि वह न तो समाज को और न ही कानून को सुनाई पड़ती है। पारिवारिक मसलों को सुलझाने के मकसद से चलाए जा रहे तमाम परामर्श केंद्रों की मानें तो घरेलू हिंसा से संबंधित शिकायतों में करीब चालीस फीसद शिकायतें पुरुषों से संबंधित होती हैं यानी इनमें पुरुष घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं और उत्पीड़न करने वाली महिलाएं होती हैं। हाल ही में पुरुषों के साथ हो रही घरेलु हिंसा की घटना अखबारों की सुर्खियाँ बनी हुई है । यह घटना उत्तर प्रदेश के मेरठ की है । यहां पर मुस्कान नाम की महिला ने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ की हत्या कर दी। इसके बाद शव के कई टुकड़े करके नीले रंग के ड्रम में रखकर सीमेंट डाल दिया। पति का मर्डर करने के बाद मुस्कान ने लोगों को बताया कि उसका पति घूमने गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद मुस्कान अपने प्रेमी साहिल के साथ हिमाचल प्रदेश के शिमला घूमने चले गई। यही नहीं मुस्कान अपने पति का फोन भी लेकर साथ गई और उसने उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर हिमाचल के वीडियो भी डाले, ताकि लोगों को लगे कि सौरभ हिमाचल घूमने गया है। इस घटना के बाद तो ड्रम को लेकर महिलाओं ने ड्रम को अपनी धौस देने का हथियार बना लिया है लेन लग गई है । कई जगह से समाचार आ रहे की पत्नियाँ अपने पति को इसी प्रकार मरने की धमकियां दे रही है । मेरठ से ही एक और ऐसा मामला सामने आया है जहां पति-पत्नी के झगड़े में पत्नी ने पति को ऐसी ही भयानक हत्या की धमकी दे डाली। शख्स की पत्नी ने उससे कहा कि अगर हरकतों से बाज नहीं आया तो वह उसके टुकड़े कर ड्रम में भर देगी। आरोप है कि पत्नी ने सोते समय पति के सर पर ईंट मारकर उसे घायल भी कर दिया था। घायल हालत में पति का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो मामला सामने आया है। गोंडा में पत्नी अपने पति को मेरठ हत्याकांड जैसी धमकी दे रही है। पति ने अवैध संबंधों का विरोध किया तो पत्नी ने सरेआम पीटा। धमकी दी-ज्यादा चूं-चपाट की तो गोंडा वाले सौरभ की तरह काटकर ड्रम में भर दूंगी। इतना ही नहीं, निर्माणाधीन मकान में रखे नीले रंग का ड्रम और सीमेंट की बोरियों को दिखाकर डराया भी।प्रताड़ित पति का एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में पत्नी अपने पति को घर के बाहर बीच सड़क वाइपर से पीटते हुए दिख रही है। मोहल्ले वाले पत्नी की करतूत को देख रहे हैं। इससे पहले भी दो बार पीड़ित पति की पिटाई हो चुकी है। कंकरखेड़ा में दंपती के बीच घरेलू बातों को लेकर हुए झगड़े में पति को धमकी दी कि अगर, हरकतों से बाज नहीं आया तो काटकर ड्रम में भर दूंगी। घायल पति थाने पहुंया और पुलिस को मामला बताया। पुलिस ने घायल का मेडिकल उपचार कराया । कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में दून हाईवे स्थित एक कॉलोनी निवासी युवक ने बताया कि वह मजदूरी करता है। पांच साल पहले उसकी शादी हुई थी। दंपती के दो बच्चे हैं। आरोप लगाया कि पत्नी आए दिन उसके साथ झगड़ा करती है। कई बार घर से खींचकर गली में झाड़ू तक से पीटा है। मोहल्ले के लोगों ने बीच बचाव कराया था। बताया जाता है मेरठ में ड्रम कांड के बाद उन पतियों में भी खौफ का माहौल है, जिनकी पत्नियां शादी के बाद भी अपने बॉयफ्रेंड के साथ रिलेशन में हैं। ग्वालियर में ऐसे ही एक पति को अपनी हत्या का डर सता रहा है। इस युवक की पत्नी की चार बॉयफ्रेंड हैं। वह अपने पति को छोड़कर एक बॉयफ्रेंड के साथ रह रही है। ये बॉयफ्रेंड पति को हत्या की धमकी दे रहा है। जब पुलिस ने युवक की बात को गंभीरता से नहीं सुना तो वह फूलबाग चौराहे पर मुख्यमंत्री के नाम पोस्टर लेकर धरने पर बैठ गया।पीड़ित पति ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मदद की गुहार लगाई है। उसने आशंका जाहिर की है कि कहीं उसकी पत्नी पूजा भी मेरठ कांड की तरह उसे कटवाकर ड्रम में सीमेंट से न दबवा दे।ऐसे कई उदहारण है जिसमें पत्नियां पतियों के साथ मारपीट करती रहती है । वैसे भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। 'सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन' और 'माई नेशन' नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी गया है पुरुषों ने जब इस तरह की शिकायतें पुलिस में या फिर किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर करनी चाही तो लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया और शिकायत करने वाले पुरुषों को हंसी का पात्र बना दिया गया। लखनऊ में पीड़ित पुरुषों की समस्याओं पर काम करने वाली एक संस्था के संचालक देवेश कुमार बताते हैं कि लॉकडाउन के दौरान ऐसी समस्याओं के बारे में और ज्यादा जानकारी मिली थी क्योंकि इस दौरान ज्यादातर पति-पत्नी साथ रहे हैं। देवेश कुमार बताते हैं, ₹लोग कई तरह की समस्याएं लेकर आते थे । मसलन, एक युवक इस बात से परेशान था कि उसकी पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से अवैध संबंध थे। मना करने के बावजूद संबंध जारी रहे। लॉकडाउन के दौरान ही उसे ये बातें पता चलीं। दोनों में विवाद हुआ और लड़की के घर वालों ने युवक को यह कहते हुए धमकाया कि यदि उसने कुछ करने की कोशिश की तो दहेज प्रताड़ना के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया जाएगा।"राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, देश में पुरुषों की आत्महत्या की दर महिलाओं की तुलना में दो गुने से भी ज्यादा है। इसके पीछे तमाम कारणों में पुरुषों का घरेलू हिंसा का शिकार होना भी बताया जाता है, जिसकी शिकायत वो किसी फोरम पर कर भी नहीं पाते हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि पुरुषों के खिलाफ हिंसा की किसी को जानकारी नहीं है या फिर इसके खिलाफ आवाज नहीं उठती है लेकिन यह आवाज एक तो उठती ही बहुत धीमी है और उसके बाद खामोश भी बहुत जल्दी हो जाती है। कुछ समय पहले यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था।

पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं। पुरुष आयोग की मांग के समर्थन में जो तर्क दिए जाते हैं, उनमें सबसे बड़ा तर्क यह है कि महिलाओं को सुरक्षा देने के जो कानून बने हैं, उनके दुरुपयोग से पुरुषों को प्रताड़ित किया जाता रहा है।

# आनंदीबाई जोशी: भारत की पहली महिला डॉक्टर की प्रेरक गाथा



प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

भारत के इतिहास में कुछ ऐसे नाम हैं जो समय की धूल में दबे नहीं, बल्कि हर कण में चमकते हैं, और उनमें से एक हैं डॉ. आनंदीबाई जोशी। एक ऐसी महिला, जिसने 19वीं सदी के उस दौर में, जब समाज की रूढ़ियाँ महिलाओं को घर की चारदीवारी तक सीमित रखती थीं, न केवल अपने सपनों को पंख दिए, बल्कि उन्हें उड़ान देकर इतिहास रच दिया। उनकी कहानी सिर्फ एक व्यक्तिगत विजय नहीं, बल्कि हर उस महिला के लिए प्रेरणा है जो अपने रास्ते की बाधाओं को चुनौती देना चाहती है। जब हम उनके जीवन की ओर देखते हैं, तो यह महसूस होता है कि साहस और संकल्प के आगे कोई भी दीवार स्थायी नहीं रह सकती। आनंदीबाई का जन्म 31 मार्च 1865 को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक साधारण परिवार में हुआ था। उस समय का समाज महिलाओं की शिक्षा को लेकर उदासीन था, और उनकी भूमिका सिर्फ घर-गृहस्थी तक सीमित मानी जाती थी। लेकिन आनंदीबाई का जीवन एक अलग कहानी लिखने को तैयार था। नौ साल की छोटी उम्र में उनकी शादी गोपालराव जोशी से हुई, जो उस समय के हिसाब से असाधारण रूप से प्रगतिशील थे। गोपालराव ने न सिर्फ आनंदीबाई को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया, बल्कि उनके सपनों को साकार करने के लिए हर कदम पर उनका साथ दिया। यह रिश्ता सिर्फ एक विवाह नहीं था, बल्कि एक साझेदारी थी जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन गई। लेकिन उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आया जिसने उनके संकल्प को और मजबूत किया। 14 साल की उम्र में माँ बनने के बाद उनके नवजात बेटे की मृत्यु हो गई, सिर्फ इसलिए क्योंकि समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इस दुख ने उनके भीतर एक आग जलाई—एक ऐसी आग जो समाज में बदलाव लाने की चाहत बन गई। इस दुखद घटना के बाद आनंदीबाई ने ठान लिया कि वे डॉक्टर बनेंगी और दूसरी महिलाओं को ऐसी त्रासदी से बचाएंगी। लेकिन उस समय भारत में महिलाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा का कोई रास्ता नहीं था। यहाँ तक कि शिक्षा तक पहुँचना भी एक सपना ही था। फिर भी, गोपालराव के अटूट समर्थन के साथ, आनंदीबाई ने हार नहीं मानी। 1883 में उन्होंने एक साहसिक कदम उठाया और अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में स्थित फिलाडेल्फिया महिला मेडिकल कॉलेज में दाखिला ले लिया। यह निर्णय अपने आप में क्रांतिकारी था। एक भारतीय महिला, जो उस समय समुद्र पार करने की बात तो दूर, घर से बाहर कदम रखने में भी संकोच करती थी, वह विदेश जाकर पढ़ाई करने का साहस कर रही थी। वहाँ की ठंडी जलवायु, अलग संस्कृति और भाषा की बाधाओं के बावजूद, उन्होंने अपनी मेहनत से 1886 में एम.डी. की डिग्री हासिल की। इस उपलब्धि ने उन्हें भारत की पहली महिला डॉक्टर बनाया और दुनिया को दिखाया कि दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे कोई बंधन टिक नहीं सकता। हालांकि, उनकी यह यात्रा आसान नहीं थी। विदेश में पढ़ाई के दौरान उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ा। ठंडी जलवायु और कठिन परिस्थितियों ने उनके शरीर को कमजोर कर दिया। डिग्री हासिल करने के बाद जब वे भारत लौटीं, तो कोल्हापुर के अल्बर्ट एडवर्ड अस्पताल में बतौर महिला डॉक्टर अपनी सेवाएँ शुरू कीं। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। 22 साल की छोटी सी उम्र में, 26 फरवरी 1887 को, टीबी जैसी जानलेवा बीमारी ने उन्हें हमसे छीन लिया। उनकी मृत्यु ने एक उदीयमान सितारे को तो बुझा दिया, लेकिन उनकी चमक आज भी बरकरार है। इतनी कम उम्र में उन्होंने जो हासिल किया, वह किसी चमत्कार से कम नहीं था। उनकी कहानी हमें सिखाती है कि समय की कमी कोई बहाना नहीं होती; असल में मायने रखता है कि उस समय को कैसे जीया जाए। आनंदीबाई जोशी की विरासत सिर्फ एक नाम या उपाधि नहीं है, बल्कि एक विचार है—शिक्षा और साहस का विचार। उनकी मृत्यु के बाद भी उनका प्रभाव कम नहीं हुआ। भारतीय डाक विभाग ने 1992 में उनकी स्मृति में एक डाक टिकट जारी किया, जो उनके योगदान को सम्मान देने का एक छोटा सा प्रयास था। आज भी कई संस्थान उनके नाम पर चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। उनकी जयंती, 31 मार्च, हमें याद दिलाती है कि एक महिला की हिम्मत कितना कुछ बदल सकती है। उन्होंने न सिर्फ अपने लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की महिलाओं के लिए रास्ता बनाया। आज जब हम भारत में महिला डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और शिक्षिकाओं को देखते हैं, तो उनकी सफलता में आनंदीबाई की प्रेरणा की झलक दिखती है। आनंदीबाई जोशी का जीवन हमें एक गहरी सीख देता है—कि सपने वो नहीं जो सोते वक्त देखे जाते हैं, बल्कि वो हैं जो आपको सोने न दें। उन्होंने अपने छोटे से जीवन में जो हासिल किया, वह किसी लंबी सदी से कम नहीं।

# विचारधारा वाले साहब



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सुबह-सुबह दफ्तर खुलने का टाइम 10 बजे का था, लेकिन बाबू लोगों की आत्मा इस नियम को आत्मसात नहीं कर पाई थी। गार्ड साहब टेबल पर चाय के कप रखे बैठे थे और कुर्सी पर एक अख़बार का पुलिंदा, जो शायद दफ्तर आने वालों की हाजिरी का रिकॉर्ड रखता था। साहब कब आते हैं, यह खुद साहब भी नहीं जानते थे। लेकिन बाबूजी की घड़ी हमेशा सही चलती थी—12 बजे के बाद। सर, साहब आए? बाहर से फुसफुसाते हुए एक आदमी ने पूछा। गार्ड ने अखबार से मुंह हटाया और एक अनुभवी मुस्कान फेंकी-साहब तो विचारधारा वाले इंसान हैं, जब विचार आएंगे तब साहब भी आएंगे। अंदर ऑफिस का नज़ारा देखते ही बनता था।

टेबलों पर फाइलों का पहाड़ था, जो पर्वतारोहियों के इंतजार में था। बाबूजी मेज पर ऐसे झुके थे मानो अंग्रेजी उपन्यास पढ़ रहे हों, लेकिन असल में आंखें व्हाट्सएप के फॉरवड्र्स चाट रही थीं।

अचानक फोन बजा-हां जी, अभी मीटिंग में हूं। नहीं-नहीं, अभी बहुत बिजी हूं! सामने बैठा फरियादी चौथी बार पसीना पोंछ चुका था, उसकी अर्ज़ी की हालत किसी 90's की हिंदी फिल्म की नायिका जैसी हो चुकी थी—जिसकी किस्मत विलेन के हाथों में थी।

फाइल आगे सरकाने की प्रक्रिया इतनी जटिल थी कि इसे देखकर वैज्ञानिक रॉकेट लॉन्च करने से पहले दोबारा सोचते। आपकी फाइल में कमी है, बाबूजी ने ऐलान किया। पर ये तो पूरी है! फरियादी ने कांपते हुए कहा। नहीं भैया, इसमें कमी है—शक्कर की। बाबूजी ने गुप्त संकेत दिया।

फरियादी समझदार निकला, उसने जेब से लिफाफा निकाला, और चमत्कार देखिए, फाइल एक सेकंड में स्वीकृत हो गई। इसी बीच साहब का आगमन हुआ। आते ही उन्होंने आंखें झपकाईं, लंबी अंगड़ाई ली और कुर्सी पर ऐसे बैठे जैसे राजा अपना दरबार लगा रहा हो। आज बहुत काम है, किसी को बेवजह परेशान मत करना! उन्होंने आदेश दिया।

फरियादी बेचारा फिर से पसीने में डूब गया। सर, बस एक छोटा-सा दस्तखत चाहिए! साहब ने चश्मा उतारा, फाइल खोली, और ऐसे घूरा जैसे इसमें परमाणु बम का ब्लूप्रिंट हो। फिर ठंडी आवाज़ में बोले-इसे देखना पड़ेगा, अभी मीटिंग है!

फरियादी का मन हुआ कि इस मीटिंग को शहीद कर दे, लेकिन लोकतंत्र में यह संभव नहीं था। इसी दौरान चपरासी आया, सर, चाय? साहब ने सिर हिलाया और चाय की चुस्कियों के बीच सिग्नेचर करने का नाटक किया। आपके दस्तखत... फरियादी ने हिम्मत जुटाकर कहा। अरे भई, देखो तो, अभी तक ईमानदारी से दस्तखत कर रहा हूं, वरना अब तक कई अफसरों ने सिर्फ अंगूठा चलाना सीख लिया है! साहब ने व्यंग्य किया।

दोपहर होते ही ऑफिस का माहौल बदल गया। लंच ब्रेक का समय आ गया था। बाबूजी कुर्सी पर पड़े थे, जैसे सुबह से कोयला खदान में काम कर रहे हों। साहब भी वीआईपी टिफिन का आनंद ले रहे थे। फरियादी बेचारा अब आधा जीवित रह गया था। लंच के बाद फिर से वही सिलसिला शुरू हुआ—फाइलें घूमीं, चाय बंटी, व्हाट्सएप चले, और मीटिंग्स के बहाने उठे।

शाम के पांच बजे का समय हुआ, सरकारी मशीनरी की बैटरी डाउन होने लगी। साहब ने हाथ में ब्रीफकेस पकड़ा और उठ खड़े हुए।

कल आना! फरियादी को आखिरी झटका मिला। कल! लेकिन कल तो मैं... अबे भाई, कल क्या, परसों भी आ सकते हो। हमारा ऑफिस ही तो तुम्हारा दूसरा घर है!

साहब ने कंधे पर हाथ रखते हुए कहा। फरियादी धीरे-धीरे बाहर निकला, जैसे कोई युद्ध हारकर लौट रहा हो। और अंदर बाबूजी ने मुस्कुराते हुए कहा, अगला!

# हीटवेव से प्रभावित होते लोग !



डॉ प्रदीप उपाध्याय

मौसम विज्ञानियों ने भले ही देश के तेरह राज्यों को हीटवेव प्रोन स्टेट में शामिल किया हो लेकिन राजनीति के वैज्ञानिकों में जो हुनर है वह इन मौसम विज्ञानियों में भी नहीं है। वे चाहें तो हीट वेव को एक क्षेत्र विशेष तक ही सीमित कर दें और चाहें तो देशभर में फैला दें।आमजन इस बढ़ती गरमी का शिकार होकर रह जाता है। मौसमी हीटवेव का प्रभाव लपट है,पसीना है।यह जानलेवा भी हो सकता है किन्तु शीतल छांव और शीतल पेय में कुछ शांति महसूस हो सकती है जबकि राजनीतिक हीटवेव का प्रभाव नफरत और लहू है और यह इसका विस्तार पाकर पत्थरबाजी,आगजनी और हिंसा का रूप धर लेती है।यह किसी भी रूप में शांत होने का नाम नहीं लेती है क्योंकि यहां तापमान के घटने-बढ़ने का रिमोट कंट्रोल भी राजनीति विज्ञानियों के पास ही रहता है ।इसे वे घटा-बढ़ा तो लेते हैं यानी कम-ज्यादा करना इनके बाएं हाथ का काम है तथापि गर्म तापमान बनाए रखना इनका एकमात्र लक्ष्य रहता हैं।बूझी आग में भी ये चिंगारियों को दबाए रखते हैं ताकि वक्त जरूरत काम आए और हीटवेव का रूख फिर मनमर्ज़ी से वाछित दिशा में मोड़ सकें।इनका ध्येय रहता है कि जनता दिल और दिमाग से ठंडी बनी रहे और मुद्दों में गरमा-गरम रहे।बताया जा रहा है कि मौसम विज्ञानियों ने राजस्थान की गर्म हवाओं से मध्यप्रदेश का पारा चालीस डिग्री पार करने की बात कही है किन्तु इन हवाओं का रुख बदलने की ताकत मौसम विज्ञानियों में भी नहीं है।जब तक हवाएं चाहेंगी,वे एक ही दिशा में चलेंगी।राह नहीं भटकेंगी,पारा और भी बढ़ सकता है और कम भी हो सकता है और फिर कुछ दिन रहकर गुम हो जाएगा।मौसम विज्ञानियों में यह माद्दा नहीं है कि वे हीटवेव को बुलावा भेज दे या फिर उसे वापस जाने का इशारा कर दे।यह काम सिर्फ़ और सिर्फ़ राजनीति विज्ञानी ही कर सकते हैं।उनके द्वारा चलाई हीटवेव कब किधर का रूख कर जाए,आप कल्पना भी नहीं कर सकते।मौसम विज्ञानियों के हाथ प्रकृति के हाथों बंधे रहते हैं।वे गलतबयानी कर सकते हैं लेकिन प्रकृति का रूख बदलने की क्षमता नहीं रखते जबकि राजनीति विज्ञानियों का काम ही है जमी-जमाई व्यवस्था को बेतरतीब करना।बिना छेड़छाड़ के उनका काम ही नहीं चल सकता।चहुंओर कृत्रिमता फैलाना और लोगों की आंखों पर कलाकारी के साथ पर्दा डाल देना!यही तो खासियत है राजनीति विज्ञानियों की।

# इस मंदिर में दिन में 3 बार बदलता है देवी का रूप नवरात्रि में लगती है यहां भक्तों की भीड़

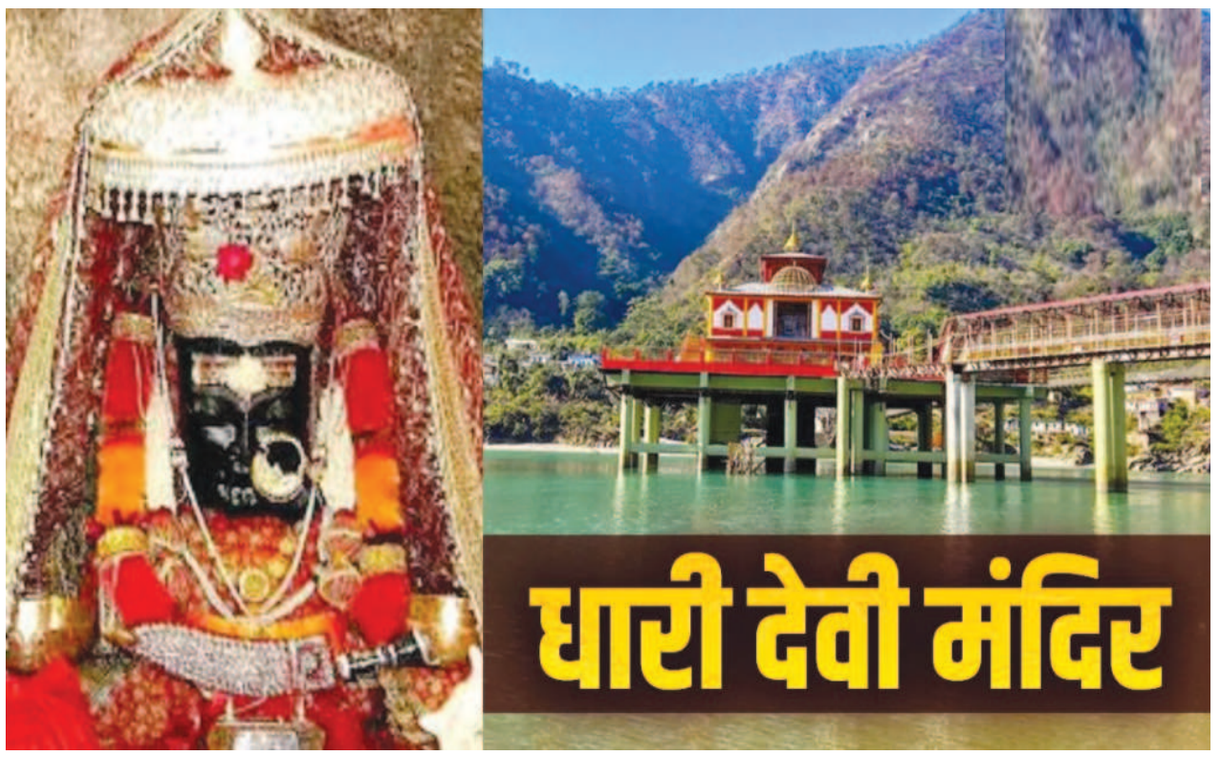


उत्तराखंड में स्थित धारी देवी मंदिर में नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि इस मंदिर से जुड़ी मान्यताएं क्या हैं और इसके इतिहास के बारे में।

देवभूमि उत्तराखंड में यूं तो कई मंदिर हैं लेकिन धारी देवी मंदिर का स्थान सबसे अलग है। इस मंदिर में स्थित देवी को उत्तराखंड की रक्षक देवी कहा जाता है। प्रतिदिन धारी देवी मंदिर में भक्त आते हैं लेकिन नवरात्रि के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। यहां देवी माता के सिर की पूजा की जाती है। पौड़ी गढ़वाल जिले के श्रीनगर में अलकनंदा नदी के तट पर स्थित इस प्रसिद्ध शक्ति पीठ से जुड़ी क्या मान्यताएं हैं और इसके महत्व के बारे में आज हम आपको जानकारी देंगे।

**धारी देवी मंदिर**

अलकनंदा नदी के तट पर स्थिति धारी देवी मंदिर चारधाम यात्रा मार्ग के बीच में पड़ता है। माना जाता है कि द्वापर युग से यह मंदिर धारो गांव के पास स्थित है। इस मंदिर को चारधामों का रक्षक भी माना जाता है। यहां माता रानी के धड़ की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एक बार भयंकर बाढ़ आने के चलते मूर्ति देवी की मूर्ति भी उस में बह गई और धारो गांव के पास एक चट्टान पर जाकर रुक गई। इसके बाद एक ईश्वरीय वाणी हुई, जिसने देवी की मूर्ति को धारो गांव के पास स्थापित करने को कहा। धारो गांव के लोगों ने ही इसके बाद माता की प्रतिमा को यहां स्थापित किया और तब से उनकी पूजा यहां शुरू हो गई।

**धारी देवी में रोज होता है यह चमत्कार**

धारी देवी मेंदिर में देवी की प्रतिमा दिन में 3 बार रूप बदलती है। सुबह कन्या, दोपहर में युवती और शाम के समय माता वृद्ध महिला के रूप में नजर आती हैं। यह चमत्कार धारी देवी मंदिर में प्रतिदिन होता है। धारी देवी मंदिर में होने वाले इस चमत्कार को देखने के लिए विशेष रूप से भक्त यहां सुबह से शाम तक रुकते हैं।

**धारी देवी मंदिर**

मूर्ति को हटाने से आयी थी बाढ़

उत्तराखंड के स्थानीय लोगों का मानना है कि 2013 में जो भीषण बाढ़ आयी थी उसका कारण धारी देवी मां की मूर्ति को विस्थापित किया जाना था। आपको बता दें कि 2013 में 16 जून को धारी देवी की मूर्ति को पूर्व स्थान से हटाया गया था और उसी शाम को उत्तराखंड में भीषण बाढ़ आ गई थी। इस बाढ़ में हजारों लोगों की जान गई थी। उत्तराखंड के लोग मानते हैं कि माता के क्रोध के कारण ही वह भयानक बाढ़ आयी थी।

**धारी देवी और कालीमठ का संबंध**

धारी देवी मंदिर में देवी काली के सिर की पूजा की जाती है वहीं कालीमठ में माता के धड़ की पूजा की जाती है। यह दोनों ही मंदिर देवी काली को समर्पित हैं लेकिन कालीमठ में तंत्र विद्या का एक प्रमुख केंद्र माना जाता है। वहीं देवी धारी को चारधामों की संरक्षक देवी माना जाता है।

**धारी देवी मंदिर दर्शन का समय**

भक्तों के लिए धारी देवी का मंदिर सुबह 6 बजे से खुल जाता है। वहीं लगभग शाम के 7 बजे तक मंदिर के पट बंद कर दिए जाते हैं।

**कैसे पहुंचें?**

**देहरादून में स्थित हवाई अड्डे से धारी देवी मंदिर की दूरी 145 किलोमीटर है। वहीं ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से यहां पहुंचने में लगभग 115 किलोमीटर की यात्रा आपको तय करनी पड़ती है। बस और टैक्सी सेवा यहां पहुंचने के लिए हमेशा उपलब्ध रहती है। आप देहरादून, ऋषिकेष, हरिद्वार, पौड़ी, कोटद्वार से यहां आसानी से पहुंच सकते हैं।**

# रक्तबीज का वध करके इसी जगह अंतर्ध्यान हो गई थी मां काली, नवरात्रि में जरूर करें दर्शन

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में देवी काली का एक ऐसा सिद्ध शक्तिपीठ है जो तंत्र साधना की दृष्टि से कामाख्या मंदिर के समान स्थान रखता है। देवी-देवताओं की धरती उत्तराखंड में स्थित इस सिद्ध शक्तिपीठ का वर्णन स्कंद पुराण में भी है। इस मंदिर की सबसे रोचक बात यह है कि यहां देवी की कोई मूर्ति विराजमान नहीं है। विशेष रूप से नवरात्रि के दौरान देश के कोने-कोने से भक्त कालीमठ मंदिर में माथा टेकने आते हैं। कालीमठ मंदिर के इतिहास और इससे जुड़ी मान्यताओं के बारे में जानने के लिए हमने मंदिर के पुजारी सतीश गौड़ जी से बात की।

**कालीमठ सिद्ध शक्तिपीठ से जुड़ी मान्यताएं**

स्कंद पुराण के साथ ही कई अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी कालीमठ का वर्णन मिलता है। जब धरती पर रक्तबीज और शुंभ-निशुंभ का आतंक बढ़ गया था तब इंद्रादि देवताओं ने शक्ति की साधना की थी। देवताओं की साधना से प्रसन्न होकर मां प्रकट हुई और दैत्यों के आतंक के बारे में सुनकर क्रोध से उनका शरीर काला पड़ गया। इसके बाद रक्तबीज और शुंभ निशुंभ का वध करने के लिए माता कालीशिला में 12 वर्ष की बालिका के रूप में प्रकट हुई थीं। कालीशिला, कालीमठ मंदिर से 8 किलोमीटर दूर खड़ी ऊंचाई पर स्थित है। इस शिला पर माता के पैरों के निशान होने की बात भी कही जाती है।

**रक्तबीज शिला**

कालीशिला में प्रकट होने के बाद माता काली और रक्तबीज के मध्य भयंकर युद्ध हुआ। माता काली ने रक्तबीज का वध करने के लिए उसके रक्त का पान किया, क्योंकि उसे वरदान था कि उसके रक्त की हर बूंद से नया रक्तबीज प्रकट होगा। अंत में माता काली ने जिस शिला के पास आकर रक्तबीज का संहार किया उस शिला को रक्तबीज शिला के नाम से जाना जाता है। यह स्थान कालीमठ से कुछ दूरी पर स्थित है।

**कालीमठ में अंतर्ध्यान हुई देवी मां**

**रक्त बीज वधे देवि चण्ड मुण्ड विनाशिनि। रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि।।**

रक्तबीज के साथ ही माता ने शुंभ-निशुंभ का भी वध किया और देवताओं को भय से मुक्ति मिली। रक्तबीज और शुंभ-निशुंभ का वध करने के बाद भी माता का क्रोध शांत नहीं हुआ। माता के रौद्र रूप को देखकर देवता घबराने लगे, तब इसके बारे में उन्होंने भगवान शिव को बताया। भगवान शिव काली माता के क्रोध को शांत करने के लिए उनके पैरों के नीचे लेट गए, जैसे ही देवी को पैरों के नीचे शिवजी के होने का अहसास हुआ तो वो शांत होकर अंतर्ध्यान हो गईं। माना जाता है कि जहां माता काली अंतर्ध्यान हुई थीं वह स्थान कालीमठ मंदिर ही था। इसीलिए कालीमठ मंदिर में देवी की मूर्ति नहीं है, बल्कि एक कुंड में यंत्र रूप में इनकी पूजा की जाती है।

**कालीमठ में पूजा का विधान**

देवी काली को समर्पित कालीमठ मंदिर में किसी मूर्ति की नहीं बल्कि एक कुंड के बीच स्थित यंत्र की पूजा होती है। पूरे वर्ष भर में केवल शारदीय नवरात्रि की अष्टमी तिथि को मध्य रात्रि के समय देवी के कुंड को खोला जाता है और पूजा की जाती है। केवल मंदिर के पुजारी ही इस पूजा को संपन्न करते हैं। हालांकि दर्शन करने के लिए साल भर देश-दुनिया से लोग यहां पहुंचते हैं।

**तंत्र साधन**

तंत्र साधकों के लिए कालीमठ का मंदिर बहुत महत्व रखता है। माना जाता है कि यहां देवी काली को 64 यंत्रों की शक्ति मिली थी। साथ ही 63 योगनियां भी इस स्थान पर विचरण करती हैं। इस स्थान पर तंत्र साधना बहुत जल्दी फलित होती है।

कालीमठ मंदिर और धारी देवी का संबंध

मान्यताओं के अनुसार कालीमठ मंदिर में देवी के निचले भाग यानि धड़ की पूजा की जाती है। वहीं उत्तराखंड के श्रीनगर में स्थित धारी देवी में ऊपरी भाग यानि सिर की पूजा की जाती है।

**कालीमठ मंदिर**

**नवरात्रि में करें दर्शन**

नवरात्रि के दौरान माता के इस मंदिर के दर्शन करना अत्यंत शुभ माना जाता है। देवी माता अपने हर सच्चे भक्त की मनोकामना को पूरा करने वाली हैं। वहीं जो भक्त तंत्र-मंत्र या ध्यान साधना के जरिए आध्यात्मिक उत्थान करना चाहते हैं, उनके लिए भी यह स्थान पवित्र माना जाता है। नवरात्रि में कालीमठ के दर्शन करने से आत्मिक शुद्धि प्राप्त होती है।

**कैसे पहुंचें**

हवाई मार्ग से आने वाले यात्रियों के लिए सबसे निकटतम हवाई अड्डा जॉली ग्रांट एयरपोर्ट है। जॉली ग्रांट से कालीमठ सड़क मार्ग से 200 किलोमीटर दूर स्थित है। वहीं रेल यात्रियों को भी ऋषिकेष पहुंचकर सड़क मार्ग से 200 किलोमीटर की यात्रा कालीमठ तक पहुंचने में करनी पड़ती है। सड़क मार्ग से ऋषिकेष, रुद्रप्रयाग और गुप्तकाशी होते हुए आप यहां पहुंच सकते हैं।

# दिल्ली का प्रसिद्ध देवी माता मंदिर नवरात्रि में करें दर्शन

नवरात्रि में माता दुर्गा के कई स्वरूपों की पूजा की जाती है, जिसके लिए लोग घर पर ही घटस्थापना करते हैं साथ ही देवी मां के मंदिरों में दर्शन के लिए जाते हैं। अगर आप दिल्ली एनसीआर के रहने वाले हैं या नवरात्रि के मौके पर दिल्ली-एनसीआर में हैं तो यहां कई ऐसे प्रसिद्ध देवी मंदिर हैं जहां आपको माता के दर्शन के लिए जरूर जाना चाहिए। इनमें से कई मंदिर ऐतिहासिक हैं या पौराणिक महत्व रखते हैं। कुछ मंदिरों का वातावरण शांत और सुकून देने वाला है तो कुछ की बनावट काफी खूबसूरत है। दिल्ली के प्रसिद्ध मंदिरों में कालकाजी मंदिर, शीतला माता मंदिर, झंडेवालान मंदिर और छतरपुर मंदिर (आद्या कात्यायिनी मंदिर) का नाम शामिल है। इन सभी मंदिरों में नवरात्रि के मौके पर भक्तों की भीड़ देखने को मिल सकती है। इस दौरान यहां भजन संख्या और भंडारा आयोजन भी होता है।

**कालका जी मंदिर**

दिल्ली का यह प्राचीन मंदिर देवी दुर्गा के काली स्वरूप को समर्पित है। राजधानी के नेहरू प्लेस में ऊंचे टीले पर मां कालका जी का मंदिर स्थित है। इसका इतिहास महाभारत काल का बताया जाता है। मान्यता है कि महाभारत से पहले पांडवों ने इस स्थान पर देवी काली से जीत का वरदान मांगा था। बाद में यहां मंदिर की स्थापना हुई। इस कारण इसे पांडवकालीन माता मंदिर भी कहा जाता है। ये एक ऐसा मंदिर है जिसके कपाट सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण के समय पर भी खुले रहते हैं।

इस मंदिर के लिए सबसे नजदीकी मेट्रो स्टेशन कालकाजी मंदिर मेट्रो स्टेशन है जो मजेंटा लाइन पर है। सुबह चार बजे से रात्रि 11.30 बजे तक मंदिर खुला रहता है। बीच में सुबह 11.30 से दोपहर 12 बजे तक और शाम में 3 से 4 बजे तक कपाट बंद कर दिए जाते हैं। नवरात्रि में मंदिर परिसर के पास मेले का आयोजन होता है, दर्शन के लिए जाएं तो मेले का भी आनंद उठा सकते हैं।

**झंडेवालान मंदिर, दिल्ली**

दिल्ली के करोल बाग में झंडेवाला माता मंदिर स्थित है। यह दिल्ली के प्राचीन मंदिरों में से एक है, जो मां आदि शक्ति को समर्पित है। यहां नवरात्रि के अलावा पूरे साल ही भक्तों की भीड़ रहती है। मंदिर के बेसमेंट में प्राचीन प्रतिमा रखी है, जबकि नई प्रतिमा दर्शन के लिए मंदिर परिसर में है।

मंदिर तक पहुंचने के लिए सबसे करीब ब्लू लाइन पर झंडेवाला मेट्रो स्टेशन है। सुबह 5.30 से रात 9.30 तक मंदिर दर्शन के लिए खुला रहता है। हालांकि नवरात्रि के दौरान मंदिर सुबह 4 बजे खुलकर रात 12 बजे बंद होता है। वहीं शाम 6.15 से 7 बजे तक मंदिर के कपाट कुछ देर के लिए बंद किए जाते हैं। नवरात्रि में सुबह 4 बजे और शाम 7 बजे आरती होती है।

**कालीबाड़ी मंदिर, दिल्ली**

राजधानी दिल्ली में माता काली के कई मंदिर हैं लेकिन गोल मार्केट के पास कालीबाड़ी मंदिर की बहुत ज्यादा मान्यता है। इस मंदिर का निर्माण 1930 में हुआ था। कहा जाता है कि मंदिर का निर्माण कोलकाता के कालीघाट मंदिर के आधार पर हुआ है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए निकटतम मेट्रो स्टेशन रामकृष्ण आश्रम मार्ग है,जहां से टैक्सी ले सकते हैं।

# इस नवरात्रि राजस्थान में मां दुर्गा के इन प्रसिद्ध मंदिरों का करें दर्शन

**अर्बुदा देवी मंदिर** - अर्बुदा देवी मंदिर को अधर देवी शक्तिपीठ के नाम से जाना जाता है. मंदिर राजस्थान के माउंट आबू से 3 किलोमीटर दूर एक पहाड़ी पर स्थित है. माना जाता है कि यहां माता देवी पार्वती के होंठ गिरे थे इसलिए यहां शक्तिपीठ स्थापित है. यहां मां अर्बुदा देवी की पूजा देवी कात्यायनी के रूप में होती है, क्योंकि अर्बुदा देवी मां कात्यायनी का ही स्वरुप कहलाती हैं. यूं तो यहां सालभर भक्तों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन नवरात्रि में यहां भक्तों का सैलाब उमड़ता है।

**नौसर माता का मंदिर**

अजमेर के नौसर घाटी में स्थित इस मंदिर माता के नौ स्वरूपों का एक साथ दर्शन होता है. इस मंदिर का उल्लेख पदम पुराण में भी मिलता है. पुष्कर में सृष्टि यज्ञ की रक्षा के लिए जगत पिता ब्रह्मा ने नौदुर्गा का आह्वान किया था. दानवों से यज्ञ की रक्षा के लिए माता अपने नौ रूपों में एक साथ नाग पहाड़ी के मुख्य द्वार पर प्रकट हुई थी, तभी से माता यहां अपने नौ रूपों में नाग पहाड़ी पर विराजमान है।

**त्रिपुर सुंदरी मंदिर**

बांसवाड़ा से करीब 20 किलोमीटर दूर तलवाड़ा गांव में अरावली पर्वतमालाओं के बीच माता त्रिपुरा सुंदरी का भव्य मंदिर मौजूद है. सिंहवाहिनी मां भगवती त्रिपुरा सुंदरी की मूर्ति अष्टदश भुजाओं वाली है. 5 फीट ऊंची मूर्ति में माता दुर्गा के नौ रूपों की प्रतिकृतियां अंकित है. माता के सिंह, मयूर और कमलासीनी होने के कारण यह दिन में तीन रूपों को धारण करती है. जिसमें प्रातः कालीन बेला में कुमारिका,

मध्याह्न में यौवना और सायंकालीन बेला में प्रौढ़ रूप में मां के दर्शन होते हैं।

**मणिबंध शक्तिपीठ**

मणिबंध शक्तिपीठ राज्य के पुष्कर में स्थित है. मणिबंध शक्ति पीठ को मणिवेदिका शक्तिपीठ और गायत्री मंदिर के नाम से भी जाना जाता है. यह एक पवित्र तीर्थ स्थल है, जो पहाड़ की चोटी पर स्थित है. यहां माता सती की दोनों कलाई का निपात हुआ था. साथ ही यहां माता सती को मणिवेदिका और गायत्री, जबकि भगवान शिव को सर्वानंद के रूप में पूजा जाता है. गायत्री मंत्र की साधना के लिए इस मंदिर को पवित्र माना जाता है।

**अंबिका पीठ**

राजधानी जयपुर से करीब 90 किलोमीटर दूर विराटनगर में माता अंबिका का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है. कहा जाता है कि यहां मां सती के बाएं पैर की अंगुलियां गिरी थी. जिससे इस शक्तिपीठ की स्थापना हुई थी. यहां माता सती अंबिका के रूप में और भगवान शिव अमृतेश्वर के रूप में पूजे जाते हैं. साल में दो बार यानी अप्रैल (चैत्र मास) और सितंबर-अक्टूबर (अश्विन मास) में नवरात्रि के दौरान यहां देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा होती है।

# देवी ब्रह्मचारिणी

दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

**अर्थ**

जिनके एक हाथ में अक्षमाला और दूसरे में कमंडल है। ऐसी ब्रह्मचारिणी रूपा मां दुर्गा मुझ पर कृपा करें।

**पूजा विधि**

देवी ब्रह्मचारिणी का ध्यान कर कलश पर चावल चढ़ाएं, जल और पंचामृत छिड़कें। मौली, चंदन, हल्दी, कुमकुम, अक्षत लगाएं। सफेद फूल या गुलाब अर्पित करें। धूप-दीप अर्पित करें। मखाने, मौसमी फल या खीर में मिश्री डालकर भोग लगाएं।

## देवी दुर्गा का यह दूसरा रूप

देवी दुर्गा का यह दूसरा रूप भक्तों एवं सिद्धों को अमोघ फल देने वाला है। देवी ब्रह्मचारिणी की उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम की वृद्धि होती है। माता ब्रह्मचारिणी की पूजा और साधना करने से कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है। ऐसा भक्त इसलिए करते हैं ताकि मां ब्रह्मचारिणी की कृपा से उनका जीवन सफल हो सके और अपने सामने आने वाली किसी भी प्रकार की बाधा का सामना आसानी से कर सकें। आज नवरात्र का दूसरा दिन है। ब्रह्मचारिणी देवी का स्वरूप पूर्ण ज्योतिर्मय एवं अत्यन्त भव्य है। यह देवी शांत और निमग्न होकर तप में लीन हैं। मुख पर कठोर तपस्या के कारण तेज और कांति का ऐसा अनूठा संगम है जो तीनों लोको को उजागर कर रहा है। यह स्वरूप श्वेत वस्त्र पहने दाहिने हाथ में जप की माला एवं बायें हाथ में कमंडल लिए हुए सुशोभित है। ब्रह्मचारिणी देवी के कई अन्य नाम हैं जैसे तपश्चारिणी, अपर्णा और उमा। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में राजा हिमालय के घर पार्वती स्वरूप में थीं।

# अपनी मां-बहन के वीडियो देखो

## श्रुति नारायणन ने कास्टिंग काउच वीडियो लीक होने पर निकाली भड़ास, जमकर कोसा

हाल ही तमिल एक्ट्रेस श्रुति नारायणन का कथित तौर पर कास्टिंग काउच वीडियो सोशल मीडिया पर लीक हो गया, जिसके कारण उनका मजाक बना हुआ है। श्रुति नारायणन और उनका परिवार परेशान है, जिस पर अब एक्ट्रेस ने रिएक्ट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें बताया कि यह समय उनके और परिवार के लिए बहुत मुश्किल है। साथ ही उन्होंने उन लोगों को जमकर कोसा और भड़ास निकाली, जो लीक वीडियो को वायरल कर रहे हैं।

वायरल वीडियो 14 मिनट का है, जिसमें एक लड़की निर्वस्त्र नजर आ रही है और उसकी शक्ल श्रुति नारायणन से मिलती-जुलती है। कुछ लोगों का कहना है यह वीडियो एआई या फिर डीपफेक भी हो सकता है।

यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, और लोग धड़ल्ले से शेयर कर रहे हैं। श्रुति नारायणन इस पर भड़क गईं, और उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट में लोगों से लीक हुए वीडियो को शेयर न करने की अपील की।

**श्रुति नारायणन ने लिखा-परिवार के लिए मुश्किल वक्त**

श्रुति नारायणन ने लिखा है, 'आप लोगों के लिए ये सिर्फ मजाक और मजेदार कंटेंट है। लेकिन मेरे और मेरे परिवार के लिए यह मुश्किल वक्त है। खासकर मेरे लिए तो यह बहुत ही मुश्किल वक्त है और इस सिचुएशन को हैंडल करना भी मुश्किल हो रहा है।'

'अपनी मां-बहन और गर्लफ्रेंड के वीडियो देखो, उनकी भी मेरे जैसी बॉडी'

श्रुति नारायणन ने आगे लिखा है, 'मैं भी एक लड़की हूं और मेरे भी करीबी और रिश्तेदार हैं।

लेकिन आप लोग इसे और बुरा, बहुत ही बुरा बना रहे हो। मैं आप सभी से गुजारिश करती हूं कि इसे आप 'जंगल में आग की तरह न फैलाएं।

अगर फैलाओ, तो पहले जाकर अपनी मां, बहन या गर्लफ्रेंड के वीडियोज देखो। उनकी भी वैसी ही बॉडी है, जैसी मेरी है। तो जाओ और उनके वीडियोज इंजॉय करो।'

**'लीक हुए वीडियो को शेयर करना, चाहे असली हो या डीपफेक अपराध है'**

श्रुति नारायणन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक और पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा कि इस तरह के लीक वीडियोज (कास्टिंग काउच) कैसे किसी की जिंदगी बर्बाद कर सकते हैं।

उन्होंने लिखा, 'इंसान बनो, लीक हुए वीडियो को शेयर करना, चाहे असली हो या डीपफेक, भारत में अपराध है। यहां कुछ कानूनी प्रावधान दिए गए हैं जिनके तहत कार्रवाई की जा सकती है।'

इसके बाद श्रुति ने उन एक्शंस की एक लिस्ट शेयर की, जो लीक हुए वीडियो को शेयर करने में शामिल लोगों के खिलाफ लिए जा सकते हैं।

श्रुति नारायणन ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत तमिल टीवी शोज से की थी, और वह फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। उन्हें तमिल टीवी शो सिरागाडिक्का आसाय से पॉपुलैरिटी मिली थी।

# हे कवच धारी, ये लो तलवार

## शिल्पा शेट्टी का ये लुक देखकर हंसी से लोटपोट हुए लोग, एक ने पूछा- लड़ाई कैसी रही?

ग्लैमर वर्ल्ड में नया फैशन ट्रेंड देखने को मिलता है। कई बार तो उसे खूब पसंद किया जाता है और कई दफा उसका मजाक बनता है। शिल्पा शेट्टी के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने कुछ वीडियोज और फोटोज शेयर किए हैं, जिसमें उन्होंने अपनी साड़ी के ऊपर कवच जैसा कुछ पहन रखा है और इसी पर लोगो फिरकी ले रहे। उनकी हंसी उड़ा रहे और मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं।शिल्पा शेट्टी 49 साल की हैं लेकिन उन्हें देख कोई भी उनकी उम्र का अंदाजा नहीं लगा सकता। उन्होंने दो बच्चों की मां होने के बावजूद खुद को इतना फिट रखा है कि हर कोई उनके फिगर का कायल है। उन्होंने एक फैशन शो में रैम्प वॉक किया। वह शो स्टॉपर थीं। उन्होंने इस दौरान ग्रे कलर की सफेद धारी वाली साड़ी पहनी थी। और रैम्प पर नजर आ रही थीं।

शिल्पा शेट्टी बैक स्टेज की भी कुछ झलक दिखाई है। जिसमें से एक में वह कवच पहन रही है और कुछ पहना रहे हैं। हाथ मे कड़े हैं और बाजू में सांप के आकार का बाजूबंद। एक वीडियो में वह अनलोम-विलोम करती भी दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में तलवार चलाने वाले मोड का जिक्र किया है। वह योद्धा वाले लुक में दिखाई दे रही हैं, जिस पर लोग फनी कमेंट्स कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा, 'ये सुरक्षा कवच पहन कर किस रणभूमि को प्रस्थान है देवी जी।' एक ने लिखा, 'बाहुबली ड्रेस।' एक ने लिखा, 'हे कवच धारी ये लो तलवार।' एक ने पूछा, 'लड़ाई कैसी रही?' एक ने लिखा कि एक्ट्रेस 21 की लगती है। एक ने लिखा, 'बुलेट प्रूफ जैकेट।' एक ने लिखा, 'ये युद्ध का ब्लाउज है, जो पहले राजा लोग युद्ध में जाने से पहले पहनते थे।' एक ने लिखा, 'उफ्फी ट्रेंड हो रही है। क्या ही पहन लिया है मैडम।'

# गानों के बाद अब संवादों के लिए एआई का इस्तेमाल

## स्टार किड्स के हिंदी उच्चारण को लेकर उठे सवाल

फिल्म अभिनेता सलमान खान की आने वाली फिल्म 'सिकंदर' में उनकी करीबी दोस्त यूलिया वंतूर ने हिंदी सिनेमा का एक पुराना गाना गाया है, ये बात आपने सबसे पहले 'अमर उजाला' में ही पढ़ी। इस खबर के बाद से लोग ये भी पूछने लगे हैं कि आखिर सलमान खान ने अपनी फिल्मों में गाना क्यों बंद कर दिया?

इसका उत्तर हिंदी सिनेमा के हर तकनीशियन को पता है। ये बात अब जग जाहिर है कि ऑटो ट्यूनर नाम का एक सॉफ्टवेयर है जिसका इस्तेमाल कर कोई भी गाना गा सकता है।

लेकिन, हिंदी फिल्म जगत में ताजा बवाल फिल्म 'नादानियां' में इब्राहिम अली खान की हिंदी को लेकर शुरू हुआ है। एक यूट्यूब चैनल पर चर्चा करते हुए हिंदी सिनेमा के कुछ नामचीन फिल्म पत्रकारों ने इस बात का खुलासा किया है कि फिल्मों में संवाद बोलने के लिए कई नए अभिनेता एक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर रहे हैं। बताया जाता है कि ये सॉफ्टवेयर एआई की मदद से संवादों में हिंदी के उच्चारण सही करता है। इसके लिए ये सॉफ्टवेयर हिंदी सिनेमा में अतीत में बोले गए हिट संवादों से अपना शब्दकोष तैयार करता है और हर शब्द को बोलने के तरीके के कई विकल्प प्रस्तुत करता है।

ये बात सबको पता है कि इब्राहिम अली खान को हिंदी बोलनी नहीं आती है और इसीलिए अपनी डेब्यू फिल्म से पहले उन्होंने कोई इंटरव्यू नहीं दिया।

इसी चर्चा में ये भी कहा गया कि फिल्म 'आर्चीज' से लॉन्च हुए सितारों की भी हिंदी साफ नहीं है और इसीलिए ये सारे कलाकार भी अब तक अखबारों व न्यूज चैनलों को इंटरव्यू देने से बचते रहे हैं।

याद रहे कि जोया अख्तर निर्देशित इस फिल्म से अगस्त्य नंदा, खुशी कपूर, वेदांग रैना, सुहाना खान आदि कलाकार लॉन्च हुए हैं। इसी यूट्यूब चर्चा में वरिष्ठ फिल्म पत्रकार रोहित खिलनानी ने कहा उनके पास ये पक्की जानकारी है कि ऐसा सॉफ्टवेयर इस्तेमाल में लाया जा रहा है। गौरतलब है कि फिल्म 'नादानियां' में खराब एक्टिंग के लिए इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर दोनों सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हो चुके हैं।

# 3 बार शादी, 3 बार तलाक, परेशान होकर करवाया डिवोर्स इंश्योरेंस

## दक्षिण कोरिया के नोआ जी-जून ने निकाली अजब तरकीब

बीते कुछ साल में देश ही नहीं, दुनियाभर में शादी के बाद तलाक लेने का चलन बढ़ गया है। एक ओर जहां शादी के कुछ साल बाद ही लोग आपसी सामंजस्य नहीं होने के कारण तलाक रहे हैं, वहीं बरसों पुरानी शादियां भी टूट रही हैं। इसी कड़ी में एक कहानी दक्षिणि कोरिया के नोह गी-जून की भी है। उनकी तीन बार शादी हुई और तीनों शादी टूट गई। तलाक के कारण एलिमनी में नोह को हर बार भारी-भरकम एलिमनी भी चुकानी पड़ी। ऐसे में उसने एक तरकीब निकाली, तलाक का इंश्योरेंस करवाने का। बस कहानी में एक ट्वस्टि है। असल जिंदगी की घटनाओं से प्रेरित यह कहानी OTT पर आ रही नई के-ड्रामा वेब सीरीज 'द डिवोर्स इंश्योरेंस' की है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। बीते साल पीरियड ड्रामा 'हार्बिन' की पॉपुलैरिटी के बाद की लोकप्रियता के बाद, एक्टर ली डोंग-वूक एक नई रोमांटिक कॉमेडी के-ड्रामा 'द डिवोर्स इंश्योरेंस' के साथ लौट रहे हैं।

# किस तरह भारत से यूके और फिर अमेरिका पहुंचे डॉक्टर नेने

## माधुरी के पति ने सुनाई अपनी कहानी

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने अपने भारत देश के अनुभवों को साझा किया। साथ ही डॉ. नेने ने कहा कि उनके बच्चों को उनसे ज्यादा सुविधाएं मिली हैं। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि वह कौन हैं। अभिनेत्री ने भी बदलती दुनिया का किया जिक्र। आखिर अभिनेत्री ने क्या कहा।

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित अपने पति डॉ. नेने के पॉडकास्ट में पहुंचीं, जहां उन्होंने परिवार, समाज के बारे में बात की। इसके अलावा उनके पति ने भी इसपर अपने विचार प्रकट किए। अभिनेत्री के पति ने अपने दोनों बेटों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें अपने माता-पिता की तुलना में अधिक सुविधाएं मिली है। इसबात पर उनके बेटे रयान ने कहा कि कुछ कमजोरियां हैं, फिर डॉ. नेने ने जवाब में कहा आपको यह स्वीकार करने से कभी नहीं डरना चाहिए कि आप कौन हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि यह सारी चीचें सबके लिए हैं और आपको इसे मानवता को वापस देना चाहिए।

अभिनेत्री से समाज के बारे में बात करने के दौरान डॉ. नेने ने बताया कि आज समाज बहुत विकसित हो चुका है। उन्होंने बताया कि 1970 के दशक में उनके माता-पिता अमेरिका चले गए थे, लेकिन उन्हें भारत की बहुत याद आती थी। माधुरी के पति ने आगे कहा कि पहले ज्यादातर सामान वह बाहर से मंगाते थे, लेकिन अब भारत आत्मनिर्भर है, वह खुद निर्माण करता है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि वे पहले भारत से ब्रिटेन गए और फिर अमेरिका पहुंचे और वहां के नागरिक बनें।

पॉडकास्ट में दोनों ने कई मुद्दे पर बात की। माधुरी दीक्षित धक-धक गर्ल से मशहूर हैं। उन्होंने अपने करियर में शानदार फिल्में की हैं, जैसे 'दिल तो पागल है', 'हम आपके हैं कौन', 'देवदास' आदि। आखिरी बार माधुरी 'भूल भूलैया 3' में नजर आईं थीं। साथ ही आपको बतात चलें कि माधुरी दीक्षित के पति डॉ. श्रीराम माधव नेने हैं और उनके दो बेटे हैं अरिन और रयान।

# 61 के जावेद जाफरी ने डांस का उड़ाया गर्दा कि उड़ गए 50 साल के रेमो डिसूजा जनता-जनार्दन हैरान, बोले- जबरदस्त

बॉलीवुड एक्टर जावेद जाफरी लंबे अरसे बाद डांस रियलिटी शो 'हिप हॉप इंडिया सीजन 2' के मंच पर नजर आए और यहां उनका मुकाबला सीधे रेमो डिसूजा से हुआ। 61 सला की उम्र में भी एक्टर के डांस मूव्स ने हर किसी को चौंका दिया। मलाइका अरोड़ा ने दोनों के बीच डांस बैटल करवाया, जिसमें दोनों ही कलाकारों ने दर्शकों को निराश नहीं किया। अब वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिस पर लोग रिएक्शन्स दे रहे हैं।

'हिप हॉप इंडिया सीजन 2' को रेमो डिसूजा और मलाइका अरोड़ा जज कर रहे हैं। मनीषा रानी इसे होस्ट कर रही हैं। बीते एपिसोड में राघव जुयाल आए थे, जिनके साथ मनीषा ने खुलेआम फ्लर्ट किया था और अब इसमें आए हैं 'बूगी वूगी' में जज रह चुके जावेद जाफरी। वीडियो में पहले मलाइका दोनों का शानदार परिचय देकर स्टेज पर स्वागत करती हैं। फिर उनके बीच डांस का मुकाबला करवाती हैं।

पहले रेमो डिसूजा डिसूजा 'फालतू' के गाने 'चार बज गए' पर डांस करते हैं। और जावेद को चैलेंच करते हैं। उनके डांस स्टेप्स को देख हर कोई वाह-वाह करने पर मजबूर हो जाता है। मगर जब जावेद जाफरी फ्लोर पर आते हैं तो वह गर्दा ही उड़ा देते हैं। यकीन ही नहीं होता कि वह इतना शानदार डांस कर सकते हैं। फिर दोनों साथ में परफॉर्म करते हैं। हर कोई खूब इंजॉय करता है।

एक यूजर ने लिखा, 'जावेद जाफरी डांस भी कर सकते हैं, मुझे आज पता चला।' एक ने लिखा, 'जावेद सर को बहुत लंबे समय बाद डांस करते देखा।' एक ने लिखा, 'इंडिया को डांस करना जावेद सर ने दिखाया।' एक ने लिखा, 'मुझे नहीं पता था कि जावेद एक डांसर भी हैं। और वह अभी 61 साल के हैं।' एक ने लिखा, 'जावेद सर साफ तौर पर विजेता हैं।' एक ने लिखा, 'जावेद की उम्र बहुत है फिर भी इतना जबरदस्त डांस।'

# सलमान की 'सिकंदर' हिट या फ्लॉप

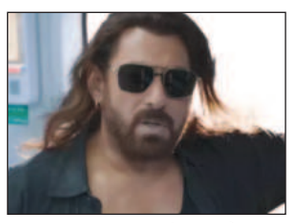

सलमान खान की फिल्में जब भी ईद पर रिलीज होती हैं, तो एक अलग ही बज बन जाता है। इस बार उनकी फिल्म 'सिकंदर' को लेकर भी अच्छा खासा शोर है।

फिल्म का टीजर आने के बाद फैंस और एक्सपर्ट्स से पॉजिटिव रिएक्शन मिले थे। लेकिन जब ट्रेलर आया तो फैंस को निराशा मिली। फिल्म के ट्रेलर को लेकर उम्मीदें थीं, लेकिन यह ट्रेलर उम्मीदों पर खरी नहीं उत्तरी। इसमें एक्शन और डायलॉग्स की कमी महसूस हुई। कई लोगों ने कहा कि फिल्म का एक्शन सलमान की पिछली फिल्मों 'टाइगर' और 'किक' जैसा ही है, जो नया कुछ नहीं पेश करता। इसके अलावा, ट्रेलर में कोई दमदार पंच लाइन और खास मोड़ नहीं था, इस वजह से फिल्म की सफलता पर सवाल उठने लगे। ट्रेलर ने फैंस को निराश किया, लेकिन इंडस्ट्री के एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि फिल्म सफल हो सकती है। इस फिल्म को 'गजनी' के डायरेक्टर ए.आर. मुरुगदास ने डायरेक्ट की हैं और इसके प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला हैं। सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना भी फिल्म में नजर आएंगी, जो फिल्म को खास बना सकते हैं।

# सैफ अली हमला केस, आरोपी ने दायर की जमानत याचिका

## कहा, झूठा मामला दर्ज किया गया, देर रात एक्टर पर चाकू से हमला करने का आरोप

सैफ अली खान पर हमले के आरोप में गिरफ्तार मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद ने मुंबई सेशन कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। आरोपी ने दावा किया है कि उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया है और उसे फंसाने के लिए साजिश की जा रही है।

आरोपी शरीफुल इस्लाम के वकील ने याचिका में कहा है कि उनके क्लाइंट पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। वह किसी भी अपराध में शामिल नहीं है। वकील ने कहा, एफआईआर गलत तरीके से बनाई गई है। शरीफुल इस्लाम ने जांच में पूरा सहयोग किया है। पुलिस के पास सीसीटीवी फुटेज और कॉल रिकॉर्ड से लेकर सारे सबूत पहले से मौजूद हैं। जिसके चलते आरोपी के सबूतों से छेड़छाड़ करने का सवाल भी नहीं बनता है। बांद्रा पुलिस ने अभी तक इस केस में चार्जशीट फाइल नहीं की है। जल्द ही कोर्ट शरीफुल की जमानत याचिका पर सुनवाई कर सकता है।

बता दें, शरीफुल इस्लाम पर आरोप है कि वह 15 जनवरी की रात 2 बजे चोरी करने के इरादे से सैफ अली खान के घर में घुसा था। सैफ पर चाकू से हमला किया। हमले के दौरान उन्हें गले, पीठ, हाथ और सिर समेत 6 जगह चाकू लगा था। इस हमले के बाद सैफ अली खान को रात में ही लीलावती हॉस्पिटल ले जाया गया था। एक्टर का 5 दिन तक इलाज चला था।

शरीफुल इस्लाम के पास से पुलिस को बांग्लादेशी आईकार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस मिला था। वह अपना नाम विजय दास रखकर अवैध रूप से मुंबई में रह रहा था। आरोपी पांच महीने से मुंबई में रह रहा था और हाउसकीपिंग का काम करता था।

# अश्लील कंटेंट से बिगड़ रही बच्चों की मानसिकता

## सोशल मीडिया का बच्चों के दिमाग पर बुरा असर, क्रिएटिविटी और याददाश्त हो रही कमजोर

नेटफ्लिक्स सीरीज 'एडोलसेंस' इन दिनों सुर्खियों में है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे टीनएज बच्चे सोशल मीडिया और इंटरनेट को असली दुनिया मान बैठे हैं। कुछ बच्चे साइबर बुलिंग के शिकार हो रहे हैं, अपने लुक्स को लेकर इनसिक्योर हो रहे हैं और पॉपुलैरिटी न मिलने से परेशान हैं। इन्हीं परेशानियों के बीच, जेमी मिलर नाम का बच्चा बुलीइंग से तंग आकर अपनी ही क्लास की एक लड़की की हत्या कर देता है।

इस सीरीज में बच्चों पर सोशल मीडिया के प्रभाव और उसके जरिए साइबर बुलिंग जैसे मुद्दों पर गहराई से बात की गई है। हम स्क्रीन टाइम और सोशल मीडिया इस्तेमाल करने से हो रहे प्रभाव पर पहले कई आर्टिकल्स में चर्चा कर चुके हैं। अब बात सिर्फ सोशल मीडिया या इंटरनेट के नैतिक-अनैतिक प्रभाव तक सीमित नहीं है। विज्ञान कह रहा है कि दिमाग पर हमारे आसपास हो रही हर छोटी चीज का प्रभाव पड़ता है। अगर हमारे सोशल मीडिया, स्क्रीन या किसी भी तरह की वर्चुअल दुनिया में वॉयलेंस दिख रहा है तो इससे हमारे वॉयलेंट होने के चांस बढ़ जाते हैं। इसका सबसे अधिक प्रभाव बच्चों पर होता है क्योंकि उनका दिमाग इस कंटेंट को प्रोसेस करने के लिए तैयार ही नहीं है। इसके अलावा उन्हें बचपन में जो माहौल मिलता है, उसका सीधा असर उनके व्यवहार पर पड़ता है।

**कैसे डेवलप होता है बच्चों का दिमाग?**

डॉ. दीपा कहती हैं कि हमारा मस्तिष्क जन्म से लेकर वयस्क होने तक लगातार विकसित होता रहता है। हर उम्र में मस्तिष्क अलग-अलग स्किल्स और क्षमताओं को विकसित करता है। इस दौरान हमारे आसपास जो कुछ भी होता है, दिखता है और सुनाई देता है। उसका मस्तिष्क के विकास पर सीधा असर होता है।

देखने, सुनने, महसूस करने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता विकसित होती है। बच्चा अपने माता-पिता की आवाज पहचानने लगता है। बेसिक इमोशन जैसे- रोना, हंसना, घबराहट, खुशी विकसित होती है। बाहरी दुनिया से जुड़ने के लिए नर्व कनेक्शन यानी न्यूरॉन सर्किट बनते हैं।

1-3 साल तक मस्तिष्क लगभग 80% तक विकसित हो जाता है। शब्दों को समझने और बोलने की क्षमता विकसित होती है।

अपना वजूद समझने लगता है और खुद को पहचानने लगता है। माता-पिता और आसपास के लोगों से भावनात्मक जुड़ाव विकसित होता है। चीजों को एक्सप्लोर करने और उनकी वजह समझने की कोशिश करता है।

3-6 साल तक तर्क और याददाश्त से जुड़े न्यूरॉन्स तेजी से बनते हैं। कल्पनाशक्ति विकसित होने लगती है। भाषा की समझ और तार्किक सोच विकसित होने लगती है। दूसरों के साथ समय बिताना और सामाजिक संबंध सीखता है। सही-गलत और अच्छा-बुरा समझने की क्षमता विकसित होने लगती है। 6-12 साल तक मस्तिष्क का आकार 95% तक विकसित हो चुका होता है।

18-25 साल- प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पूरी तरह विकसित हो जाता है। लॉन्ग-टर्म प्लानिंग और भविष्य के फैसले लेने की क्षमता विकसित होती है। भावनाओं को नियंत्रित करने की क्षमता बढ़ती है। रिश्तों को गहराई से समझने और बनाए रखने की समझ आती है। करियर और जीवन के लक्ष्य तय करने की प्रक्रिया शुरू होती है। डॉ. दीपा कहती हैं कि मस्तिष्क में हर उम्र में नई क्षमताएं विकसित होती हैं। इनका स्वरूप जैसा रहेगा, उससे बच्चे का भविष्य तय होता है। इसलिए इस दौरान पेरेंट्स और शिक्षकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। सही देखभाल, न्यूट्रिशन और सीखने के सही अवसर मिलने पर बच्चे की बौद्धिक और भावनात्मक क्षमता ज्यादा बेहतर तरीके से विकसित हो सकती है। अगर चीजें सकारात्मक नहीं रहीं तो परिणाम विपरीत भी हो सकते हैं।

# कॉफी के फायदे या नुकसान, कब और कैसे पिएं

## कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का खतरा, 4 बजे के बाद न पिएं कॉफी

ऑफिस में लंबी मीटिंग्स और काम के लंबे घंटों के लिए ऑफिस की कॉफी फ्यूल की तरह काम करती है। अब तो हर ऑफिस में कॉफी लोगों की लाइफलाइन बन गई है। लेकिन क्या आपको पता है कि ये कॉफी न सिर्फ आपकी नींद उड़ा रही है, बल्कि कोलेस्ट्रॉल लेवल भी बढ़ा रही है।

हाल ही में हेल्थ जर्नल 'न्यूट्रिशन, मेटाबॉलिज्म एंड कार्डियोवस्कुलर डिजीज' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, ज्यादातर ऑफिस में कॉफी बनाने के लिए इस्तेमाल हो रही मशीन से कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ रहा है। इससे कार्डियोवस्कुलर डिजीज का जोखिम भी बढ़ सकता है।

यह स्टडी स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी और चाल्मर्स यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी ने साझा रूप से की है। इसमें पता चला है कि कॉफी बनाने के तरीका ये तय करता है कि कॉफी पीने से कितना कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है। आमतौर पर फिल्टर कॉफी में इसका जोखिम कम होता है।

अगर कॉफी को फिल्टर नहीं किया गया है तो इसमें डिटरपीन होते हैं जिनसे कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है। आमतौर पर ऑफिस में फिल्टर कॉफी नहीं होती है। इसलिए ऑफिस मशीन से बनी कॉफी पीने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का जोखिम ज्यादा होता है।

डॉ. अमर सिंघल के मुताबिक, ऑफिस की कॉफी मशीन से बनी कॉफी में डिटरपीन ज्यादा मात्रा में होते हैं, जिनसे कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। इसलिए इससे ज्यादा नुकसान होता है। जबकि फिल्टर कॉफी उतनी नुकसानदायक नहीं होती है। किसी भी तरह की कॉफी ज्यादा पी जाए तो कई नुकसान हो सकते हैं।

न्यूट्रिशन, मेटाबॉलिज्म एंड कार्डियोवस्कुलर डिजीज में पब्लिश हुई स्टडी के मुताबिक, डिटरपीन युक्त कॉफी का अधिक सेवन हार्ट डिजीज के जोखिम को बढ़ा सकता है। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस प्रकार की कॉफी पीते हैं।

यदि आप दिनभर बिना फिल्टर वाली कॉफी जैसेकि- एस्प्रेसो, फ्रेंच प्रेस या मशीन-ब्रूड कॉफी पीते हैं, तो आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ सकता है, जिससे हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

**कॉफी पीने का सही तरीका और समय**

आमतौर पर ज्यादातर लोग कॉफी सुबह के समय पीने की सलाह देते हैं। उनकी बात सही भी है, क्योंकि कॉफी पीने के 12 से 14 घंटे बाद भी कैफीन शरीर में मौजूद रहता है और ब्रेन न्यूरॉन्स को एक्टिव रखता है। इसलिए बहुत ज्यादा कॉफी पीने से ब्रेन एक्टिविटी प्रभावित हो सकती है।

**क्या शाम को कॉफी पीना खतरनाक है?**

डॉ. अमर सिंघल कहते हैं कि किन्हीं खास परिस्थितियों में जैसे परीक्षाओं से पहले या किसी डेडलाइन के काम को पूरा करने के लिए कभी-कभी रात के समय कॉफी पीना ठीक है, लेकिन सामान्य स्थिति में शाम 4 बजे के बाद कॉफी नहीं पीनी चाहिए क्योंकि शाम को पी गई कॉफी भी रात में आपकी नींद को प्रभावित करेगी। भारत में चाय-कॉफी दूध, चीनी के साथ मिलाकर पीने का चलन है। लेकिन ये गलत कॉम्बिनेशन है। दूध में मौजूद कैल्शियम और लैक्टोज प्रोटीन जब चाय, कॉफी के कैफीन और टैनिन से रिएक्ट करते हैं तो ये हमारे शरीर के लिए नुकसानदायक होते हैं। इसी के चलते हमें पेट में जलन और गैस की समस्या होती है।

# शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव वाले दौर से न घबराएं

## सुनी सुनाई बातों के बजाय फंडामेंटल पर ध्यान दें

कुछ समय से शेयर बाजार में गिरावट के चलते ज्यादातर रिटेल निवेशकों के पोर्टफोलियो की वैल्यू कम हो गई है। ऐसे समय में घबराकर बाजार से निकलना या निवेश बंद करना समझदारी नहीं है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि जितना लंबे समय तक निवेशित रहेंगे, जोरदार रिटर्न की संभावना उतनी ही ज्यादा होगी।

समझदार निवेशक बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान भी नियमित निवेश जारी रखते हैं। नियमित निवेश, एसआईपी आदि जारी रखने का मतलब है कि जब बाजार गिर रहा हो तो आप शेयर या म्यूचुअल फंड की यूनिट खरीदने के लिए कम पैसे चुकाते हैं। बाजार ऊपर जाने पर आपको इनकी ज्यादा वैल्यू मिलती है। जब तक आपको जीवन के जरूरी खर्च पूरा करने के लिए पैसे की सख्त जरूरत न हो, निवेश को घाटे में बेचना ठीक नहीं है। आइए समझते हैं कि कुछ रणनीतियों के जरिए किस तरह भारी उतार-चढ़ाव के दौर में भी ज्यादा नुकसान से कैसे बच सकते हैं। सतर्क रहें, अनुशासित रहें और आज के अस्थिर परिदृश्य में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए बताए गए सुझावों का लाभ उठाएं। सुनी सुनाई बातों के बजाय फंडामेंटल पर ध्यान दें। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स या मार्केट की सुनी-सुनाई कहानियों से प्रेरित निवेश अक्सर निराश करते हैं। हमेशा कंपनी के फंडामेंटल्स देखें। बिजनेस के कोर फाइनेंशियल और ऑपरेशनल पहलू होते हैं। इसमें कंपनी के फाइनेंशियल स्टेटमेंट, बिजनेस मॉडल, इंडस्ट्री की स्थिति, मैनेजमेंट और प्रतिस्पर्धा की स्थिति शामिल है। यदि ये अच्छे हों तो निवेश कर सकते हैं। वैल्युएशन अभी सही है या नहीं, ये जाने बिना कोई शेयर न खरीदें। एशियन पेंट्स (34.35% नीचे) और टाटा मोटर्स (42% नीचे) इसका स्पष्ट उदाहरण हैं। भले ही ऐसी कंपनियों ने ऐतिहासिक रूप से मजबूत रिटर्न दिया हो, पर इनमें निवेश से पहले पता करें कि वे अभी रिटर्न की उम्मीदें पूरी कर सकते हैं या नहीं। ध्यान रखें किसी शेयर या कंपनी का पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं देता है। बाजार गिरने के कारण एसआईपी रोकना एक क्लासिक गलती है। इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी (मिड-कैप, फ्लेक्सी-कैप) ने ऐतिहासिक रूप से 10,000 के अनुशासित मासिक निवेश पर 25 वर्षों में सालाना 20-23% रिटर्न दिया है, जो 7-10 करोड़ में बदल गया है।

**पोर्टफोलियो डाइवर्सिफाई में शेयर, म्यूचुअल फंड, सोना-चांदी, रियल एस्टेट जैसी अलग-अलग एसेट क्लास शामिल करें। तेजी के दौरान कुछ इस तरहः**

इक्विटी (म्यूचुअल फंड और स्टॉक): 50-70%

डेट (पीपीएफ, एनपीएस, बॉन्ड): 20-40%

वैकल्पिक निवेश (सोना, रियल एस्टेट): 10-20%

लंबे समय से नुकसान में चल रहे या जल्द बढ़ने की संभावना न दिखाने वाली एसेट पोर्टफोलियो हटा दें। इस रकम का इस्तेमाल सुरक्षित निवेश में करें या एफडी या ओवरनाइट फंड में सुरक्षित रख दें। बाजार में मंदी का दौर ज्यादा लंबा नहीं टिकता।

# क्यों होता है ज्यादा पसीना : हाइपरहाइड्रोसिस का खतरा

## दुनिया के 38 .5 करोड़ लोग इससे पीड़ित

आपने अपने आसपास ऐसे कई लोगों को देखा या सुना होगा, जिन्हें बहुत ज्यादा पसीना होता है। महज कुछ ही देर में उनकी हथेली से लेकर पैर के तलवों तक पसीना ही पसीना दिखाई देने लगता है। कई बार तो हाथ पकड़ने पर ऐसा लगता है, जैसे उसने अभी-अभी अपना हाथ पानी से धुला हो। ये एक आम समस्या है, जिसे मेडिकल की भाषा में हाइपरहाइड्रोसिस (अधिक पसीने की समस्या) कहा जाता है।

नवंबर 2019 में 'इंडियन डर्मेटोलॉजी ऑनलाइन जर्नल' में एक स्टडी पब्लिश हुई। इस स्टडी के मुताबिक, देश के एक जाने-माने हॉस्पिटल के डर्मेटोलॉजी ओपीडी में आए 832 स्किन पेशेंट्स में से 17.9% लोगों को हाइपरहाइड्रोसिस था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में हाइपरहाइड्रोसिस एक आम समस्या है।

वहीं 'इंटरनेशनल हाइपरहाइड्रोसिस सोसाइटी' के मुताबिक, दुनिया भर में करीब 38.5 करोड़ लोग हाइपरहाइड्रोसिस से पीड़ित हैं। इसमें 18 से 39 वर्ष की उम्र के 8.8% लोग शामिल हैं।

हाइपरहाइड्रोसिस का मतलब 'शरीर से ज्यादा पसीना निकलना' है। यह स्थिति तब होती है, जब शरीर अपने टेम्परेचर को कंट्रोल करने के लिए जरूरत से ज्यादा पसीना बाहर निकालता है। इस कंडीशन में आराम करते समय, उठते-बैठते समय या कोई काम करते समय पसीना आ सकता है। पसीना एक फ्लूइड है, जो शरीर के एक्राइन ग्लैंड्स (पसीने की ग्रंथियों) से निकलता है। ये ग्लैंड्स स्किन में होती हैं।

पसीने का काम शरीर के टेम्परेचर को कंट्रोल करने और ज्यादा गर्मी को रोकने में मदद करना है। एक बार जब पसीना ग्लैंड्स के जरिए बाहर निकल जाता है तो यह फ्लूइड से भाप में बदलकर स्किन से गायब हो जाता है। इससे शरीर ठंडा होता है। गर्म मौसम में या कोई फिजिकल एक्टिविटी के दौरान शरीर खुद को ठंडा करने के लिए पसीना पैदा करता है। हालांकि इस पर अभी रिसर्च जारी है कि ग्लैंड्स बहुत अधिक पसीना क्यों बनाती हैं।

**प्राइमरी हाइपरहाइड्रोसिस**

इस कंडीशन का कोई स्पष्ट कारण नहीं है। आमतौर पर यह जेनेटिक या हॉर्मोनल परिवर्तन के कारण हो सकता है। यह आमतौर पर बचपन या टीनएज में शुरू होता है।

**सेकेंडरी हाइपरहाइड्रोसिस**

यह किसी खास मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसमें डायबिटीज, थायरॉयड, इन्फेक्शन, मेनोपॉज, जरूरत से ज्यादा मेडिसिन, मोटापा, पार्किंसंस डिजीज, टीबी, लिंफोमा, लो ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, स्ट्रेस और एंग्जाइटी ज्यादा पसीने का कारण हो सकते हैं। इसके अलावा कुछ फूड्स और ड्रिंक्स जैसे कि मसालेदार भोजन, कैफीन, शराब और निकोटिन भी पसीना बढ़ाते हैं। सेकेंडरी हाइपरहाइड्रोसिस किसी भी उम्र में हो सकता है।

# एआई चाहकर भी नहीं खा सकता ये 3 नौकरियां! बिल गेट्स ने बताया, अमेरिका में होता है कोर्स

पिछले दो-तीन साल में किसी चीज की सबसे ज्यादा चर्चा हुई है, तो वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) है। दुनियाभर में एआई की वजह से चिंता है, क्योंकि लोगों को लग रहा है कि उनकी नौकरियां चली जाएंगी। वैसे ही ऑटोमेटेड गाड़ियां हों या फिर एआई ड्रिवन कस्टमर सर्विस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस धीरे-धीरे हर इंडस्ट्री में अपनी पैठ बना रहा है। लोग मानकर चल रहे हैं कि जो नौकरियां अभी मौजूद हैं, कुछ सालों में वे खत्म हो जाएंगी और एआई उनकी जगह ले लेगा।हालांकि, माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ऐसा नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा है कि कुछ नौकरियों के जाने का जरूर खतरा है, लेकिन कुछ ऐसी इंडस्ट्री हैं, जहां लोगों की जॉब्स सुरक्षित रहेंगी। एक इंटरव्यू में बिल गेट्स ने उन तीन नौकरियों के बारे में बताया है, जिन्हें एआई से कोई खतरा नहीं है। गेट्स के मुताबिक, कोडिंग करने वाले, बायोलॉजिस्ट और एनर्जी एक्सपर्ट्स की नौकरियों को एआई से कोई खतरा नहीं है। आइए जानते हैं कि इन तीनों प्रोफेशन की पढ़ाई अमेरिका में कहां से कर सकते हैं।बिल गेट्स का मानना है कि जो लोग एआई सिस्टम को डेवलप करते हैं और कोड लिखते हैं, उनकी नौकरियों को कोई खतरा नहीं है। भले ही एआई कोड जनरेट कर पाए, लेकिन वह सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के लिए जरूरी प्रॉब्लम-सॉल्विंग योग्यता नहीं रखता है। डिबगिंग, रिफाइनिंग और एआई को आगे बढ़ाने के लिए इंसानों की जरूरत होगी। कोडिंग की पढ़ाई के लिए कंप्यूटर साइंस की डिग्री हासिल करनी होगी। इस कोर्स के लिए कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी अमेरिका के बेस्ट संस्थान हैं। हालांकि, एआई विशाल डेटासेट को प्रोसेस करने और रोग निदान में मदद करने में मूल्यवान साबित हुआ है, लेकिन इसे अभी भी वैज्ञानिक खोज और आलोचनात्मक सोच में महारत हासिल करनी है। बिल गेट्स ने कहा कि एआई हाइपोथेसिस तैयार करने में असमर्थ है। इस वजह बायोलॉजिस्ट मेडिकल फील्ड में हमेशा बने रहने वाले हैं। अमेरिका में अगर किसी को बायोलॉजिस्ट की पढ़ाई करनी है, तो वह हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया सैन फ्रांसिस्को में एडमिशन ले सकता है।

# सरकारी नौकरी:भारतीय नौसेना अग्निवीर भर्ती 2025 के लिए आवेदन शुरू; 10वीं, 12वीं पास करें अप्लाई

भारतीय नौसेना अग्निवीर भर्ती 2025 के तहत 02/2025, 01/2026 और 02/2026 बैच के लिए एमआर (मैट्रिक रिक्रूट) और एसएसआर (सीनियर सेकेंडरी रिक्रूट) के पदों पर भर्ती के लिए आज यानी 29 मार्च से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो रही है। इस भर्ती के लिए अविवाहित पुरुष और महिला उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट www.joinindian-navy.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन में करेक्शन 14 से 16 अप्रैल 2025 तक किया जा सकेगा। वहीं स्टेज-I परीक्षा 25 मई 2025 को आयोजित की जाएगी।

**एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :**

12वीं की परीक्षा मैथ्स और फिजिक्स के साथ पास की हो।

केमेस्ट्री, बायोलॉजी या कंप्यूटर साइंस में से किसी एक विषय में पढ़ाई की हो।

अग्निवीर एमआर (शेफ, स्टीवर्ड, हाइजीनिस्ट) : 10वीं पास।

**एज लिमिट :**

**02/2025 बैच के लिए :** उम्मीदवारों का जन्म 01 सितंबर 2004 से 29 फरवरी 2008 के बीच हुआ हो।

**01/2026 बैच के लिए :** उम्मीदवारों का जन्म 01 फरवरी 2005 से 31 जुलाई 2008 के बीच हुआ हो।

**02/2026 बैच के लिए :** उम्मीदवारों का जन्म 01 जुलाई 2005 से 31 दिसंबर 2008 के बीच हुआ हो।

**सैलरी :**

**अग्निवीर एसएसआर**

ट्रेनिंग की शुरुआत में 14,600 रुपए स्टाइपेंड मिलेगा

ट्रेनिंग पूरी होने के बाद 21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा

प्रमोशन के बाद 47,600 - 1,51,100 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा

अग्निवीर एमआर

पहले साल : 30000 रुपए प्रतिमाह

दूसरे साल : 33000 रुपए प्रतिमाह

तीसरे साल : 36500 रुपए प्रतिमाह

चौथे साल : 40000 रुपए प्रतिमाह

# राजस्थान में कंडक्टर के 500 पदों पर भर्ती

राजस्थान स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड ने राजस्थान राज परिवहन में कंडक्टर के 500 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

**कैटेगरी वाइज वैकेंसी डिटेल्स :**

सामान्य : 155 पद

अनुसूचित जाति : 80 पद

अनुसूचित जनजाति : 54 पद

अन्य पिछड़ा वर्ग : 95 पद

अति पिछड़ा वर्ग : 22 पद

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग : 45 पद

बारां जिले के सहरिया आदिम जाति के लिए 3 पद आरक्षित हैं।

कुल पदों की संख्या : 454

**एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :**

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास किया हो।

ड्राइविंग लाइसेंस और बैज जरूरी होगा। एज लिमिट : 18-40 वर्षआरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट दी जाएगी। फीस : सामान्य, क्रीमीलेयर के अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग : 600 रुपए। राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर के अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति : 400 रुपए। सभी दिव्यांगजन : 400 रुपए।

**एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) में 182 वैकेंसी**

सिलेक्शन प्रोसेस : रिटन एग्जाम के बेसिस पर एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) में 182 वैकेंसी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) ने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में अनुभवी प्रोफेशनल्स के लिए भर्ती निकाली है। इस भर्ती का नोटिफिकेशन 26 मार्च को जारी किया गया है। उम्मीदवार 11 अप्रैल को आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के बाद ऑफिशियल वेबसाइट ngel.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : संबंधित क्षेत्र में बीई, बीटेक की डिग्री, पीजी डिग्री, मैनेजमेंट में डिप्लोमा, सीए, सीएमए, वर्क एक्सपीरियंस, एमबीए की डिग्री।

**एज लिमिट : अधिकतम 30 साल**

सिलेक्शन प्रोसेस : पद के अनुसार स्क्रीनिंग टेस्ट, रिटन टेस्ट या इंटरव्यू के बेसिस पर सिलेक्शन किया जाएगा। फीस : जनरल, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 500 रुपए एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी,एक्स सर्विसमैन : निःशुल्क।

# एक मूवी ने तोड़ दिया 3500 करोड़ रुपये का सपना!

## अधर में लटका कंपनी का आईपीओ

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। क्या कोई बॉलीवुड फिल्म किसी कंपनी के आईपीओ का रास्ता रोक सकती है? बिल्कुल, ऐसा हो चुका है। एक फिल्म ने एक कंपनी के 3500 करोड़ रुपये के आईपीओ का रास्ता रोक दिया है। यह कंपनी कोई और नहीं बल्कि इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल है। वही कंपनी जो फर्टिलिटी क्लीनिक की एक बड़ी चेन बन गई है। हर बड़े शहर में इसका क्लीनिक है।

निर्देशक विक्रम भट्ट ने एक संवेदनशील विषय पर फिल्म बनाई है। इसका नाम 'तुमको मेरी कसम' है। यह पिछले हफ्ते रिलीज हुई है। इसमें अनुपम खेर और ईशा देओल जैसे कलाकार हैं। फिल्म की कहानी आईवीएफ यानी इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन पर आधारित है। फिल्म समीक्षकों को यह फिल्म कुछ खास पसंद नहीं आई। वहीं ऐसा लगता है कि सेबी

को भी यह फिल्म पसंद नहीं आई है। फिल्म को लेकर सेबी ने कुछ आपत्तियां जताई हैं। इसके बाद कंपनी ने अपना 3500 करोड़ रुपये का आईपीओ फिलहाल टाल दिया गया है।

अब आप सोच रहे होंगे कि भला किसी फिल्म का कंपनी के आईपीओ से क्या कनेक्शन हो सकता है? खबरों के अनुसार, इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल के फाउंडर अजय मुरडिया हैं। यह फिल्म उनकी जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे उन्होंने उदयपुर में इंदिरा आईवीएफ की शुरुआत की और इसे फर्टिलिटी क्लीनिक की एक बड़ी चेन बनाई। मुरडिया के बेटों को फिल्म का निर्माता बताया जा रहा है। विक्रम भट्ट फिल्म के लेखक भी हैं। सेबी को लगता है कि फिल्म के रिलीज होने का समय सही नहीं है और यह कंपनी को बढ़ावा देने जैसा है।

सेबी की आपत्तियों के बाद इंदिरा आईवीएफ को अपना डीआरएचपी वापस लेना पड़ा। डीआरएचपी एक तरह का दस्तावेज होता है जिसमें कंपनी के बारे में सारी जानकारी होती है। इसे आईपीओ लाने से पहले सेबी को देना होता है।

इस वजह से इस साल का एक बड़ा हेल्थकेयर आईपीओ फिलहाल रुक गया है।

**नियमों के उल्लंघन की आशंका**

इंदिरा आईवीएफ ने पिछले महीने गोपनीय तरीके से सेबी के पास डीआरएचपी जमा किया था। कहा जा रहा है कि सेबी को कुछ नियमों के उल्लंघन की आशंका है। सेबी को डर है कि फिल्म रिलीज होने से निवेशकों की भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं और यह कंपनी को फायदा पहुंचा सकती हैं। सेबी चाहता है कि बाजार में सब कुछ निष्पक्ष तरीके से हो।

# कंपनियों को टू-व्हीलर के साथ 2 आईएसआई हेलमेट देना जरूरी

## गडकरी ने कहा- हर साल एक्सीडेंट में 69 हजार से ज्यादा मौतें

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। देश में बिकने वाले हर टू-व्हीलर के साथ अब कंपनियों को 2 आईएसआई-सर्टिफाइड हेलमेट देने होंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह घोषणा नई दिल्ली में हुए एक ऑटो समिट में की। उन्होंने कहा कि- लोगों की सुरक्षा के लिए ये जरूरी है। टू-व्हीलर हेलमेट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने इसका समर्थन किया है। वह लंबे समय से इसकी मांग कर रहा है। भारत में हर साल 4,80,000 से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और इनमें करीब 1,88,000 से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इनमें से 66% मृतक 18 से 45 वर्ष की उम्र के होते हैं। खासकर दोपहिया वाहनों से जुड़े हादसों में हर साल 69,000 से अधिक लोग मारे जाते हैं, जिनमें से 50% मौतें हेलमेट न पहनने की वजह से होती है। फैक्ट्स से अंदाजा लगाया जा सकता है कि टू-व्हीलर चलाते समय हेलमेट कितना जरूरी है। हम खबर में आगे जानेंगे कि बिना हेलमेट पहने टू-व्हीलर क्यों नहीं चलाना चाहिए। एक्सीडेंट से बचने के लिए किस तरह का हेलमेट अच्छा रहता है?

पहली बात- कई लोग सड़क पर चलते समय खुद की बजाय बाइक, स्कूटी को हेलमेट पहना देते हैं तो कई लोग हेलमेट डिग्गी में ही रखे रहते हैं। सोचने की बात है, गाड़ी को हेलमेट क्यों पहनाना। उसे तो कंपनी ने लोहा-लाट बनाया होता है। वहीं दिमाग में 10 लाख न्यूरॉन हैं, जिन्हें सुरक्षा की जरूरत है। तो जनाब, हेलमेट की जरूरत बाइक के हैंडल को नहीं, आपके सिर को है। दूसरी बात- सड़क पर बिना हेलमेट पहने गाड़ी चलाने पर ट्रैफिक पुलिस आपको रोककर स्कूटी-बाइक किनारे लगाने को कह सकती है। अगर आप भागने की कोशिश करते हैं तो यह आपके लिए डेंजरस हो सकता है और आपको कहीं ज्यादा सजा भुगतनी पड़ सकती है। इसके बाद आपको ट्रैफिक पुलिस को डॉक्यूमेंट्स दिखाना होगा। चालान भरना होगा। जेब ढीली होगी और फजीहत होगी सो अलग।

# कहां से आया घिबली एनिमेशन?

## कौन है इसका मालिक? नेटवर्थ जानकर चौंक जाएंगे

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर इन दिनों घिबली आर्ट एनिमेशन छाया हुआ है। एआई प्लेटफॉर्म चैटजीपीटी के जरिए लगभग हर शख्स फोटो से उसका एनिमेशन बना रहा है। पहले यह सुविधा प्रीमियम यूजर्स के लिए थी। लेकिन अब फ्री यूजर्स भी घिबली एनिमेशन बना सकते हैं। क्या आपको पता है कि यह घिबली एनिमेशन कहां से आया? इसके फाउंडर कौन हैं और उनकी नेटवर्थ कितनी है? 'घिबली' का कनेक्शन जापान से है। इसका श्रेय हायाओ मियाजाकी और उनके स्टूडियो घिबली को जाता है। वह घिबली स्टूडियो के फाउंडर हैं। मियाजाकी को जापानी एनिमेशन की दुनिया का बादशाह माना जाता है। इनकी बनाई फिल्में दुनियाभर में पसंद की जाती हैं। उन्होंने 25 से ज्यादा एनिमेटेड फिल्में और टीवी सीरीज बनाई हैं। उनकी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म स्पिरिटेड अवे है। इसने दुनियाभर में 275 मिलियन डॉलर (2300 करोड़ रुपये से ज्यादा) कमाए थे। स्टूडियो घिबली ने अपनी शानदार एनिमेशन फिल्मों से बहुत पैसा कमाया है। इस वजह से यह दुनिया के सबसे बड़े एनिमेशन स्टूडियो में से एक है। मियाजाकी के नेतृत्व में स्टूडियो घिबली ने कई ऐसी फिल्में बनाई हैं जो रिलीज के समय जापान की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में बनीं। स्टूडियो घिबली सिर्फ एनिमेशन से ही नहीं, बल्कि अपने प्रोडक्ट्स (जैसे खिलौने और कपड़े), डीवीडी की बिक्री और ऑनलाइन स्ट्रीमिंग राइट्स से भी खूब पैसा कमाता है। यही कारण है कि मियाजाकी एनिमेशन इंडस्ट्री के सबसे अमीर लोगों में से एक हैं। मियाजाकी की नेटवर्थ का कोई सटीक अनुमान नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ करीब 50 मिलियन डॉलर (करीब 428 करोड़ रुपये) है। स्टूडियो घिबली के प्रोडक्ट्स और स्ट्रीमिंग राइट्स से होने वाली कमाई ने मियाजाकी की संपत्ति को बढ़ाने में बहुत मदद की है। चूंकि इस समय चैटजीपीटी प्लेटफॉर्म यूजर्स के लिए घिबली एनिमेशन बना रहा है। सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें और वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं, जिनमें लोग अपनी यादों और फिल्मी सीन्स को घिबली स्टाइल में दिखा रहे हैं। आने वाले समय में एआई के और टूल्स भी इस तरह की इमेज और वीडियो बना सकते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि इससे स्टूडियो घिबली और मियाजाकी की संपत्ति पर असर पड़ सकता है।

# 85.56 लाख करोड स्वाहा, क्या चीन ने दे दिया अमेरिका को झटका, तीन महीने में अर्श से 'फर्श' पर आई एनवीडिया

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। चीन ने तीन महीने में दुनिया का गेम बदल दिया है। इसमें सबसे ज्यादा झटका अमेरिका को लगा है। स्थिति यह है कि अमेरिका की टॉप कंपनियों को धड़ाधड़ नुकसान हो रहा है। एक कंपनी तीन महीने में एक ट्रिलियन डॉलर यानी एक लाख करोड़ डॉलर (करीब 85.56 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा का नुकसान हुआ है। यह कंपनी कोई और नहीं, बल्कि एनवीडिया है। वही एनवीडिया जो एआई चिप्स बनाती है।

कभी एआई की दुनिया का चमकता सितारा रही एनवीडिया कंपनी को अब झटका लगा है। जनवरी 2025 में ये कंपनी सबसे ऊपर थी। पर अब इसकी कीमत में 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की गिरावट आई है। कंपनी के शेयर 27% तक गिर गए हैं। एक समय था जब लग रहा था कि एनवीडिया को कोई नहीं रोक सकता। लेकिन अब हालात बदल गए हैं। जिन निवेशकों को एनवीडिया पर पूरा भरोसा था, वे अब सोच रहे हैं कि क्या एआईका सेक्टर आगे बढ़ पाएगा या नहीं। अमेरिका की दूसरी दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट पर भी असर पड़ा है। इस हफ्ते माइक्रोसॉफ्ट ने अमेरिका और यूरोप में नए डेटा सेंटर बनाने का काम रोक दिया। इससे एआई इंडस्ट्री में हलचल मच गई है। लोगों को लगने लगा है कि पिछले दो सालों में एआई के इंफ्रास्ट्रक्चर पर जो पैसा लगाया गया है, क्या उससे फायदा होगा भी या नहीं। महंगाई बढ़ रही है, लोगों का भरोसा कम हो रहा है और आईपीओ मार्केट भी ठंडा है। ऐसे में एआई की तरक्की धीमी होती दिख रही है। एआई चिप मार्केट पर एनवीडिया का दबदबा है। पिछले

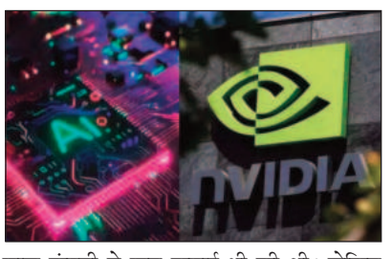


साल कंपनी ने खूब कमाई भी की थी। लेकिन अब इसकी तरक्की रुक गई है। एनवीडिया की एआई चिप्स का इस्तेमाल चैटजीपीटी से लेकर क्लाउड कंप्यूटिंग तक में होता है। लेकिन अब माहौल बदल रहा है। एनवीडिया के शेयर जनवरी 2025 से 27% तक गिर गए हैं। इससे कंपनी को 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है। एआई को लेकर जो उत्साह था, वो अब ठंडा हो रहा है। इसका असर सिर्फ एनवीडिया जैसी बड़ी कंपनियों पर ही नहीं पड़ रहा है। कोरवीव नाम की एक क्लाउड-कंप्यूटिंग स्टार्टअप कंपनी है। ये एआई सर्विस देती है। लेकिन जब ये कंपनी आईपीओ लेकर आई तो लोगों ने इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई। कंपनी को आईपीओ की कीमत कम करनी पड़ी और शेयरों की संख्या भी घटानी पड़ी। वहीं कोरवीव के स्टॉक अपनी तय कीमत से भी नीचे खुले। अब सवाल उठता है कि क्या चीन ने अमेरिकी कंपनियों की गति पर रफ्तार पर ब्रेक लगाए हैं। दरअसल, कुछ समय पहले चीन के डीपसीक नामक एआई मॉडल ने दुनियाभर में हलचल मचा दी थी। डीपसीक तेजी से आगे बढ़ रहा है। ये सस्ता और अच्छा एआई सॉल्यूशन देता है।

# एक महीने में 70% गिर गई पाई नेटवर्क क्रिप्टोकरेंसी, क्या आगे दिखा पाएगी कमाल?

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाई नेटवर्क क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट थमने का नाम नहीं ले रही है। पिछले एक महीने से इसमें गिरावट आए जा रही है। स्थिति यह हो गई है कि एक महीने में यह क्रिप्टोकरेंसी 70 फीसदी तक गिर गई है। लॉन्चिंग के बाद इसमें कुछ तेजी आई थी। स्थिति यह थी कि क्रिप्टो की दुनिया में पाई कॉइन की ही चर्चा थी। काफी एक्सपर्ट ने तो इसे भविष्य की बिटकॉइन बता दिया है। हालांकि यह बिटकॉइन बन पाएगी या नहीं, इसके बारे में अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा। क्वाइन मार्केट कैप के अनुसार शनिवार रात 11 बजे एक पाई कॉइन की वैल्यू 0.7952 डॉलर थी। वहीं एक महीने पहले यह 2.23 डॉलर पर थी। ऐसे में देखा जाए तो इसमें एक महीने में 70 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि 7 दिन या पिछले 24 घंटे का भी रिटर्न अच्छा नहीं रहा है। यानी यह क्रिप्टो निवेशकों का लगातार नुकसान कर रही है। हालांकि काफी एक्सपर्ट ने कहा है कि निवेशक इस गिरावट से न घबराएं और लॉन्ग टर्म के लिए इसमें निवेश बनाए रखें। पिछले 24 घंटे में पाई नेटवर्क में करीब 5 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि बीच में दो मौके ऐसे भी आए जब यह क्रिप्टो हरे निशान पर पहुंची। लेकिन ज्यादातर समय यह लाल निशान पर ही कारोबार करती रही। वहीं बात अगर 7 दिन के रिटर्न की करें तो भी इसने निवेशकों को निराश किया है। पिछले 7 दिनों में यह पाई कॉइन 20 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया है। पाई नेटवर्क क्रिप्टोकरेंसी 20 फरवरी को लॉन्च हुई थी। यह कॉइन 1.84 डॉलर पर लॉन्च हुआ था। इसके बाद इसकी कीमत धड़ाम हो गई थी।

# 8000 करोड़ रुपये में कंपनी बेचने के बाद इंटर्नशिप ढूंढ रहा यह शख्स, कहा- मेरे पास कोई इनकम नहीं

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। सोचिए, अगर आपके पास 8 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम हो तो क्या आप कुछ काम करना चाहेंगे? शायद नहीं। हो सकता है कि उस रकम को किसी अच्छी जगह निवेश कर दें और जिंदगीभर आराम से बैठकर खाएं। अब सोचिए कि कुछ ही महीने में वे 8 हजार करोड़ रुपये खर्च हो जाएं या कुछ और करने का मन हो तो? ऐसा ही कुछ हुआ है वीडियो मैसेजिंग प्लेटफॉर्म लूम के को-फाउंडर विनय हिरेमथ के साथ। विनय ने साल 2023 में अपनी कंपनी को 975 मिलियन डॉलर (करीब 8342 करोड़ रुपये) में बेच दिया था। उन्होंने उस समय सोशल मीडिया पर लोगों से पूछा था कि वह इस रकम को कहां खर्च करें। लेकिन अब स्थिति बिल्कुल उलट गई है। अब उनके पास अभी कोई इनकम नहीं है और वो इंटर्नशिप की तलाश में हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस डील से उन्हें व्यक्तिगत रूप से 50 से 70 मिलियन डॉलर मिले। फिर भी उन्होंने उस कंपनी से 60 मिलियन डॉलर का रिटेंशन बोनस ठुकरा दिया, जो चार सालों में मिलता। मनीवाइज पॉडकास्ट पर बात करते हुए हिरेमठ ने अपनी पोस्ट-एग्जिट जर्नी के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने इतना बड़ा रिटेंशन पैकेज क्यों ठुकरा दिया और वो अब किस तरह अपने जीवन का मकसद ढूंढ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने 60 मिलियन डॉलर छोड़ दिए। मेरे पास कोई इनकम नहीं है। अभी मैं इंटर्नशिप ढूंढ रहा हूं।' हिरेमठ पारंपरिक कॉर्पोरेट लीडरशिप रोल से असंतुष्ट हैं। अब वो एकेडमिक और टेक्निकल चीजों में दिलचस्पी ले रहे हैं। वो हर दिन पांच से आठ घंटे फिजिक्स पढ़ते हैं और युवाओं के साथ ऑनलाइन डिस्कशन करते हैं। पर्सनल ग्रोथ की तलाश में हिरेमठ मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में इंटर्नशिप करना चाहते हैं। वो अब एग्जीक्यूटिव रोल से दूर जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वो रोबोटिक्स स्टार्टअप में हैंड्स-ऑन इंजीनियरिंग एक्सपीरियंस के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं। पॉडकास्ट पर उन्होंने कहा, 'मैं फिजिक्स पढ़ रहा हूं। मैं संभावित रूप से कुछ अलग स्टार्टअप में इंटरव्यू दे रहा हूं, जैसे कि कुछ रोबोटिक्स कंपनियां, ताकि मैं मैकेनिकल इंजीनियर के तौर पर इंटर्नशिप कर सकूं।' उन्होंने आगे कहा, 'और फिर मैं इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के तौर पर इंटर्नशिप करना चाहता हूं। मुझे सच में नहीं पता कि मैं इसका क्या करूंगा।' 33 साल के विनय हिरेमथ भारतीय मूल के कारोबारी हैं और अमेरिका में रहते हैं।

# इंडिगो पर 944 करोड़ का जुर्माना; सीआईआई की रिपोर्ट- इन्फ्रा परियोजना में 15 फीसदी हरित स्थान जरूरी

नई दिल्ली , 30 मार्च (एजेंसियां)। आयकर विभाग ने इंडिगो पर 944.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एयरलाइन ने इसे गलत बताया है। साथ ही इसे चुनौती देने की बात कही। इंडिगो ने कहा कि आयकर विभाग (आयकर प्राधिकरण) की मूल्यांकन इकाई ने वर्ष 2021-22 के लिए 944.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने का आदेश पारित किया है। यह आदेश इस गलत आधार पर पारित किया गया है कि आयकर आयुक्त (अपील) के मूल्यांकन आदेश के खिलाफ कंपनी द्वारा दायर अपील खारिज कर दी गई है, जबकि यह अभी भी बरकरार है और निर्णय लंबित है। कंपनी का कहना है कि आयकर प्राधिकरण द्वारा पारित आदेश कानून के अनुरूप नहीं है। वह इसका विरोध करेगी और आदेश के खिलाफ उचित कानूनी कदम उठाएगी।

**सीआईआई ने नए आवासीय परियोजना पर हरित स्थान आवंटन अनिवार्य किया है**

भारतीय उद्योग परिसंघ के ग्रीन बिजनेस सेंटर (सीआईआई-जीबीसी) की रिपोर्ट में सभी नए आवासीय, वाणिज्यिक और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 15-20 प्रतिशत हरित स्थान आवंटन अनिवार्य किया गया है। रिपोर्ट 'इंफ्रा साउथः क्राफ्टिंग लिवेबल एनवायरनमेंट इन इंडियन सिटीज' में चेन्नई, कोयंबटूर, मदुरै, तिरुचिरापल्ली, तिरुप्पुर और सेलम को रहने योग्य शहरों में बदलने की योजना के बारे में बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हरा-भरा और रहने योग्य शहर आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक आयामों को सामंजस्यपूर्ण ढंग से संतुलित करता है, जिससे उसके निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। रिपोर्ट में सिफारिश की गई है कि नई परियोजनाओं के लिए मास्टर प्लान में हरित और सार्वजनिक खुले स्थानों के लिए विशिष्ट क्षेत्रों को चिन्हित किया जाना चाहिए। यह सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से शहर भर में वृक्षारोपण अभियान भी शुरू करता है। रिपोर्ट में हरित स्थान, परिवहन, बिजली आपूर्ति, जल प्रबंधन, वायु प्रदूषण, अपशिष्ट प्रबंधन और बाढ़ सहित अन्य महत्वपूर्ण संकेतकों का आकलन किया गया है। हाल ही में आयोजित दक्षिण भारत वार्षिक सम्मेलन 2025 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने यह रिपोर्ट जारी की।

# अडाणी ग्रीन की सब्सिडियरी का सोलर पावर प्रोजेक्ट शुरू

## खावड़ा में 37.5 मेगावाट बिजली बनाएगी, टोटल कैपेसिटी बढ़कर 13,737.8 मेगावाट हुई

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड की सब्सिडियरी कंपनी अडाणी रिन्यूएबल एनर्जी फिफ्टी सेवन लिमिटेड ने गुजरात के खावड़ा में 37.5 मेगावाट का सोलर पावर प्रोजेक्ट शुरू कर दिया है। इस प्रोजेक्ट के शुरू होने के बाद कंपनी की टोटल रिन्यूएबल एनर्जी कैपेसिटी बढ़कर 13,737.8 मेगावाट हो गई है। इसकी जानकारी अडाणी ग्रीन ने 29 मार्च को दी। एक दिन पहले अपनी सब्सिडियरी कंपनी अडाणी रिन्यूएबल एनर्जी होल्डिंग ट्वेल्व लिमिटेड के जरिए राजस्थान में 400 मेगावाट का एक सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट हासिल किया था। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने कंपनी को यह प्रोजेक्ट दिया है। कंपनी इस प्रोजेक्ट से राज्य को 2.57 रुपए प्रति किलोवाट-घंटे की दर से 25 सालों तक बिजली देगी। अडाणी ग्रीन एनर्जी का प्रॉफिट वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 85% बढ़ गया। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा 474 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की इसी तिमाही में ये नेट प्रॉफिट 256 करोड़ रुपए था। अडाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर शुक्रवार को 1.24% की गिरावट के साथ 948 रुपए पर बंद हुआ था। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर ने अपने निवेशकों को 22.42% का रिटर्न दिया है। हालांकि, पिछले छह महीने में शेयर 50% और बीते एक साल में 49% गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप 1.5 लाख करोड़ रुपए है। अडाणी ग्रीन एनर्जी को 23 जनवरी 2015 को बनाया गया था। ये भारत की सबसे बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियों में से एक है, जिसका वर्तमान प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो 2,000 मेगावाट (22 जीडब्ल्यू) से अधिक का है। इसमें ऑपरेशनल और निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। कंपनी का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट गुजरात के खावड़ा में है। यहां दुनिया का सबसे बड़ा 30 गीगावाट का रिन्यूएबल एनर्जी प्लांट 538 वर्ग किलोमीटर बंजर भूमि बनाया जा रहा है। ये पेरिस के आकार से पांच गुना बड़ा है।

# दैनिक पंचांग

**ग्रह गोचर**

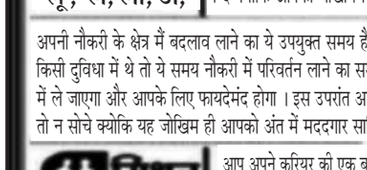


श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय 06-15 सूर्यास्त 18-25
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया **09:11** तक उपरान्त (तृतीया) क्षय
मास - चैत्र शुक्ल , सोमवार **31 March**
नक्षत्र - अश्विनी **13:44** तक उपरान्त भरणी
योग - वैधृति **13:45** तक उप विष्कुंभ
करण- कौलव **09-11** तक उप तैतिल
विशेष:- सिंजारा गणगौर
व्रत त्योहार - श्री मत्स्य ज.

| ग्रह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य- | मीन | मे | मीन.... | 05-23 बजे |
| चंद्र- | मेष | मे | मेष---- | 07-00 बजे |
| मंगल | मिथुन | मे | वृष---- | 08-44 बजे |
| बुध- | मीन | मे | मिथुन.. | 10-45 बजे |
| गुरु- | वृष | मे | कर्क.... | 12-56 बजे |
| शुक्र- | मीन | मे | सिंह---- | 15-12 बजे |
| शनि- | मीन | मे | कन्या--- | 17-16 बजे |
| राहु- | मीन | मे | तुला---- | 19-20 बजे |
| केतु- | कन्या | मे | वृश्चिक.. | 21-30 बजे |
| | | | धनु..... | 23-44 बजे |
| | | | मकर.... | 01-52 बजे |
| | | | कुंभ.... | 03-41 बजे |

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 07:45 से 09:16 तक**

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| अमृत | 06:15 - 07:45 शुभ | चंचल | 18:25 - 19:56 शुभ |
| काल | 07:45 - 09:16 अशुभ | रोग | 19:56 - 21:24 अशुभ |
| शुभ | 09:16 - 10:48 शुभ | काल | 21:24 - 22:52 अशुभ |
| रोग | 10:48 - 12:20 अशुभ | लाभ | 22:52 - 00:20 शुभ |
| उत्पात | 12:20 - 13:52 अशुभ | उत्पात | 00:20 - 01:48 अशुभ |
| चंचल. | 13:52 - 15:24 शुभ | शुभ | 01:48 - 03:16 शुभ |
| लाभ | 15:24 - 16:56 शुभ | अमृत | 03:16 - 04:44 शुभ |
| अमृत. | 16:56 - 18:25 शुभ | चंचल | 04:44 - 06:15 शुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज किसी भी परीक्षा में उतरने के लिए अच्छा दिन नहीं है, हालांकि अगर आप परीक्षा में बेठ रहे है तो किसी नकारात्मक विचारों को अपने पास न आने दे । आप आगे बढे और आपकी शक्ति और सकारात्मकता आपकी कुण्डली से किसी भी नकारात्मक प्रभाव से लड़ सकती है। आज पैसे उधार न दे क्योकि आपको धोखा मिल सकता है । बड़ी राशि उधार देने से बचे ।

**वृष** ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

**मिथुन** का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप अपने करियर की एक बड़ी सफलता के कगार पर खड़े है। ये आपके निर्णायक निर्णय पर निर्भर करेगा की आप इसे किस दिशा में ले जाना चाहते है। इसके लाभ और हानि पर आपको विश्लेषण करने की जरूरत है। आपका निर्णय आपके जीवन को प्रभावित करेगा और अगर आप सही विकल्प का चुनाव करते हैं, तो आपकी आय में अगले कुछ दिनों में काफी वृद्धि होने की संभावना है।

**कर्क** ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

**सिंह** मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज आपको अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है । आप हमेशा अपने धन को लेकर उत्तरदायी और जिम्मेदार रहे है पर ये समय अपने आप को थोड़ी खुशिया देने का समय है। आप अपने लिए कुछ उपहार ले सकते है जो की काफी हद तक आपको तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होगा । आप दुसरो का काफी ध्यान रखते है पर आज अपने लिए कुछ समय निकालकर अपने ऊपर कुछ खर्च करे।

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते है की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं। त्वरित और निर्णायक कार्रवाई आज के दिन की आवश्यकता है।

**तुला** रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवेदन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवेदन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी । आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है ।

**वृश्चिक** तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपको अत्यधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चों को करना चाहते थे । यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी खास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है के लिए किसी छोटी सी पार्टी का अयोजन कर सकते है।

**धनु** ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन काम और कार्य क्षेत्र के हिसाब से काफी हद तक शांत रहेगा । आज का दिन घटनाओं रहित रहेगा जिससे की आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम में से थोड़ी राहत मिलेगी जिसके तलाश आपको काफी समय से थी । इस समय की आप सराहना करे और इसे मनोरंजन में बिताये और उन खुशनुमा पलो को भी याद करे जो अपने अपने कार्य क्षेत्र में महसूस किये है ।

**मकर** भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे । आपको ये अवसर कार्यालय के भीतर उपलब्ध हो सकता है ।

**कुंभ** गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे क्यों की आज आपको शुभ समाचार मिल सकता है ।

**मीन** दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्यवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

# पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

## बोले- मन और मस्तिष्क में बेईमानी, प्रदेश को लूटा

रायपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। विकास के लिए बजट के साथ-साथ एक नियत भी जरूरी है। अगर कांग्रेस की तरह मन और मस्तिष्क में बेईमानी भरी हो तो बड़े से बड़े खजाने भी खाली हो जाते हैं। यही स्थिति हमने कांग्रेस के शासन के दौरान देखी है। इस कारण आदिवासियों तक विकास नहीं पहुंच पाया। पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहां 100% रेल नेटवर्क बिजली से चलने लगा, यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। छत्तीसगढ़ में इस समय करीब 40000 करोड रुपए के रेल प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। इस साल के बजट में भी छत्तीसगढ़ के लिए 7000 करोड रुपए की व्यवस्था की गई है। इसे छत्तीसगढ़ के अनेक क्षेत्रों में अच्छी रेल कनेक्टिविटी की मांग पूरी होगी। इससे आसपास के राज्यों से कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।

छत्तीसगढ़ को अलग राज्य इसलिए बनाना पड़ा था क्योंकि यहां विकास का लाभ नहीं पहुंच पा रहा था। कांग्रेस के राज में यहां विकास का काम नहीं हो पा रहा था और जो काम होते भी थे उसमें कांग्रेस वाले घोटाला करते थे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को कभी आपकी चिंता नहीं हुई। आपके जीवन की, आपकी सुविधाओं की, आपके बच्चों की चिंता हमने किया। हम विकास की योजनाओं को छत्तीसगढ़ के गांव गांव तक ले जा रहे हैं। भाजपा सरकार ने भर्ती परीक्षाओं में हुए घोटाले को लेकर जांच बैठाई है। हमारी सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षा करवा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ के लोगों से किए गए हर वादे को पूरा कर रही है।विष्णदेव साय की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में 18 लाख घर बनाने का निर्णय लिया गया। आज उसमें से 3 लाख घर बनकर तैयार हैं। मुझे खुशी इस बात की भी है इसमें बहुत सारे घर हमारे आदिवासी क्षेत्रों में बने हैं। बस्तर सरगुजा के अनेक परिवारों को भी अपने पक्के घर मिले हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के तीन लाख गरीब परिवार अपने नए घर में गृह प्रवेश कर रहे हैं। यहां तीन लाभार्थियों से मिलने का अवसर मिला और मैं देख रहा था कि उनके चेहरे पर खुशी नहीं समा रही थी और वह माता तो अपने में आनंद रोक ही नहीं पा रही थी। मैं इन सभी तीन लाख परिवारों को एक नई जीवन के लिए बहुत शुभकामनाएं देता हूं। अब छत्तीसगढ़ की तस्वीर भी बदल रही है और तकदीर भी बदल रही है। छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां शत प्रतिशत रेल नेटवर्क बिजली से चलने लगा है।

छत्तीसगढ़ को राज्य बने 25 साल हो रहे हैं। ये वर्ष छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष है और संयोग से यह साल अटल जी का जन्म शताब्दी वर्ष भी है। छत्तीसगढ़ सरकार 2025 को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मना रही है। हमारा संकल्प है- हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे। आप सभी ने अनुभव किया है कि हमारी सरकार कितनी तेजी से अपनी गारंटियां पूरी कर रही है। छत्तीसगढ़ की बहनों से जो हमने वादा किया था, वो पूरा करके दिखाया है। धान किसानों से दो साल का बकाया बोनस मिला है। बढ़े हुए एमएसपी पर धान की खरीदी की गई है। इसे लाखों किसान परिवारों को हजारों करोड़ रुपए मिले हैं। कांग्रेस की सरकार में यहां भर्ती परीक्षाओं में भी खूब घोटाले हुए, भाजपा सरकार ने भर्ती परीक्षाओं में हुए घोटालों को लेकर जांच बैठाई है। हमारी सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं करवा रही है।

# हेमंत सरकार नगर निकायों में जल्द कर सकती है लोकपाल की नियुक्ति, वित्त आयोग ने की सिफारिश

रांची, 30 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के नगर निकायों में लोकपाल बहाल करने की दिशा में राज्य सरकार कदम बढ़ा सकती है। झारखंड राज्य वित्त आयोग ने इसकी अनुशंसा की है। लोकपाल के नहीं होने से कई प्रकार की समस्याएं बढ़ रही हैं। वित्त आयोग ने कहा है कि झारखंड म्युनिसिपल एक्ट के प्रावधानों के अनुरूप जल्द ही लोकपाल बहाल होने की कार्रवाई की जाए, जिससे लोगों की शिकायतें दूर हों।

**राज्य को हो रहा नुकसान**

झारखंड राज्य वित्त आयोग की अनुंशसाएं पिछले दिनों विधानसभा में पेश की गई थी। इसके अनुसार झारखंड नगरपालिका एक्ट का पूरी तरह से पालन नहीं करने के कारण राज्य को बहुत तरह से नुकसान हो रहा है। आयोग ने सभी तरह की संपत्तियों से प्रापर्टी टैक्स वसूली के लिए विशेष अभियान चलाने की बात कही है

लोकपाल नियुक्ति की अनुशंसा

कमीशन ने होल्डिंग, वॉटर चार्जेज आदि से संबंधित विवादों को जल्द निपटाने के लिए जन लोकपाल नियुक्ति की अनुशंसा की है।

कहा है कि इससे शिकायतों और समस्याओं के समाधान में आसानी होगी। साथ ही सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा।

आयोग ने सभी प्रकार की संपत्तियों का विवरण नगर निकायों के पास उपलब्ध कराने की बात भी कही है। प्रॉपर्टी टैक्स की गणना के लिए जीआइएस मैप के इस्तेमाल की भी अनुशंसा की गई है ताकि शहरी क्षेत्रों में सभी होल्डिंग को एक ही छतरी के नीचे लाया जा सके।

**1.28 लाख करोड़ में से 1.05 लाख करोड़ खर्च कर पाई सरकार**

झारखंड सरकार चालू वित्तीय वर्ष में पिछले वर्ष की तरह ही 1.05 करोड़ रुपये के आसपास खर्च कर पाई है। निकासी का आखिरी दिन था अब निकासी नहीं हो पाएगी, लेकिन पहले से विभागों में जमा राशि का सरेंडर करने के लिए 31 मार्च तक की तिथि स्वीकृत की गई है। इस कारण से अंतिम आंकड़ा आने में अभी देरी है।

राज्य सरकार पिछले वर्ष के बराबर ही राशि खर्च कर पाई है, जो 1.05 लाख करोड़ है। ज्ञात हो कि सरकार ने खर्च करने के लिए 1.28 लाख करोड़ का बजट बनाया था, लेकिन इतनी राशि खर्च नहीं कर पाई। खर्च राशि में इस वर्ष लिया गया ऋण भी जुड़ा हुआ है।

राज्य सरकार ने लिया 3 हजार करोड़ रुपये का कर्ज तीन वर्षों के बाद चालू वित्तीय वर्ष के समापन के पूर्व राज्य सरकार ने तीन हजार करोड़ रुपये का कर्ज लिया है।

यह राशि भी विभागों को भेज दी गई है। खर्च से संबंधित अंतिम आंकड़ा अब सोमवार तक ही सामने आ पाएगा। इस बीच, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर अपने क्षेत्र में निकल गए हैं। उनसे इसी कारण से संपर्क नहीं हो पा रहा।

सूत्रों के अनुसार सोमवार को वो भी राजधानी रांची में होंगे। इधर, वित्तीय वर्ष के एक माह पूर्व तक के आंकड़ों के अनुसार (फरवरी माह तक) राज्य सरकार 90 हजार करोड़ रुपये तक खर्च कर पाई थी। चालू वित्तीय वर्ष में दो-दो चुनाव होने के कारण खर्च का आंकड़ा पहले से कम होना तय माना जा रहा था।

# पेंड्रा में नदी में गिरी बोलेरो, महिला समेत दो की मौत और सात घायल

## पीएम मोदी की सभा में होने जा रहे थे शामिल

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 30 मार्च (एजेंसियां)। पेंड्रा में तेज रफ्तार बोलेरो महिला को टक्कर मारते हुए सोन नदी के पुल से सीधे नीचे गिर गई। महिला सहित दो लोगों की मौके पर मौत हो गई है, जबकि बोलेरो में बैठे अन्य सात लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पेंड्रा में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला। एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ ताराबहरा के रहने वाले भाजपा पार्टी के कार्यकर्ताओ से भरी बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर सोन नदी से नीचे गिर गई। इस दौरान नदी के पुल से फूलों को विसर्जित कर रही एक महिला भी बोलेरो की चपेट में आ गई। हादसे में महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, बोलेरो में बैठे अन्य सात लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिलासपुर में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा होने वाली है। बोलेरो सवार सभी लोग सभा में शामिल होने के लिए निकले थे। बोलेरो पेंड्रा के सोन नदी के पास पहुंची ही, तभी अचानक बोलेरो चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और बोलेरो सीधे सोन नदी से नीचे जा गिरी। इस दौरान पास के गांव पंडरीखार की रहने वाली रमिता बाई, जो फूल विसर्जित करने के लिए नदी आईं थी और नदी के ऊपर खड़े होकर फूल विसर्जित कर रहीं थी, वह भी बोलेरो की चपेट में आ गईं।

बोलोरो में सवार सात लोग घायल हुए हैं, जिन्हें तत्काल 112, 108 की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर सहित जिले के आलाधिकारियों ने भी जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना।

# भाजपा नेता अनिल टाइगर हत्याकांड के विरोध में प्रदर्शन

## केंद्रीय मंत्री संजय सेठ समेत 8 पर मामला दर्ज

रांची, 30 मार्च (एजेंसियां)। रांची में बीजेपी नेता अनिल टाइगर की हत्या के विरोध में 27 मार्च 2025 को रांची बंद का आयोजन किया गया था। इस दौरान सरकारी काम में बाधा डालने और पुलिस के साथ धक्का-मुक्की करने के आरोप में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ समेत आठ लोगों पर नामजद केस दर्ज किया गया है।

पंडरा ओपी पुलिस ने सब इंस्पेक्टर मनीष कुमार की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया है। इस मामले में ललित ओझा, कुमुद झा, बैजू सोनी, सत्यनारायण सिंह, प्रदीप ओझा, धर्मेंद्र साहू और अशोक यादव के अलावा कुछ अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पंडरा ओपी प्रभारी सब इंस्पेक्टर मनीष कुमार ने अपनी शिकायत में बताया कि वह घटना के दिन पिस्कामोड़ के पास पुलिस बल के साथ ड्यूटी पर थे। तभी लाठी लेकर बंद समर्थक उग्र नारे लगाते हुए आए और पिस्कामोड़ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया. पुलिस और मजिस्ट्रेट ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वे हटने को तैयार नहीं थे।

इसी बीच केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची सांसद संजय सेठ 60-70 समर्थकों के साथ पिस्कामोड़ पहुंचे और धरना पर बैठ गए। उन्होंने सड़क जाम कर दी। पुलिस ने सांसद को बार-बार समझाने की कोशिश की, लेकिन उनके समर्थक आसपास की दुकानों को जबरन बंद कराने लगे। सड़क पर टायर भी जलाए गए, जिससे दुकानों में आग लगने का खतरा पैदा हो गया। इससे डरकर दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं।

रांची बंद के दौरान बंद समर्थक पुलिस की बात मानने को तैयार नहीं थे। उन्होंने मजिस्ट्रेट और पुलिस बल के साथ धक्का-मुक्की की और सरकारी काम में बाधा डाली। बाद में छात्रों और मरीजों की समस्या को देखते हुए किसी तरह सड़क जाम हटाया गया।

# छत्तीसगढ़ में पीएम मोदी के दौरे से पहले बीजापुर में 50 नक्सलियों ने किया सरेंडर

बीजापुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाके बीजापुर में रविवार को 50 नक्सलियों ने एक साथ सरेंडर किया है। यह पहली बार है जब इनती बड़ी संख्या में नक्सलियों ने सरेंडर किया है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंच रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर देश से मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के अभियान में जुटी हैं।

**नक्सलियों पर 68 लाख रुपये का इनाम**

सरेंडर करने पहुंचे नक्सलियों पर 68 लाख रुपये का इनाम बताया जा रहा है। यह अलग-अलग वारदातों में शामिल रहे हैं। जानकारी के मुताबिक सुरक्षाबलों द्वारा लगातार नक्सलियों पर की जा रही कार्रवाई से ये घबराए हुए हैं। हाल ही में बीजापुर और सुकमा में मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने कई नक्सलियों को मार गिराया था।

नक्सलियों को मुख्यधारा के लिए प्रदेश सरकार ने पुनर्वास नीति भी बनाई है, ताकि वे हिंसा की राह छोड़कर शांति और विकास की राह चुनें। बीजापुर एसपी कार्यालय में 50 नक्सलियों के आत्मसमर्पण के दौरान वहां डीआईजी और सीआरपीएफ के अधिकारी भी मौजूद रहे।

# बिना तलाक दिए लुटेरी दुल्हन ने कर डाली चार शादियां, केस दर्ज

रायपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी में लुटेरी दुल्हन का मामला सामने आया है। कोर्ट के आदेश के बाद मुजगहन थाना पुलिस ने पूजा देवांगन उर्फ गितांजली और उसकी मां गायत्री देवांगन के खिलाफ ठगी और ब्लैकमेलिंग का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि महिला ने बिना तलाक लिए चार लोगों से शादी की, उनके जेवर चुराए और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर पैसों की उगाही की।

थाने में बोरियाकला निवासी डाकेश्वर देवांगन ने आरंग निवासी पूजा देवांगन उर्फ गितांजली और उसकी मां गायत्री देवांगन के खिलाफ प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट आकांक्षा बेक की कोर्ट में परिवाद दायर किया था।

प्रार्थी ने कोर्ट में बताया कि उसने पूजा के साथ शादी किया था। उसकी पत्नी ज्यादातर समय अपने मायका में रहती थी। ससुराल में रहने से बचती थी। डाकेश्वर को पत्नी के चरित्र पर संदेह हुआ और उसने अपनी पत्नी के बारे में जानकारी एकत्रित की।

डाकेश्वर पूजा और सास गायत्री के बारे में जानकारी एकत्रित कर रहा था। उसकी मुलाकात पुरुषत्तम देवांगन से हुई। पुरुषोत्तम ने बताया कि पूजा के साथ उसकी 15 जनवरी 2016 को संजयनगर टिकरापारा के आर्यसमाज की मंदिर में हुई है।

प्रमाण के रूप में मैरिज सर्टिफिकेट भी दिखाया। इसके बाद पता चला कि पूजा इसी तरह से चार से पांच लोगों से शादी कर चुकी है। किसी को तलाक नहीं दिया था।

पूजा के साथ शादी करने के बाद डाकेश्वर ने परिवार के अन्य सदस्यों के सोने के जेवर बैंक के लॉकर में रखा दिए थे। लुटेरी पूजा ने मौका देख बैंक के लॉकर में रखे जेवर निकालकर अपनी मां को दे दिया।

इसके बाद पैसों की मांग करने लगी। पैसे नहीं देने पर झूठे केस में फंसा देने की धमकी देने लगी। डाकेश्वर के अनुसार पूजा ने पूर्व में जिन लोगों से शादी की थी उन लोगों से भी पूजा और उसकी मां ब्लैकमेल कर उगाही कर रही थी।

## ब्लैक फिल्म वाले वाहनों पर शिकंजा

कोरबा, 30 मार्च (एजेंसियां)। कोरबा पुलिस अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी के तहत वाहनों में ब्लैक फिल्म, तीन सवारी, तेज रफ्तार और बिना सीट बेल्ट व हेलमेट के वाहन चलाने पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहनों से ब्लैक फिल्म उतरवाई। साथ ही वाहन चालकों पर जुर्माना भी लगाया। नवरात्रि की पूर्व रात्रि में शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने शहर के चौक-चौराहों पर यह अभियान चलाया। सीतामढ़ी गौ माता चौक, टीपी नगर, बालको मुख्य मार्ग और रिसदी चौक पर कार्रवाई की गई। इस दौरान कई वाहनों में लगे ब्लैक फिल्म को उतरवाया गया और चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान कई लोगों ने ऊंची पहुंच बताकर फोन पर संपर्क करने की कोशिश की।

# दुमका के बासुकीनाथ बस स्टैंड पर 5 बसें जलकर खाक, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

दुमका, 30 मार्च (एजेंसियां)। दुमका के बासुकीनाथ बस स्टैंड के पास पांच बसों में आग लगी, जिसमें अजीत रोडवेज और पागल बाबा कंपनी की बसें शामिल थीं। आग पर काबू पाने के बावजूद, सभी बसें जलकर खाक हो गईं। लोगों ने फायर ब्रिगेड की देरी से पहुंचने को लेकर विरोध जताया।

बासुकीनाथ बस स्टैंड के पास मैदान में खड़ी पांच बसों में आग लग गई। लोगों को कुछ समझ में आता इससे पहले सभी बसें जलकर खाक हो गई। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

**अजीत रोडवेज और पागल बाबा कंपनी की बसों में आग**

बासुकीनाथ में लगी आग में अजीत रोड़वेज की दो बसें और पागल बाबा कंपनी की तीन अन्य बसें आग में जल गई। बस के मालिक आगलगी की इस घटना पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

**दुमका से पहुंची फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने काबू पाया**

घटना की जानकारी जरमुंडी थाना पुलिस को दी गई जिसके बाद दुमका से फायर बिग्रेड की गाड़ियों को बुलाया गया और आग पर काबू पाया गया लेकिन तबतक बस पूरे तरीके से जल चुकी थी। आग की तीव्रता इतनी तेज थी कि धुएं का गुब्बार फैल गया था। बासुकीनाथ बस स्टेंड पर अक्सर आगलगी की घटना होती रहती है लेकिन बस स्टेंड के पास फायर बिग्रेड की कोई व्यवस्था नहीं है। अगर फायर बिग्रेड की व्यवस्था होती तो आग से हुए नुकसान को कम किया जा सकता था।

**अचानक लगी आग तेजी से फैल गई**

लोगों ने बताया कि देखते ही देखते सभी गाड़ियों में आग फैल गई और आग की लपटें काफी ऊपर उठने लगीं। इसी बीच वाहन चालक ने दो गाड़ियों को किसी तरह घटना स्थल से हटाकर आग से बचाया। वहीं जिस गाड़ी में लगी, उसमें टायर और डीजल टंकी में ब्लास्ट होने लगा। इससे काले धुएं का गुब्बार काफी ऊपर उठने लगा।

## सुसाइड नोट लिखकर सीएसईबी कर्मी हुआ लापता

### दो महिला कर्मियों को बताया अपनी मौत का जिम्मेदार

कोरबा, 30 मार्च (एजेंसियां)। सीएसईबी कर्मी गोपाल दास बीते 24 घंटे से लापता है. गायब होने से पहले सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें विभाग में ही काम करने वाली दो महिला कर्मियों का नाम लिखकर उन्हें अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है. अब परिजन के साथ पुलिसकर्मी कर्मचारी की तलाश में जुटे हैं. 33 वर्षीय गोपाल दास ने अपने सुसाइड नोट में शिफ्ट इंचार्ज मैडम लीना और रश्मि उसेंडी का जिक्र करते हुए कहा कि मेरी मौत के जवाबदार केवल और केवल दो महिला कर्मचारी होंगे. कर्मचारी ने लापता होने से पहले इस सुसाइड नोट को अपने परिजनों और स्टाफ कर्मियों को व्हाट्सएप किया था. जिसके बाद परिजनों के संपर्क करने पर मोबाइल बंद बता रहा है. अनहोनी की आशंका पर परिजनों ने गांव से पहुंचे सीएसईबी चौकी पुलिस के पास शिकायत कर लापता युवक की तलाश और कार्रवाई करने की कही बात है. तलाश में जुटे परिजन और पुलिस को अब तक युवक का कुछ पता नहीं चला है.

# गढ़वा में जबरन वसूली के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

## लातेहार में टीएसपीसी एरिया कमांडर गिरफ्तार

गढ़वा, 30 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गढ़वा जिले में खनन और उत्खनन व्यापार के मालिकों से जबरन वसूली करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अशोक सिंह और मकदस अंसारी के रूप में हुई है।

वो तृतीया सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) का 'एरिया कमांडर' होने का दावा कर वसूली करते थे। भाकपा (माओवादी) से अलग होने के बाद टीएसपीसी समूह बनाया गया था।

**रंका थाना क्षेत्र के जंगल से किया गया गिरफ्तार**

गढ़वा के पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडे ने बताया कि तीनों आरोपियों को रंका थाना क्षेत्र

के जंगल से गिरफ्तार किया गया है। दीपक कुमार पांडे ने बताया कि खदान संचालक मोहन मुरारी देव ने रंका थाने में 18 मार्च को शिकायत दर्ज कराई थी कि 16 मार्च की रात तीन अज्ञात अपराधी खदान में घुस आए तथा जबरन वसूली करने लगे। उन्होंने कर्मचारियों को धमकी भी दी।

**गिरफ्तार अपराधियों के पास से देशी पिस्तौल बरामद**

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों लोगों के पास से एक देसी पिस्तौल, लूटे गए मोबाइल फोन और अपराध में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

**लातेहार में एक माओवादी गिरफ्तार**

लातेहार जिले में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के एक अलग समूह के स्वयंभू एरिया कमांडर को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के सदस्य को छिपादोहर थाना क्षेत्र के कटिया जंगल से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने यह स्वीकार किया कि वह बोकाखांड और हेरहंज में पुलिस के साथ हुई दो मुठभेड़ में शामिल था।

# खैबर पख्तूनख्वा में आतंकियों को मारने गई थी पाक सेना

## ड्रोन हमले में अपने आम नागरिकों को भी कर दिया ढेर

पेशावर, 30 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना नित होने वाली आतंकी घटनाओं से बौखला गई है। पाक सेना ने अब आतंकियों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू किया है। इस कड़ी में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों के एक ठिकाने को निशाना बनाकर ड्रोन हमला किया, लेकिन इसमें आम नागरिकों की भी मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हालांकि पाक सुरक्षा बलों ने ड्रोन हमले में 12 आतंकवादियों के भी मारे जाने की पुष्टि की है। पाक सेना ने कहा कि इसमें ''कुछ आम नागरिकों'' की मौत हो गई। प्रांतीय सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ''आतंकवाद के खिलाफ अभियान'' के तहत मरदान जिले में कटलांग के सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में सुबह आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया। सरकार ने इन हमलों में आम नागरिकों के हताहत होने की पुष्टि की और संकेत दिया कि इनमें महिलाएं एवं बच्चे भी शामिल हो सकते हैं।

**आम नागरिक भी बने पाक ड्रोन हमले के शिकार**

आधिकारिक रिपोर्ट में बताया गया कि अभियान के दौरान 12 आतंकवादी मारे गए। जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह अभियान आतंकवादियों के ठिकाने संबंधी ''विश्वसनीय खुफिया जानकारी'' मिलने के बाद चलाया गया। इसमें कहा गया कि क्षेत्र में जारी आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े कई आतंकवादी इस अभियान के दौरान मारे गए। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ''दुर्भाग्यवश, बाद की रिपोर्ट से इस बात की पुष्टि हुई कि जिस इलाके को निशाना बनाया गया था, उसके आसपास महिलाओं और बच्चों समेत आम नागरिक मौजूद थे जिसके परिणामस्वरूप आम नागरिक हताहत हुए।''

**खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन ने मांगा मुआव्जा**

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा कि अभियान के दौरान आम नागरिकों की मौत होना अत्यंत निंदनीय और दुखद है। सरकार ने कहा कि वह घायलों को चिकित्सकीय सहायता प्रदान कर रही है और पीड़ितों के परिवारों को राहत एवं मुआवजा उपलब्ध करा रही है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि अभियान के दौरान आम नागरिकों की मौत होने के संबंध में पूर्ण जांच की जाएगी। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार बैरिस्टर मोहम्मद अली सैफ ने भी अभियान के दौरान निर्दोष लोगों की मौत होने पर गहरा दुख व्यक्त किया।

# पुतिन की आलीशान कार के बेडे में जोरदार धमाका, जेलेंस्की ने की थी 'मौत की भविष्यवाणी'

कीव, 30 मार्च (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आधिकारिक कार के बेड़े की एक लग्जरी लिमोजिन कार में भयानक विस्फोट हो गया और कार में आग लग गई। मध्य मॉस्को में हुई इस खबर ने रूसी राष्ट्रपति की सुरक्षा से जुड़ी नई आशंकाओं को जन्म दिया है और क्रेमलिन के भीतर आंतरिक खतरों पर संदेह को और भी बढ़ा दिया है। पुतिन की महंगी कार जिसकी कीमत 275,000 है उस ऑरस सीनेट को लुब्यंका में एफएसबी मुख्यालय के पास जलते हुए देखा गया।

**कार में विस्फोट के कारणों का पता नहीं**

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इंजन से निकली और फिर वाहन के अंदर फैल गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि घटना के दौरान आस-पास के रेस्तरां में मौजूद लोग दमकल कर्मियों के आने से पहले मदद के लिए बाहर निकल आए। फुटेज में वाहन से घना काला धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया और कार के पिछले हिस्से में नुकसान देखा गया। द सन की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट के पीछे का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। कथित तौर पर वाहन का प्रबंधन राष्ट्रपति संपत्ति विभाग द्वारा किया जाता है, जो राष्ट्रपति के परिवहन को संभालता है। अभी तक, यह स्पष्ट नहीं है कि घटना के समय कार के अंदर कौन था।

**जेलेंस्की ने की थी भविष्यवाणी**

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बड़ा दावा किया था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की तबीयत बिगड़ रही है और वह जल्द ही मर जाएंगे। जेलेंस्की की यह भविष्यवाणी बुधवार को एक इंटरव्यू के दौरान सामने आई थी। कीव इंडिपेंडेंट वेबसाइट के अनुसार जेलेंस्की ने यूरोविजन न्यूज को दिए साक्षात्कार के दौरान कहा कि पुतिन जल्द ही मर जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, युद्ध भी जल्द समाप्त हो जाएगा। जबकि जेलेंस्की ने संयुक्त राज्य अमेरिका से मजबूत बने रहने और मॉस्को पर अपनी आक्रामकता को रोकने के लिए दबाव जारी रखने की भी अपील की।

**कड़ी सुरक्षा में रहते हैं पुतिन**

72 वर्षीय पुतिन लिमोसिन कार का नियमित रूप से उपयोग करते हैं और उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग सहित कई लोगों को यह कार उपहार में दिया है। हाल ही में, मरमंस्क में, संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसओ) के अधिकारियों द्वारा औपचारिक गार्डों की तलाशी ली गई थी। द सन के हवाले से एक पूर्व अंगरक्षक ने कहा, यह दर्शाता है कि उन्हें अपनी जान का कितना डर है। उन्होंने यह भी कहा कि पुतिन अपने स्वयं के कर्मचारियों पर भरोसा नहीं करते हैं।

## अमेरिका में विमान हादसा, मिनियापोलिस में घर से टकराया प्लेन; एक व्यक्ति की मौत

ब्रुकलिन पार्क, 30 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में एक और विमान हादसे की खबर सामने आई है। एपी के मुताबिक, आयोवा से मिनेसोटा जा रहा एक छोटा विमान एक मिनियापोलिस के उपनगर में एक घर से टकरा गया, इस हादसे में विमान सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। शहर के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ब्रुकलिन पार्क के प्रवक्ता रिसिकत अदेसाओगुन ने बताया कि घर के निवासियों को कोई चोट नहीं आई है। लेकिन घर नष्ट हो गया। संघीय विमानन प्रशासन ने एक बयान में कहा कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि सिंगल-इंजन वाले सोकाटा टीबीएम7 में कितने लोग सवार थे। एजेंसी ने बताया कि विमान डेस मोइनेस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रवाना हुआ था और उसका गंतव्य अनोका काउंटी-ब्लेन हवाई अड्डा था, जो मिनियापोलिस के दूसरे उपनगर में स्थित है।

# नेपाल में राजशाही के समर्थन में हिंसक विरोध-प्रदर्शन

## पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पर 7,93,000 का जुर्माना

काठमांडू, 30 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल की राजधानी काठमांडू के कुछ हिस्सों में राजशाही समर्थकों ने प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक संपत्ति और पर्यावरण को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा है। इस नुकसान की वजह से काठमांडू के नागरिक निकाय ने पूर्व किंग ज्ञानेंद्र शाह पर जुर्माना लगाया है। विरोध प्रदर्शन के बाद, सुबह 7 बजे शहर के पूर्वी हिस्से में कर्फ्यू हटाने के बाद काठमांडू में स्थिति सामान्य बनी हुई है। यहां पर स्थानीय प्रशासन ने शुक्रवार को शाम 4.25 बजे कर्फ्यू लगा दिया, जिसके बाद तिनकुने-बानेश्वर इलाके में राजशाही समर्थकों की ओर से हिंसक प्रदर्शन किया गया। हिंसक प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया और एक राजनीतिक पार्टी के कार्यालय पर हमला किया। मौके पर मौजूद सभी गाड़ियों में आग लगा दी और दुकानों को लूट लिया। सुरक्षाकर्मियों और राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में एक टीवी कैमरामैन समेत दो लोगों की मौत हो गई और 110 लोग घायल हो गए।

**कितना लगाया जुर्माना?**

ये विरोध प्रदर्शन ज्ञानेंद्र शाह के बुलाने पर आयोजित किया गया था, इसलिए काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी (केएमसी) के मेयर बालेंद्र शाह ने काठमांडू के बाहरी इलाके महाराजगंज में निर्मला निवास में उनके आवास पर एक लेटर भेजा। लेटर में उनसे नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में 7,93,000 नेपाली रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया। पूर्व किंग को भेजे गए लेटर की कॉपी मीडिया में भी जारी की गई थीं। केएमसी ने कहा कि पूर्व किंग के बुलाने पर ही प्रदर्शनकारी वहां इकट्ठा हुए। प्रदर्शन की वजह से महानगर की बहुत सी जरूरी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया है। इस वजह से काठमांडू राजधानी शहर का पर्यावरण भी प्रभावित हुआ है। आंदोलन के संयोजक दुर्गा प्रसाद ने एक दिन पहले ज्ञानेंद्र शाह से मुलाकात की थी और राजशाही और हिंदू राज्य की बहाली की मांग को लेकर आंदोलन करने के निर्देश प्राप्त किए थे। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पूर्व किंग का पासपोर्ट जब्त कर लिया गया है। उनके आवास पर सुरक्षा गार्डों की संख्या कम कर दी गई है, हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल, यातायात की सुविधाएं बहाल कर दी गई हैं। बाजार खुल गए और जनजीवन सामान्य हो गया।

## भूकंप में नवजात बच्चों की ढाल बनीं चीनी नर्स, फर्ज के लिए लगाई जान की बाजी, दुनिया कर रही सलाम

बीजिंग, 30 मार्च (एजेंसियां)। म्यांमार में शुक्रवार को आए भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। 7.7 तीव्रता के इस भूकंप ने चीन और थाईलैंड में भी धरती को दहलाया है। चीन के युन्नान प्रांत में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप के दौरान जब चीन में अस्पताल की इमारत किसी झूले की तरह हिल रही थी तो यहां नर्सों ने नवजात शिशुओं को बचाने के लिए जान लड़ा दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में चीनी नर्सें भूकंप के झटकों से बच्चों के पालने को गिरने से बचाने के लिए दौड़ती हुई दिख रही हैं। एक नर्स नवजात को गोद में लेकर उसे बचाने की कोशिश कर रही है। सोशल मीडिया पर युन्नान प्रांत के रुइली स्थित जिंगचेंग अस्पताल का वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि भूकंप के दौरान नर्सों ने बहादुरी दिखाते हुए नवजात शिशुओं को बचाया। भूकंप आने पर नर्सों ने अपनी जान की बचाने के लिए बाहर भागने की बजाय नवजात शिशुओं को बचाने को प्राथमिकता दी। उन्होंने दौड़कर पालने को लुढ़कने से रोका और इमारत के हिलने के बावजूद इनक्यूबेटरों को पकड़े रहीं। युन्नान के जिंगचेंग अस्पताल के इस वीडियो की सोशल मीडिया पर चर्चा है। भूकंप के झटकों से अस्पताल की इमारत के हिलने के बावजूद पालनों को स्थिर रखने की कोशिश करती मर्सों की जमकर तारीफ हो रही है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, ' नर्सों की हिम्मत को सलाम है। यह बहुत डरावना था लेकिन मुझे खुशी है कि वे बच्चे ठीक हैं। कई लोगों ने नर्सों की प्रशंसा करते हुए उन्हें रियल हीरो बताया है।

## 18 साल की उम्र में हुई बेघर, बनना चाहती थी बिन पति के मां

### गूगल से ली मदद, फिर ऐसे दिया दो बच्चों को जन्म

वाशिंगटन, 30 मार्च (एजेंसियां)। कई लोग समाज और दुनिया के डर से अपने सपनों को दबा देते हैं, लेकिन कुछ लोग इसकी परवाह नहीं करते। आज हम आपको एक ऐसी ही महिला की कहानी बताने जा रहे हैं, जिसने 18 साल की उम्र में ही गर्भवती होने और बच्चा पैदा करने का फैसला किया, इस फैसले में महिला का साथ गूगल ने दिया, जहां उसने अपने लिए फ्री स्पर्म डोनर ढूंढा। दरअसल हाल ही में काई स्लोबर्ट और उनकी पत्नी डी ने यूट्यूब चैनल 'माई एक्स्ट्राऑर्डिनरी फैमिली' पर अपनी जिंदगी की कहानी बताई, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। काई बताती हैं कि वह एक शेल्टर हॉम में रह रही थी, जब उन्होंने एक फ्री स्पर्म डोनर की मदद से बच्चा पैदा करने का फैसला किया। उस समय कई लोगों ने इसे गलत कहा था। वायरल हो रहे वीडियो में काई कहती हैं कि मैं बेघर थी, फिर भी मैंने बच्चा पैदा करने का फैसला किया। मैं इस तरीके को किसी और को अपनाने के लिए नहीं कहूंगी, लेकिन मुझे बच्चे बहुत पसंद हैं। इसलिए मैंने अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने का फैसला किया।

**'फ्री स्पर्म डोनर' गूगल किया**

उन्होंने आगे कहा कि मैंने 'फ्री स्पर्म डोनर' गूगल किया और एक मिल गया। उनकी पहली बेटी, कैडी, अब 5 साल की है और उनकी दूसरी बेटी, फेथ, 3 साल की है। उन्होंने कहा कि कैडी को जन्म देने से पहले मैं प्रेग्नेंसी में अकेली थी, क्योंकि उस समय डी उनके साथ नहीं थी। बेटी के जन्म के बाद भी काई बेघर रही, लेकिन कुछ महीने बाद डी उनकी जिंदगी में आई और फिर दोनों ने मिलकर एक फ्लैट खरीद लिया और साथ में रहने लगीं। एक साथ आने के बाद से उनकी जिंदगी बदल गई। कैडी और फेथ को पता है कि उनका जन्म डोनर से हुआ है।

### सीरिया में कार्यवाहक सरकार का गठन, कोई प्रधानमंत्री नहीं

# अंतरिम राष्ट्रपति जुलानी ने 23 मंत्रियों को नियुक्त किया, एक ईसाई महिला भी शामिल

दमिश्क, 30 मार्च (एजेंसियां)। सीरिया में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद के तख्तापलट के 4 महीने बाद कार्यवाहक सरकार का गठन किया गया है। अंतरिम राष्ट्रपति अल जुलानी ने 23 मंत्रियों को सरकार में नियुक्त किया है। जुलानी देर रात इसकी घोषणा की। मंत्रिमंडल में एक ईसाई महिला को भी शामिल किया गया है। खुफिया विभाग के चीफ अनस खत्ताब को देश को नया गृहमंत्री बनाया गया है। इसके अलावा भी कई नए चेहरे सरकार में शामिल किए गए हैं। सरकार में प्रधानमंत्री का पद नहीं रखा गया है। इसकी जगह राष्ट्रपति जुलानी एक महासचिव नियुक्त करेंगे। यह कार्यवाहक सरकार अगले पांच वर्षों तक सत्ता में रहेगी। इस दौरान एक स्थायी संविधान को अपनाया जाएगा और चुनाव कराए जाएंगे।

**दिसंबर 2024 में बशर अल असद का तख्तापलट किया था**

अंतरिम राष्ट्रपति अल जुलानी ने दिसंबर में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद का तख्तापलट किया था। जुलानी के नेतृत्व वाले एचटीएश संगठन ने सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह शुरू किया था। कुछ दिनों में विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया था। इसके साथ ही असद खानदान की 54 पुरानी हुकूमत खत्म हो गई थी। तत्कालीन राष्ट्रपति बशर अल असद ने भागकर मॉस्को में शरण ली थी।

**मेडिकल की पढ़ाई छोड़ आतंक से जुड़ा जुलानी**

जुलानी को अहमद अल-शरा नाम से भी जाना जाता है। उसने साल 2000 में उन्होंने मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया। एक लिबरल इस्लाम वाले माहौल में पला-बढ़ा जुलानी जब कॉलेज पहुंचा तो उसका सामना कट्टर इस्लाम वाली विचारधारा रखने वाले लोगों से हुआ। 2003 में जब उसे लगा कि अमेरिका इराक पर हमला करने वाला है तो वह परेशान हो गया और मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर जंग लड़ने चला गया। इराक पहुंचकर जुलानी, अल कायदा के संपर्क में आया। जून 2006 में उसे अमेरिकी सेना ने पकड़कर जेल भेज दिया था। जेल में रहने के दौरान जुलानी, बगदादी से जुड़े लोगों के संपर्क में आया। 2011 में जेल रिहा होने के बाद उसने सीरिया में कई हमलों को अंजाम दिया। उसने 2012 में अल कायदा की सीरिया शाखा जबात अल-नुस्र का गठन किया।

# न्यूयॉर्क में उबर और ऑडी की टक्कर मां और दो बेटियों की मौत

न्यूयॉर्क, 30 मार्च (एजेंसियां)। हमेशा कहा जाता है गाड़ी चलाते वक्त सावधानी बरते, सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी। सावधानी हटने के चलते न्यूयॉर्क में एक भयानक रोड एक्सीडेंट सामने आया है। एक महिला एक उबर कार में अपनी दो बेटियों और 4 साल के बेटे के साथ अपने घर जा रही थी। तभी एक ऑडी तेजी से सामने से आई और दोनों गाड़ियों के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में मां और दोनों बेटियों की मौत हो गई। वहीं, 4 साल के बेटे की हालात गंभीर बताई जा रही है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, जिस शख्स की गाड़ी ने महिला की उबर कार को टक्कर मारी उस ड्राइवर का लाइसेंस निलंबित था। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, इस घटना में 9 लोग घायल हो गए हैं। यह घटना क्वेंटिन रोड के करीब ओशन पार्कवे पर हुई।

कथित तौर पर टोयोटा कैमरी में उबर ड्राइवर और ऑडी के बीच टक्कर हुई। जिस वक्त यह हादसा हुआ सड़क पर कुछ लोग मौजूद थे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने आउटलेट को बताया कि गाड़ियों की टक्कर होने के बाद मैंने जो धमाका सुना, वो भूकंप जैसा था। यह 30 सेकंड तक चलता रहा।,ऐसा लगा जैसे दुनिया उस सेकंड के लिए रुक गई हो। ऑडी को मिरियम यारिमी चला रही थी। एनवाईपीडी आयुक्त जेसिका टिश ने घटनास्थल पर पहुंच कर इस हादसे के बाद कई जानकारियां सामने रखी। उन्होंने बताया मिरियम गाड़ी लेकर आगे बढ़ती रही और फिर क्रॉसवॉक में घुस गई, जिससे 35 वर्षीय महिला और उसकी 8 और 6 वर्षीय बेटियों की मौत हो गई। टिश ने कहा, यह एक भयावह त्रासदी थी जो किसी ऐसे व्यक्ति की वजह से हुई जिसे सड़क पर होना ही नहीं चाहिए था।

ऑडी ड्राइवर यारिमी की उम्र 32 साल है और उबर ड्राइवर की उम्र 62 साल। दोनों को फिलहाल कोनी द्वीप अस्पताल ले जाया गया है। कहीं वो नशे में गाड़ी तो नहीं चला रहे थे इस बात का भी टेस्ट किया जाएगा। महिला बच्चों के साथ कहीं गई हुई थी और वो उबर लेकर घर लौट ही रही थी कि वो हादसे का शिकार हो गई और अब कभी घर नहीं लौटने वाली है,

लेकिन घर पर उसका पति एक नन्हे बच्चे के साथ उन सभी के लिए इंतजार कर रहा था, जोकि अब कभी नहीं लौटने वाले हैं। पति ने एक ही दिन में अपने दो बच्चे और पत्नी को खो दिया है। वहीं, उनका 4 साल का बेटा गंभीर हालत में है।

# ताइवान के ऊपर मंडरा रहे चीन के लड़ाकू विमान युद्ध की तैयारी या दबाव बनाने का ड्रैगन का प्लान?

ताइपे, 30 मार्च (एजेंसियां)। हाल के दिनों में ताइवान के आस-पास चीनी सैन्य गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने हाल ही में रिपोर्ट दी है। जिसमें बताया गया है कि चीनी विमान और युद्धपोत ताइवान के एयर डिफेंस जोन में बार-बार घुसपैठ कर रहे हैं। इन घटनाओं ने ताइवान और चीन के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और बढ़ा दिया है। ऐसे में सवाल ये उठ रहा है कि क्या यह गतिविधियां ताइवान पर चीनी आक्रमण की तैयारी का संकेत हैं, या फिर यह सिर्फ एक सैन्य दबाव बनाने की रणनीति है?

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी एयर डिफेंस ज़ोन (एडीज़) में एक चीनी विमान की उड़ान देखी गई और साथ ही सात चीनी जहाजों की भी मौजूदगी पाई गई। ये विमान और जहाज ताइवान की मध्य रेखा पार करते हुए ताइवान के क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसके अलावा, एक और चीनी विमान और कई चीनी युद्धपोत ताइवान के आसपास देखे गए थे। मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि वे लगातार इन घटनाओं पर नजर रखे हुए हैं और सुरक्षा उपायों के तहत जवाब दे रहे हैं। लेकिन, यह बढ़ती सैन्य गतिविधियां क्या संकेत दे रही हैं?

**क्या यह चीनी आक्रमण की तैयारी है?**

पिछले कुछ हफ्तों में चीन ने ताइवान के खिलाफ अपनी सैन्य क्षमता को और मजबूत किया है। हाल ही में चीन ने एक अत्यधिक विकसित लैंडिंग हेलीकॉप्टर आक्रमण पोत (एलएचए) और फ्लोटिंग ब्रिज डॉक जैसे नए उपकरणों का परीक्षण किया है। इन उपकरणों को ताइवान पर आक्रमण के लिए तैयारियों के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि इनकी मदद से तटों पर बड़ी संख्या में सैनिकों को उतारने की क्षमता में वृद्धि होती है। ताइवान में चीन के इन नए उपकरणों को देख कर विशेषज्ञों का मानना है कि चीन ताइवान पर कब्जा करने की दिशा में गंभीर है। हालांकि, चीन का आधिकारिक बयान हमेशा यही रहा है कि वह ताइवान को एक बार फिर से अपने साथ जोड़ने के लिए कूटनीतिक और सैन्य दबाव बनाए रखेगा।

**ताइवान की प्रतिक्रिया और सुरक्षा उपाय**

वहीं ताइवान ने चीन के इस सैन्य दबाव का जवाब अपने खुद के सुरक्षा उपायों से दिया है। ताइवान अपनी सेना और एयर फोर्स को सतर्क रखने के साथ-साथ इन घुसपैठों पर निगरानी रख रहा है। इस देश के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने इन गतिविधियों पर तुरंत प्रतिक्रिया दी है और किसी भी परिस्थिति में ताइवान की सुरक्षा को खतरे में नहीं पड़ने देंगे। ताइवान के अधिकारी यह भी कह चुके हैं कि वे किसी भी प्रकार की चीनी सैन्य गतिविधियों के खिलाफ अपनी सीमा की रक्षा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

## युद्ध विराम पर राजी हुआ हमास, मिस्र के प्रस्ताव को दी मंजूरी; बंधकों की रिहाई पर बनी सहमति

काहिरा, 30 मार्च (एजेंसियां)। हमास ने मिस्र के युद्ध विराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। मिस्र ने दो दिन पहले ही यह प्रस्ताव सौंपा था। नए प्रस्ताव में हमास 5 बंधकों को रिहा करेगा। सीएनएन ने हमास के एक सूत्र से मिली जानकारी के आधार पर यह रिपोर्ट छापी है। मिस्र का नया प्रस्ताव अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के प्रस्ताव से मेल खाता है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमास शवों को सौंपेगा या नहीं। गाजा में हमास के प्रमुख खलील अल-हय्या ने शनिवार को एक बयान में कहा, अपने लोगों और परिवारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में, हमने युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से सभी प्रस्तावों पर जिम्मेदारी और सकारात्मक रूप से काम किया है। दिन पहले, हमें अपने मध्यस्थ भाइयों से एक प्रस्ताव मिला। हमने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और इसे मंजूरी दे दी।

# क्या इस्तीफा देंगे एलन मस्क, ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका तक क्यों हो रहा विरोध? निशाने पर टेस्ला

वाशिंगटन, 30 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी सरकार में एलन मस्क के दखल के खिलाफ दुनियाभर में गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। सैकड़ों टेस्ला शोरूम के बाहर लोगों ने बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन किया। लोगों का आरोप है कि अमेरिकी सरकार के संवेदनशील डाटा तक एलन मस्क की पहुंच बेहद खतरनाक है। प्रदर्शनकारी ट्रंप प्रशासन में मस्क की भूमिका का विरोध कर रहे हैं। इस बीच खबर आ रही है कि एलन मस्क मई के अंत तक दक्षता विभाग के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे सकते हैं। अमेरिका समेत यूरोप के कई देशों में लोगों ने टेस्ला शोरूम के बाहर रैली निकाली। लोगों का आरोप है कि एलन मस्क अमेरिकी सरकार को खत्म करने में जुटे हैं। प्रदर्शनकारियों ने लोगों से तीन बड़ी अपील की हैं। लोग नारे लगा रहे हैं कि 'टेस्ला को रोकना, मस्क को नुकसान पहुंचाना है'। 'मस्क को रोकना जीवन और लोकतंत्र को बचाना है'। अमेरिका में 277 टेस्ला शोरूम के बाहर रैली निकाली गई।वहीं दुनियाभर में 200 से अधिक स्थानों पर प्रदर्शन देखने को मिले। यह प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया से यूके तक फैले हैं। जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड, फिनलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, न्यूजीलैंड, यूके और ऑस्ट्रेलिया में लोगों ने एलन मस्क और टेस्ला के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर भड़ास निकाली। पहले लिफोर्निया के सैन जोस में टेस्ला का मुख्यालय था। अब टेक्सास के ऑस्टिन में नया मुख्यालय बनाया गया है। प्रदर्शनकारियों ने इन दोनों ही जगह अपना विरोध दर्ज कराया। एलन मस्क मौजूदा समय में अमेरिकी सरकार में दक्षता विभाग के प्रमुख हैं। नौकरियों में छंटनी और खर्च में कटौती की जिम्मेदारी उन्हीं को मिली है। मगर संवेदनशील डाटा तक मस्क की पहुंच का लोग विरोध कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन में टेस्ला कार के असंतुष्ट मालिक, मशहूर हस्तियों और एक डेमोक्रेटिक सांसद समेत बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रदर्शन का उद्देश्य मस्क पर अपने सरकारी पद से इस्तीफा देने का दबाव बनाना है। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में सैकड़ों प्रदर्शनकारी मैनहट्टन टेस्ला स्टोर के सामने इकट्ठा हुए और मस्क के इस्तीफे की मांग की।

# नई नगर पालिकाओं के आदेश जारी होने के बाद अटका पेंच! गहराया संकट

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में नई नगर पालिकाओं का गठन किया गया है। बजट घोषणा के तहत स्वायत्त शासन विभाग ने इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी, लेकिन इन पालिकाओं के लिए भवन, मशीनरी व अन्य संसाधनों के लिए राशि का प्रबंध करना है। स्वायत्त शासन विभाग अब इसके लिए वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजेगा। हालांकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में भी कई नई पालिकाओं का गठन किया गया था, लेकिन अभी तक वहां न तो बोर्ड बनाने की प्रक्रिया हुई और न ही अपेक्षित संसाधन उपलब्ध कराए जा सके हैं।

झालावाड़ जिले में डग, मनोहर थाना, खानपुर, ब्यावर में रायपुर, करौली में सुरोठ, बालोतरा में

समदड़ी, प्रतापगढ़ में अरनोद, झुंझुनूं में बुहाना व मलसीसर, भीलवाड़ा में बनेड़ा, चूरू में साहवा, जोधपुर में मथानिया, अजमेर में पीसांगन, धौलपुर में मनिया, सिरोही में मंडार, धौलपुर में सेपऊ, नागौर में रियांबड़ी, जयपुर में कानोता, कालाडेरा, खेजरोली नगर पालिका शामिल है। वहीं दूदू व अनूपगढ़ नगर परिषद को नगर पालिका बनाया जा चुका है।

**इन 12 नगरपालिकाओं को किया रद्द**

इसके बाद राज्य सरकार ने गहलोत सरकार में गठित 12 नगर पालिकाओं को फिर से ग्राम पंचायत में बदल दिया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद पालिका गठन की अधिसूचना को वापस ले लिया गया। इन सभी नगर पालिकाओं का गठन जनजातीय उप योजना क्षेत्र में किया गया था।

ऋषभदेव (उदयपुर), घाटोल (बांसवाड़ा), पोंख (झुंझुनू), रायपुर (भीलवाड़ा), जावाल (सिरोही) रानी (अलवर), खीरनी (सवाईमाधोपुर), लालगढ़ जाटान (श्रीगंगानगर), रामदेवरा (जैसलमेर), रानीवाड़ा (जालौर), सेमारी (सलूंबर), चावंड (सराड़ा)।

# राजस्थान के लिए आई अच्छी खबर
## यमुना जल समझौत पर हरियाणा के सीएम ने दिया बड़ा बयान

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में यमुना के पानी का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। राजस्थान दौरे पर आए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने यमुना जल समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि झुंझुनू सहित शेखावाटी के लोगों को जल्द ही यमुना का पानी मिलने लगेगा।

जयपुर के चौमूं में सैनी समाज की ओर से आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह में शिरकत करने आए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो एमओयू किया गया है। उसके तहत यमुना का पानी शेखावाटी को देंगे। डीपीआर बनाने के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है। डीपीआर तैयार होने के बाद जल्द ही शेखवाटी तक पानी पहुंचाने का

काम किया जाएगा।

**राजस्थान और हरियाणा का है रोटी-बेटी का रिश्ता**

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान और हरियाणा का रिश्ता भौगोलिक सीमाओं तक ही सीमित नहीं है। बल्कि दोनों राज्यों के बीच रोटी-बेटी का आपस में रिश्ता है। मुझे खुशी है कि इस कार्यक्रम में बुलाकर मेरा नाम बढ़ाया है, इसके लिए सभी का दिल से आभार प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि जैसे राजस्थान मेरा भी है, वैसे ही हरियाणा आपका भी है। मैं राजस्थान की वीर भूमि के अपने परिवारजनों को हरियाणा की पावन धरा पर आने के लिए आमंत्रित करता हूं। उन्होंने सामाजिक एकता व शिक्षा को बढ़ावा देने का भी संदेश दिया।

**सीएम भजनलाल की तारीफ में गढ़े कसीदें**

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अपना पुराना मित्र बताया। उन्होंने कहा कि राजस्थान विकास की गति में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारे यहां के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मेरे बड़े पुराने मित्र है। वे लगातार किसी ना किसी विषय पर चर्चा करते रहे हैं। सीएम भजनलाल शर्मा दिन-रात एक करके राजस्थान के विकास को तेज गति से आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वे पीएम मोदी के सपने को पूरा करने में पीछे नहीं है।

# नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का बीजेपी सरकार पर हमला
## बोले- सरकार नहीं सर्कस चल रहा है

अलवर, 30 मार्च (एजेंसियां)। अलवर में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में अराजकता का माहौल है। कभी मुख्यमंत्री, कभी डिप्टी सीएम तो कभी पूर्व विधायकों को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, लेकिन सरकार की इंटेलिजेंस एजेंसियां नाकाम साबित हो रही हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लग रहा है मानो सरकार नहीं, बल्कि सर्कस चल रहा है।

टीकाराम जूली ने कहा कि बीजेपी के नेता जमकर 'माल सूत' रहे हैं। जो नेता मंदिरों की बातें करते हैं, वही मंदिर माफी की जमीनें हड़पने में लगे हैं। प्रशासन अवैध खनन कराने में व्यस्त है और जनता की कोई सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने आरोप लगाया कि

सरकार का सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश में बिजली विभाग मनमाने तरीके से पंचायतों के कनेक्शन काट रहा है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल संकट को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय ईआरसीपी का काम शुरू किया गया था, जिससे प्रदेश को पर्याप्त पानी मिल सकता था लेकिन बीजेपी सरकार की धीमी कार्यशैली के कारण इसमें अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि जब प्रदेश के बड़े नेताओं को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, मंदिर की जमीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं, अवैध खनन और प्लॉटिंग धड़ल्ले से जारी है तो सरकार और उसकी इंटेलिजेंस एजेंसी आखिर क्या कर रही है?

टीकाराम जूली ने सीएम की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं कि बजट की कोई कमी नहीं है लेकिन पंचायतों को बजट ही नहीं मिल रहा। सरपंचों के चुनाव तक नहीं कराए जा रहे हैं। उन्होंने विधानसभा में भी अपनी बात रखने में रोके जाने पर आपत्ति जताई और कहा कि जिस तरह संसद में राहुल गांधी को बोलने से रोका जाता है, वैसे ही राजस्थान विधानसभा में उन्हें भी अपनी बात नहीं रखने दी जाती।

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में हर तरफ लूट-खसोट का माहौल है और जनता बेहाल है। अगर सरकार ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आम जनता खुद इसका जवाब देगी।

# कल से नेशनल हाईवे पर गाड़ी चलाना हो जाएगा महंगा

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल हाईवे पर चलने वाले वाहनों को एक अप्रैल से ज्यादा टोल देकर गुजरना होगा। राजस्थान से गुजर रहे करीब 11 हजार किलोमीटर नेशनल हाईवेज पर बने 140 में से 100 से ज्यादा टोल प्लाजाओं पर टोल दरें बढ़ाई गई हैं। टोल की दरों में वर्तमान दरों के मुकाबले आधा प्रतिशत से लेकर करीब 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई है। जयपुर-किशनगढ़ छह लेन हाईवे पर पड़ने वाले दो टोल प्लाजाओं पर अब वाहन चालकों को दस रुपए से लेकर 95 रुपए तक ज्यादा टोल देना होगा। इस हाईवे पर टोल दलों में करीब 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। टोल दरों में हुई बढ़ोतरी में प्रतिशत के हिसाब से यहां सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। एनएचएआइ अफसरों का कहना है कि इस हाईवे पर नए ब्रिज बने है। इसलिए टोल की दरें ज्यादा बढ़ी है।

**एक्सप्रेस वे से दिल्ली जाना भी महंगा**

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर भी टोल की दरें एक अप्रेल से बढ़ जाएंगी। दौसा के आगे भांडारेज से सोहना तक वर्तमान में कार चालक को 430 रुपए टोल देना पड़ रहा है। अब कार चालकों को 445 रुपए देने होंगे। यहां वाहनों की अलग-अलग श्रेणी के तहत टोल दरों में 15 रुपए से लेकर 100 रुपए

तक की बढ़ोतरी की गई है।

जयपुर से गुड़गांव के बीच छह लेन एनएच 48 (पुराना दिल्ली रोड) से गुजरने वाले वाहनों को भी ज्यादा टोल देना पड़ेगा। इस नेशनल हाईवे पर कई निर्माण चल रहे हैं और आए दिन जगह जगह जाम लगता है, लेकिन एनएचएआइ ने टोल की दरें बढ़ाने का निर्णय किया है। जयपुर से दिल्ली के बीच इस पुराने हाइवे पर तीन टोल प्लाजा (दौलतपुरा, मनोहरपुर, शाहजहांपुर) स्थापित हैं। तीनों टोल प्लाजाओं से गुजरने पर कार चालकों को वर्तमान के मुकाबले 15 रुपए ज्यादा देने होंगे। बड़े वाहनों को 80 रुपए तक ज्यादा चुकाने होंगे।

# भाजपा उपाध्यक्ष के आरोपों पर मंत्री खींवसर का पलटवार
## बोले- बिना सबूत के आरोप लगाना ओछी मानसिकता

नागौर, 30 मार्च (एजेंसियां)। खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा के पत्र लीक प्रकरण में भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिर्धा के आरोपों के बाद अब राजस्थान सरकार के चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में उनका कोई लेना-देना नहीं है। यदि मिर्धा आरोप लगा रही हैं तो सबूत पेश करें। बिना प्रमाण के किसी पर आरोप लगाना ओछी मानसिकता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि डांगा के पत्र के लीक होने से मेरा कोई संबंध नहीं है। यदि कोई मुझ पर आरोप लगा रहा है, तो उसे प्रमाण देना चाहिए कि पत्र मैंने वायरल किया। यह गलत है कि मुझे इस प्रकरण में घसीटा जा रहा है। मेरे पास इस तरह की हरकतों के लिए समय नहीं है। मैं एक मंत्री के रूप में बड़े-बड़े

काम कर रहा हूं, न कि इस तरह की राजनीति में उलझने के लिए बैठा हूं।

डॉ. ज्योति मिर्धा के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि आरोप लगाना आसान होता है, लेकिन उसे प्रमाणित करना बड़ी बात होती है। यदि वे आरोप लगा रही हैं, तो उन्हें सबूत देना चाहिए। बिना किसी ठोस प्रमाण के इस तरह की बयानबाजी करना एक ओछी हरकत है।

गौरतलब है कि डॉ. ज्योति मिर्धा ने बिना नाम लिए आरोप लगाया था कि भाजपा के ही किसी नेता ने विधायक डांगा का गोपनीय पत्र सार्वजनिक किया है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पार्टी के ही किसी व्यक्ति ने यह पत्र लीक किया। राजस्थान भाजपा प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और जल्द ही इस पर कार्रवाई होगी।

**खींवसर और मिर्धा के बीच विवाद क्यों?**

डॉ. ज्योति मिर्धा के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद से ही दोनों नेताओं के बीच मतभेद दिखाई दिए हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान खींवसर में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में भी मिर्धा ने खींवसर पर आरोप लगाया था कि कुछ नेता अधिकारियों को निर्देश नहीं दे पा रहे हैं। वहीं लोकसभा चुनाव के दौरान गजेंद्र सिंह खींवसर का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उन्होंने नागौर लोकसभा सीट के हारने की बात कही थी। अब तबादला नीति को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच मतभेद सामने आ रहे हैं।

# तेजाजी मंदिर प्रकरण में गिरफ्तार प्रदर्शनकारियों को मिली रिहाई
## बेनीवाल और पुलिस की बातचीत सफल

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रताप नगर में वीर तेजाजी महाराज की मूर्ति तोड़े जाने को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन में गिरफ्तार आरएलपी के कार्यकर्ताओं को रिहा करने के लिए राजस्थान लोकतांत्रिक पार्टी सुप्रीमो एवं सांसद हनुमान बेनीवाल की पुलिस प्रशासन के साथ हुई वार्ता सफल रही। अशोक नगर थाने में पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ से बातचीत के बाद सभी प्रदर्शनकारियों को रिहा कर दिया गया। वार्ता के बाद हनुमान बेनीवाल ने मीडिया से बातचीत की और घटना से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अपनी बात रखी।

हनुमान बेनीवाल ने कहा कि जैसे ही उन्हें घटना की जानकारी मिली, उन्होंने सभी समर्थकों से

संयम बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोगों ने संयम बरता और हमारी पहली मांग थी कि मुलजिम को पकड़ा जाए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं राजस्थान में दोबारा न हों। इसके लिए सख्त कानून बनाए जाने चाहिए। किसी भी समाज की आस्था को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए क्योंकि लोकदेवता सभी समाजों के होते हैं, किसी एक के नहीं।

उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों से पुलिस वार्ता के दौरान कुछ गलतफहमियां हुईं, जिसके कारण लाठीचार्ज हुआ। इसमें कई लोगों को चोटें भी आई हैं। बेनीवाल ने बताया कि उन्होंने सरकार से भी इस मुद्दे पर चर्चा की।

उन्होंने प्रदर्शन के दौरान आगजनी को लेकर कहा कि हम पेट्रोल पंप और आगजनी जैसी घटनाओं का समर्थन नहीं करते हैं, लेकिन पेट्रोल पंप वाली एफआईआर की भी जांच करवाई जाएगी।

हम सीसीटीवी फुटेज निकलवाकर पूरी सच्चाई सामने लाएंगे। बेनीवाल ने यह भी बताया कि वे जल्द ही घटनास्थल का दौरा करेंगे और पूरे मामले का जायजा लेंगे। उन्होंने सरकार से मांग की कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

### विधायक और रोडवेज के चीफ मैनेजर में जमकर हुई बहस
## अधिकारी बोले- सरकारी रास्ता खाली करवाइए रफीक खान ने कहा- आवाज नीचे रखकर बात करो

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। आदर्श नगर विधायक रफीक खान और रोडवेज के मुख्य प्रबंधक (चीफ मैनेजर) राकेश राय के बीच बहस हो गई। विवाद ट्रांसपोर्ट नगर स्थित रोडवेज की जमीन पर अतिक्रमण को लेकर था। विवाद के दौरान रोडवेज प्रबंधक ने विधायक से कहा- सरकारी रास्ता है, उसे खाली करवाइए। इस पर विधायक रफीक खान ने कहा- तमीज से बात करो। आवाज नीचे रखकर बात करो। दरअसल, नारायण सिंह सर्किल स्थित बस स्टैंड को ट्रांसपोर्ट नगर में शिफ्ट किया जा रहा है। 1 अप्रैल से दिल्ली की ओर जाने वाली बसें ट्रांसपोर्ट नगर से ही चलेंगी। रोडवेज मुख्यालय के निर्देश पर मुख्य प्रबंधक सीबीएस द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर स्थित रोडवेज के पुराने बस स्टैंड की जमीन की सुरक्षा के लिए चारदीवारी निर्माण का काम शुरू किया गया था। रोडवेज की इस जमीन से आसपास की कॉलोनी वालों ने रास्ता निकाल रखा था। शनिवार को इसे निगम की ओर से बंद करवाया जा रहा था। इसे लेकर कॉलोनी वालों ने विधायक रफीक खान से शिकायत की थी। इस पर विधायक मौके पर पहुंचे तो उनकी रोडवेज के चीफ मैनेजर से बहस हो गई। इस घटना को लेकर भारतीय मजदूर संघ से जुड़े राजस्थान परिवहन निगम संयुक्त कर्मचारी फेडरेशन और सेवानिवृत्त कर्मचारी महासंघ ने कड़ी आपत्ति जताई है। फेडरेशन के प्रदेश महामंत्री सत्यनारायण शर्मा ने बताया- रोडवेज की जमीन पर अतिक्रमणकारियों ने दीवार तोड़कर रास्ता निकाल लिया था। शर्मा ने कहा- जब निगम ने दोबारा दीवार खड़ी करवाई तो विधायक ने अधिकारियों पर दबाव बनाया। 1 अप्रैल 2025 से ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टैंड से बस सेवा शुरू करने की योजना है, लेकिन इस तरह की दबंगई से निर्माण कार्य में रुकावट पैदा की जा रही है।

## बाप और बेटे ने दिखाया 'पैसा डबल' करने का सपना, लोगों में मच गई पैसा देने की होड़

जयपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। फुलेरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर लोगों के करोड़ों रुपए हड़पने वाले पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। आईपीएस अधिकारी आनंद शर्मा ने बताया कि परिवादी संजय कुमार यादव निवासी मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर व अन्य लोगों ने फुलेरा थाने में लोकेश जोशी व निखिल जोशी व अन्य के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज कराया। आरोपियों ने जोशी इन्वेस्टमेन्ट ग्रुप नाम से एक कम्पनी खोली। जिसमें निवेश करने पर राशि को शेयर मार्केट में लगाकर मात्र 45 दिनों में 50-80 प्रतिशत का करीब-करीब डबल मुनाफा दिए जाने का लालच दिया और लोगों से करोड़ों रुपए ले लिए। लोगों को निवेश की गई राशि तय समय पर नहीं मिली तो पिता-पुत्र ने संपर्क करना बंद कर दिया। एएसपी मुख्यालय जयपुर ग्रामीण रजनीश पूनियां के निर्देशन में सांभरलेक सीओ अनुपम मिश्रा के सुपरविजन व थानाधिकरी फुलेरा श्रवण कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने लोकेश जोशी (48) व उसके बेटे निखिल जोशी (22) निवासी जाटों का मोहल्ला मौखमपुरा हाल निवासी अनुविहार कॉलोनी फुलेरा को गिरफ्तार किया। कार्रवाई में श्रवण कुमार थानाधिकारी फुलेरा, सुभाष चन्द एएसआई, हैड कांस्टेबल फूलचन्द, सरदार सिंह, विश्वेन्द्र की अहम भूमिका रही। पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपी लोकेश जोशी पर कोरोना काल में कर्ज हो गया।

उसने अपने फुलेरा के मकान को बेचकर कर्जा चुकाया तथा परिवार सहित किराए के मकान में रहने लगा। लोकेश जोशी पहले फास्ट फूड की दुकान चलाता था। लोकेश के बेटे निखिल ने शेयर ट्रेडिंग का काम शुरू किया जिसमें मुनाफा होने पर निखिल जोशी ने अपने दोस्तों को मुनाफे की राशि बांटी।

### मक्के की फसल बीच हो रही थी गांजे की खेती
## 96 किलो मादक पदार्थ बरामद, आरोपी गिरफ्तार

बांसवाड़ा, 30 मार्च (एजेंसियां)। जिले की आनंदपुरी थाना पुलिस ने खूंटा मुंदरी गांव में मक्का की फसल की आड़ में गांजे की खेती करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खेत से कुल 96 किलो गांजा बरामद किया है। थाना अधिकारी कपिल पाटीदार ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अगरवाला की ओर से एनडीपीएस एक्ट के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश भारद्वाज के निर्देशन में थाना पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गुमशुदगी के एक मामले में खूंटा मुंदरी गांव के अटल सेवा केंद्र के पास पहुंची।

इस दौरान समीप ही एक खेत में मक्का की फसल के बीच हरे गांजे के पौधे दिखे, जिन पर फूल आ गए थे, जिस पर टीम ने मौके पर ही कार्रवाई की और खेत में मौजूद बंशीलाल पुत्र मोगा पांडोर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में बंसीलाल ने गांजे की खेती करना कबूल किया। इसके बाद पुलिस टीम ने खेत में बोए गए गांजे के पौधे उखाड़कर जब्त किए, जिनका कुल वजन 96 किलो निकला।

टीम ने आरोपी बंशीलाल के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज किया। मामले का अनुसंधान किया जा रहा है। उल्लेखनीय कि पिछले दिनों भी आनंदपुरी थाना पुलिस और सदर थाना पुलिस ने तीन अलग-अलग खेतों से गेहूं और मक्का की फसल की आड़ में बड़ी मात्रा में लगाए गए गांजे के पौधे जब्त किए थे।

## मादक पदार्थ तस्करी की काली कमाई से अर्जित 75 लाख की संपत्ति की फ्रीज

चित्तौड़गढ़, 30 मार्च (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले में मादक पदार्थों की काली कमाई से खरीदी गई अवैध संपत्ति को फ्रीज करने की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी के निर्देशन में बस्सी थानाधिकारी ने अपराधी मदनलाल जाट द्वारा मादक पदार्थ का व्यापार कर खरीदी अवैध संपत्तियों को एनडीपीएस एक्ट की धारा-68 एफ के तहत फ्रीज की। इन संपत्ति के समस्त दस्तावेज संबंधित अथॉरिटी को भेजे हैं। अपराधी की फ्रीज की गई संपत्ति की कीमत करीब 75 लाख रुपये है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त से अर्जित की गई सम्पति को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 F (1) के तहत फ्रीज की जाती है। बस्सी धानाधिकारी मनीष वैष्णव क्षेत्र में रहने वाले मादक पदार्थ तस्करी के आरोपित बलदरखा निवासी मदनलाल पुत्र प्रभुलाल जाट की संपत्ति को फ्रीज किया है। मदनलाल जाट के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत 06 प्रकरण दर्ज हैं। ऐसे में आरोपित की अर्जित सम्पति की वित्तीय जांच करते हुए अर्जित चल अचल सम्पतियों को चिन्हित किया।

इसमें सामने आया कि आरोपित ने गांव बलदरखा में एक रिहायशी मकान व कृषि भूमि, एक किया कार, एक बाइक व बस्सी में एक आवासीय प्लॉट जिनकी वेल्युवेशन करीब 75 लाख रुपये होना सामने आया। पुलिस अधीक्षक के अनुमोदन पर एनडीपीएस एक्ट में न्यायिक हिरासत में चल रहे आरोपित मदनलाल जाट की सम्पति फ्रीज कराने की कार्रवाई के संदर्भ में एएसपी चित्तौड़गढ़ सरिता सिंह व डीएसपी ग्रामीण शिवप्रकाश टेलर के निर्देशन में बस्सी थानाधिकारी मनीष वैष्णव ने धारा 68 (एफ) एनडीपीएस एक्ट के तहत सक्षम प्राधिकारी एवं प्रशासक एसएएफईएम एवं एनडीपीएस अधिनियम, नई दिल्लीके समक्ष इस्तगासा पेश किया।

# दिल्ली और लखनऊ में दिखा चांद आज देशभर में मनाई जाएगी ईद

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। रमजान के पवित्र महीने के बाद आज देशभर में ईद-उल-फितर का चांद देखा गया। दिल्ली और लखनऊ में चांद दिखने की पुष्टि के साथ ही यह तय हो गया है कि कल, 31 मार्च 2025 को पूरे भारत में ईद का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा। देशभर के शहरों में ईद के त्योहार की तैयारियां की जा रही हैं। बाजारों में लोग ईद की खरीदारी के लिए निकल रहे हैं।

**ईद के बाजारों में खरीदारी का माहौल** :

चांद दिखने के बाद अब ईद की तैयारियां जोरों पर हैं। ईद की तैयारियों के बीच बाजारों में खरीदारी का माहौल गर्म है। दिल्ली के चांदनी चौक और लखनऊ के अमीनाबाद जैसे बाजारों में देर रात तक लोग खरीदारी करते नजर आए। बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर कोई इस त्योहार को लेकर उत्साहित है। कल सुबह देशभर की मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की जाएगी, जिसके बाद लोग एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद देंगे। यह त्योहार न सिर्फ खुशियां बांटने का मौका है, बल्कि समाज में एकता और प्रेम का संदेश भी देता है।

**मुस्लिम समुदाय के लिए बेहद खास है ईद** :

ईद-उल-फितर का त्योहार मुस्लिम समुदाय के लिए बेहद खास होता है। यह रमजान के महीने भर के रोजे पूरे होने के बाद खुशी और भाईचारे का प्रतीक है। लोग नए कपड़े पहनते हैं, एक-दूसरे से गले मिलते हैं और स्वादिष्ट पकवान जैसे सेवइयां, बिरयानी और शीर खुरमा बनाकर इस दिन को खास बनाते हैं। दिल्ली और लखनऊ के अलावा, देश के अन्य हिस्सों जैसे कोलकाता, मुंबई और हैदराबाद से भी चांद दिखने की खबरें मिल रही हैं।

## घर के बाहर खेल रहे भाई-बहन ने पिया पानी, दोनों की अचानक मौत

हमीरपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में रविवार को घर के बाहर खेल रहे मासूम भाई और बहन प्यास लगने पर बोतल में भरा पानी पी लिया, जिससे दोनों की हालत गंभीर हो गई। आशंका है कि बोतल में जहरीला कीटनाशक रखा हुआ था। सदर अस्पताल की इमरजेंसी में डॉक्टरों ने देखते ही दोनों मासूमों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना से मां सदमें में है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के भेजा है।

दिल को झंकझोर कर रखने वाली यह घटना हमीरपुर जिले के बिंवार कस्बे के कुम्हरगढ़ मुहाल में हुआ। राघवेन्द्र प्रजापति अपने परिवार समेत यहां काफी समय से रह रहा है, उसकी पत्नी सुमन अपने एक साल के बच्चे को कपड़े पहना रही थी। वहीं बेटा शिवम और बेटी शालू उर्फ शालिनी घर के बाहर खेल रहे थे। खेलते समय इन दोनों मासूमों को प्यास लगी तो पास में रखी बोतल से पानी पी लिया। इसी बीच मां ने दोनों बच्चों को नहलाने के लिए बुलाया। जैसे ही मासूम बच्चों को नहलाने लगी तो दोनों मासूम उल्टियां करने लगे।

# जीएम ने मलकाजगिरी रेलवे स्टेशन उन्नयन कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने चल रहे उन्नयन कार्यों की स्थिति की समीक्षा करने के लिए मलकाजगिरी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ हैदराबाद डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद थे। अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत, मलकाजगिरी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास लगभग 27.61 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है ताकि आधुनिक यात्री सुविधाएं प्रदान की जा सकें और उन्हें विकास केंद्रों में परिवर्तित किया जा सके।

कुल मिलाकर, प्रस्तावित कार्यों में से 70 प्रतिशत अब तक पूरे हो चुके हैं। साथ ही सभी कार्य तेजी से प्रगति पर हैं और इस वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य है। महाप्रबंधक ने विभिन्न उन्नयन कार्यों और स्टेशन के अग्रभाग, 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज

(एफओबी) के निर्माण के साथ-साथ लिफ्ट और एस्केलेटर आदि के प्रावधान जैसे सुधारों की समीक्षा की।

उन्होंने वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टॉल का भी दौरा किया और बेचे जा रहे विभिन्न उत्पादों के बारे में विक्रेता से बातचीत की। उन्होंने यात्रियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हैदराबाद डिवीजन के अधिकारियों द्वारा किए गए व्यापक उपायों की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुनर्विकास कार्यों के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षा संवर्द्धन और यात्री सहायता पहल प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे में संशोधन किया जाए। प्रस्तावित उन्नयन कार्य स्टेशन भवन के अग्रभाग में सुधार प्रवेश द्वार पोर्टिको का प्रावधान है। यात्रियों की सुविधा के लिए 03 लिफ्ट और 03 एस्केलेटर के प्रावधान के साथ 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म पर अतिरिक्त कवर का प्रावधान, मौजूदा शौचालयों में सुधार, दिव्यांगजन सुविधाओं सहित नए शौचालय ब्लॉकों का निर्माण, प्रतीक्षालय में सुधार, परिसंचार क्षेत्र में भूनिर्माण, यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए परिसंचार क्षेत्र में सुधार, स्टेशन क्षेत्र में कला और संस्कृति का चित्रण, यात्री अनुकूल संकेत, ट्रेन संकेत बोर्ड, कोच संकेत बोर्ड आदि का प्रावधान है।

# जस्टिस वर्मा विवाद के बीच कांग्रेस ने की न्यायिक जवाबदेही की वकालत

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के एक जज के घर पर करोड़ों रुपये मिलने की खबरों और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट्स कमीशन (एनजेएसी) को फिर से शुरू करने की बात के बीच, कांग्रेस पार्टी ने न्यायिक जवाबदेही पर एक बिल लाने का संकेत दिया है। हालांकि, कांग्रेस किसी भी ऐसे कानून का समर्थन करने से बच रही है जिससे सरकार को जजों की नियुक्ति पर नियंत्रण मिल जाए। पार्टी चाहती है कि जजों की नियुक्ति के लिए कोई ऐसा तरीका निकाला जाए जिसमें सरकार का दखल न हो।

**क्या कांग्रेस भी एनजेएसी के पक्ष में** :

कांग्रेस के कई नेताओं का मानना है कि मौजूदा कॉलेजियम सिस्टम ठीक से काम नहीं कर रहा है, लेकिन वे यह भी मानते हैं कि एनजेएसी को लागू करने से न्यायपालिका की स्वतंत्रता खतरे में पड़ सकती है। पार्टी का कहना है कि सरकार को एक बेहतर एनजेएसी बिल लाना चाहिए जिस पर सभी लोग मिलकर विचार कर सकें। कांग्रेस के नेता न्यायिक जवाबदेही पर भी जोर दे रहे हैं, ताकि गलत काम करने वाले जजों पर कार्रवाई की जा सके।

**जज के नकदी मिलने के बाद नई बहस शुरू** :

हाल ही में, एक हाई कोर्ट के जज के घर पर करोड़ों रुपये की नकदी मिलने की खबर आई थी। इसके बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एनजेएसी को फिर से शुरू करने की बात कही। इससे जजों की नियुक्ति को लेकर एक बार फिर बहस शुरू हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने कहा है कि वह न्यायिक जवाबदेही पर एक बिल का समर्थन करेगी। लेकिन वह किसी भी ऐसे कानून का समर्थन नहीं करेगी जिससे सरकार को जजों की नियुक्ति पर नियंत्रण मिल जाए।

**कांग्रेस ने 2014 में भी किया था बिल का समर्थन** :

कांग्रेस ने 2014 में एनजेएसी बिल का समर्थन किया था। तब संसद ने इसे पास भी कर दिया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अक्टूबर 2015 में इस कानून को रद्द कर दिया था।

पिछले हफ्ते, धनखड़ ने राज्यसभा के नेताओं के साथ एक बैठक में इस मुद्दे को फिर से उठाया। विपक्ष के कई लोगों का मानना है कि उपराष्ट्रपति यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि जजों की नियुक्ति के लिए बने कोलेजियम सिस्टम पर अलग-अलग पार्टियों का क्या रुख है। एनजेएसी का मकसद इसी कोलेजियम सिस्टम को बदलना था।

**खड़गे ने कांग्रेस नेताओं से ली सलाह** :

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने धनखड़ के साथ बैठक से पहले पार्टी के कुछ बड़े नेताओं से सलाह ली थी।

कुछ नेताओं ने खड़गे को बताया कि पार्टी को सैद्धांतिक रूप से इस बात से सहमत होना चाहिए कि कॉलेजियम सिस्टम के बदले कोई और तरीका निकाला जाना चाहिए। लेकिन इस पर सरकार का नियंत्रण नहीं होना चाहिए।

# भाग्य नगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति कार्यालय का उद्घाटन

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाग्य नगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवत राव, महामंत्री गोविंद नारायण राठी ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि बाहेतीभवन में उत्सव समिति कार्यालय का उद्घाटन भगवान श्रीराम जी की पूजा समिति के सदस्य करोड़ीमल नरसिंह पुरिया द्वारा किया गया। भगवान श्रीराम की पूजा मंदिर के पुजारी राजू महाराज ने विधिपूर्वक करवाया उगादि के शुभ अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष वैकुंठम द्वारा गौ माता की पूजा की और पछाड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। गोविंद राठी ने कहा कि 2010 से रामनवमी की शोभायात्रा बड़ी धूमधाम से निकाली जा रही है। शोभायात्रा के दौरान अलग-अलग महात्माओं का प्रवचन होता है। उन्होंने ने कहा कि पुलिस

प्रशासन द्वारा अच्छी व्यवस्था की जा रही है। परंतु म्युनिसिपल डिपार्टमेंट द्वारा पूरा सहयोग नहीं मिलता।

समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवत राव ने कहा कि सनातन धर्म को बचाने के लिए शोभायात्रा अति आवश्यक है समिति के कोषाध्यक्ष राम व्यास ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर डॉक्टर भगवत राव गोविंद राठी एम वेंकुनतम, डॉक्टर मोहन गुप्ता करोड़ीमल नरसिंहपुरिया कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल कमल सिंह राजेश सिंह नटराज नामधारी गोलकुंडा के अध्यक्ष उमा महेंद्र अशोक गांधी मुरली विपिन रामावत रामू विजू अश्विन सुमित राठी परमेश्वरी सिंह पवन मिश्रा संजय गनाते वेंकटेश गोड श्रीमती अरुणा ज्योति रघुनंदन यादव चिंता सममूर्ति निरंजन यादव नवल सांखला संतोष दर्शन बंगारू सुधीर राजेश शर्मा संतोष शर्मा वही कृष्णा राकेश श्रीमती संगीता जुगल सोनी श्रीनिवास रवि आदि उपस्थित रहे।

सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा श्री आईमाताजी मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के प्रथम दिवस पर पूजा-अर्चना व हवन- यज्ञ कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, सलाहकार जसवन्त देवड़ा, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पंवार, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, मांगीलाल चोयल, आनन्द राठौड़, महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, सुगनाबाई हाम्बड़, जीमनीबाई पंवार, व समाज बन्धु।

## साइबराबाद पुलिस ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय ने आयुक्त कार्यालय के मुख्य सम्मेलन हॉल में तीन सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित करने के लिए एक गरिमापूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने की, जिन्होंने विभाग के लिए अधिकारियों की उल्लेखनीय सेवा और योगदान को स्वीकार किया। समारोह के दौरान, आयुक्त ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को उनके पेंशन दस्तावेज प्रदान किए और उनके पूरे करियर में उनके अटूट समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कानून और व्यवस्था बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाओं और विभाग के विकास और दक्षता में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला।

हिंदू नववर्ष समारोह उगादि पर जामबाग डिवीजन हिंदी नगर खेल परिसर में भाजपा नेता एवं जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल और उमा महेंदर अध्यक्ष गोलकुंडा जिला, श्रीनिवास यादव, अमरसिंह, सुधीर, मयूर, रघु, रामकृष्ण, संदीप, विजय, वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता।

मेडचल रोड कालाकल स्थित या देवी श्री आईजी गौशाला में शनि अमावस्या को गौसेवा करते हुए तराराम पंवार, सोहनलाल, मोहनलाल, चुन्नी लाल, मुकेश कुमार, सुरेश कुमार, जयंतीलाल, अशोक, सुरेश देवड़ा, राजेंद्र कुमार अन्य।

## लड़का पैदा करने के लिए... एलन मस्क की बेटी ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। एलन मस्क की बेटी विवियन विल्सन ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कई बड़े आरोप लगाए हैं। अपने पिता के व्यवहार, मंगल ग्रह को बसाने की योजनाओं और गेमिंग कौशल के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने टेक अरबपति की मंगल ग्रह को बसाने की योजनाओं को 'मार्केटिंग स्कीम' बताया। साथ ही उन्हें 'असुरक्षित बेवकूफ' भी कहा। विवियन जेना विल्सन ट्रांसजेंडर हैं। उन्होंने खुलकर अपनी बात रखी है। वह हसन पिकर के लाइव स्ट्रीम में शामिल हुईं। एलन मस्क के गेमिंग कौशल के बारे में बात की। उन्होंने टेस्ला को पोंजी स्कीम भी बताया। विवियन ने खुद को 'टीन नेपो बेबी' बताया। ऑनलाइन मिलने वाली नफरत के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि एलन मस्क लड़के के लिए सेक्स-सेलेक्टिव आईवीएफ का इस्तेमाल करते हैं। अपने पिता को बेहद बुरा आदमी बताया। अपने पिता को 'फासीवादी' भी करार दिया।

विवियन जेना विल्सन ने अपने पिता एलन मस्क के बारे में कई बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता लड़के पैदा करने के लिए सेक्स-सेलेक्टिव आईवीएफ का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि टेस्ला पोंजी स्कीम की तरह काम करती है। विवियन ने अपने पिता की मंगल ग्रह को बसाने की योजना को भी मार्केटिंग स्टंट बताया। उन्होंने कहा कि यह कभी नहीं होगा। विवियन ने अपने पिता को 'नार्सिसिस्ट' और 'फासीवादी' भी कहा।

एलन मस्क की बेटी विवियन विल्सन ने अपने पिता के बारे में कई चौंकाने वाली बातें कही हैं। विवियन ने कहा कि उनके पिता हमेशा से ही दक्षिणपंथी रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके ट्रांसजेंडर होने से उनके पिता के राजनीतिक विचारों पर कोई असर नहीं पड़ा है।

**कौन हैं विवियन विल्सन** :

विवियन विल्सन एलन मस्क की बेटी हैं। वह एक ट्रांसजेंडर महिला हैं। 2022 में उन्होंने कानूनी रूप से अपना नाम बदलकर विवियन विल्सन कर लिया। उन्होंने अपनी मां का उपनाम विल्सन इसलिए रखा क्योंकि 2008 में मस्क और उनकी पहली पत्नी जस्टिन का तलाक हो गया था।

विवियन विल्सन ने हाल ही में टीन वोग को दिए इंटरव्यू में अपने पिता को बहुत बुरा-भला कहा। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पिता या उनकी दौलत से डर नहीं लगता है। उन्होंने कहा, मुझे इस आदमी से क्यों डरना चाहिए? क्योंकि वह अमीर है? ओह, नहीं, मैं कांप रही हूं।

मंगल ग्रह बसाने की योजना मार्केटिंग स्कीम :

विवियन ने अपने पिता की मंगल ग्रह को बसाने की योजना की आलोचना करते हुए कहा, यह नहीं होने वाला है, दोस्तों... यह एक मार्केटिंग स्कीम है जिस पर हर कोई किसी तरह विश्वास कर बैठा, जबकि इसे गूगल सर्च से भी गलत साबित किया जा सकता है। उन्होंने टेस्ला के बारे में कहा, यह अनिवार्य रूप से अनुपातहीन होने वाला है। यह एक कार कंपनी नहीं है, यह एक पोंजी स्कीम है। उन्होंने यह बात स्ट्रीमर पिकर से बात करते हुए कही।

जीडिमेटला स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) के तत्वावधान में चैत्र नवरात्रि महोत्सव के तहत रविवार को हवन का आयोजन किया गया। शुभ मुहूर्त में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ हवन में आहुति दी। अवसर पर उपस्थित मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, प्रेम पंवार, सोहनलाल परिहार, भंवरलाल काग, राजुराम बर्फा, भंवरलाल मुलेवा, भुडाराम बर्फा, सोहनलाल, जसाराम लचेटा, सोहनलाल हाम्बड़, थानाराम पंवार, हेमन्त काग महिला मंडल सुनीता हाम्बड़, कमला देवी पंवार, प्रेमा लचेटा आदि उपस्थित रहे।

## प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

### 'जहां सेवा कार्य,...

उन्हें रोगों की जांच के लिए सैकड़ों किलोमीटर दूर नहीं जाना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि संघ सेवा के इस पवित्र तीर्थ नागपुर में आज हम एक पूज्य संकल्प के सेवा विस्तार के साक्षी बन रहे हैं। अभी हमने माधव नेत्रालय के कुल गीत में सुना, अध्यात्म, ज्ञान, गौरव गुरुता का ये अद्भुत विद्यालय है, मानवतारत है ये सेवा मंदिर कण कण में देवालय है। माधव नेत्रालय एक ऐसा संस्थान है जो अनेक दशकों से पूज्य गुरुजी के आदर्शों पर लाखों लोगों की सेवा कर रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि हम अपने देश का इतिहास देखें तो सैकड़ों वर्षों की गुलामी, इतने आक्रमण, भारत की सामाजिक संरचना को मिटाने की इतनी क्रूर कोशिशें, लेकिन भारत की चेतना कभी समाप्त नहीं हुई, उसकी लौ जलती रही। कठिन से कठिन दौर में भी भारत में चेतना को जागृत रखने वाले नए-नए सामाजिक आंदोलन होते रहे। भक्ति आंदोलन का उदाहरण हम सभी को पता है। मध्यकाल के उस कठिन कालखंड में हमारे संतों ने भक्ति के विचारों से हमारी राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी।

उन्होंने कहा कि हमारा शरीर परोपकार के लिए ही है, सेवा के लिए ही है और जब ये सेवा संस्कारों में आ जाती है तो सेवा ही साधना बन जाती है। यही साधना तो हरेक स्वयंसेवक की प्राणवायु होती है। ये सेवा संस्कार, ये साधना, ये प्राणवायु... पीढ़ी दर पीढ़ी हर स्वयंसेवक को तप-तपस्या के लिए प्रेरित कर रही है। ये सेवा साधना हर स्वयंसेवक को निरंतर गतिमान रखती है, ये कभी थकने और रुकने नहीं देती है। हम देव से देश और राम से राग के जीवन मंत्र लेकर चले हैं। अपना कर्तव्य निभाते चलते हैं। इसलिए बड़ा छोटा कैसा भी काम हो, कोई भी क्षेत्र हो... संघ के स्वयंसेवक नि:स्वार्थ भाव से काम करते हैं।

### अमित शाह के सामने...

इसके साथ-साथ वह मिथिला के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट मखाना प्रोसेसिंग सेंटर का भी ऑनलाइन उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि आज बिहार में बहुत अच्छे से काम हो रहा है। कभी कोई इतना नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि महिलाएं अब कितनी अच्छी तरीके से काम कर रही हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिना नाम लिए हुए राजद पर हमला करते हुए कहा कि आज तक कोई कुछ किया है? कुछ नहीं किया। शुरू से तो हमलोग काम करवा रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 के पहले लोग शाम होने के बाद घर से निकलने से भी डरते थे। सड़कें भी नहीं थीं। यहां तक कि हिंदू-मुस्लिम में भी खूब झगड़े होते थे, लेकिन हमने सबकुछ ठीक कर दिया। अब कहीं भी हिन्दू-मुस्लिम में झगड़े नहीं होते हैं।

सारे कब्रिस्तानों की घेराबंदी करवा दी। पहले न तो स्कूल में पढ़ाई होती थी और न ही शिक्षा आते थे, लेकिन अब देखिये सभी जगहों पर शिक्षकों की बहाली करवाकर स्कूल की व्यवस्था को बेहतर कर दिया। पहले क्या स्थिति थी। पहले स्वास्थ्य व्यवस्था की कैसी हालत थी?

बिहार समाज सेवा संघ के सभी सदस्यों ने हनुमान जयंती के आयोजन पर बैठक की। बैठक में अध्यक्ष दीपक सिंह, पान बाजार अध्यक्ष संतोष यादव, हसमतपेट से सुनील कामत, रानीगंज के बबलू ओझा, मुकेश कामत, विनय सिंह व अन्य

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# हार्दिक पंड्या पर 12 लाख का जुर्माना

## गुजरात के खिलाफ स्लो ओवर रेट के कारण मिली सजा; बैन के कारण पहला मैच नहीं खेले थे

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर फिर वह मामला बन गया है, जिसके कारण उन्हें पिछले मैच में बैन का सामना करना पड़ा था. गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण उन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है. आधिकारिक बयान के अनुसार, यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत उनकी टीम का सीजन का पहला मामला है, जो न्यूनतम ओवर-रेट से संबंधित है. इसी वजह से पंड्या पर यह आर्थिक दंड लगाया गया.

18वें सीजन के अपने पहले मैच में हार्दिक को फिर उसी मामले ने घेर लिया. उन्होंने आखिरी ओवर की शुरुआत देर से की. जिसकी वजह से उन्हें इस बार मैच फीस के दंड का सामना करना पड़ रहा है. आईपीएल की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक हार्दिक और एमआई के इस सीजन का यह पहला अपराध है, इसलिए

केवल 12 लाख का जुर्माना लगाकर छोड़ा जा रहा है. इससे पहले, हार्दिक पंड्या ने मुंबई इंडियंस के पहले मैच में हिस्सा नहीं लिया था, क्योंकि आईपीएल 2024 के आखिरी मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ धीमी ओवर गति के कारण उन्हें निलंबित कर दिया गया था.

आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले, लीग की गवर्निंग काउंसिल ने खेल की शर्तों में बदलाव किए थे. नए नियम के मुताबिक कप्तान को बैन नहीं किया जाएगा. इसकी जगह धीमी ओवर गति से संबंधित एक नया आचार संहिता भी शामिल किया गया. इस नए नियम के तहत एक डिमेरिट पॉइंट सिस्टम और निलंबन अंक लागू किए गए हैं, जो 36 महीने तक वैध रहेंगे. इस बार जो फाइन लगा है इस हार्दिक पांड्या की ओर से अभी कोई टिप्पणी नहीं आई है.

बैन पर हार्दिक पंड्या पहले ही अपनी राय व्यक्त कर चुके हैं. उन्होंने कहा था कि धीमी ओवर गति के कारण उन पर लगा प्रतिबंध दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि उनकी टीम ने अंतिम ओवर को केवल 2-2.5 मिनट की देरी से फेंका था. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस नियम को अगले सत्र तक जारी रखना है या नहीं, यह फैसला उच्च अधिकारियों पर निर्भर करता है.

गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेले गए इस मैच में मुंबई इंडियंस को 36 रनों से हार का सामना करना पड़ा था, क्योंकि टीम 197 रनों के लक्ष्य को हासिल करने में विफल रही. फिलहाल, मुंबई इंडियंस अंक तालिका में 0 अंकों के साथ नौवें स्थान पर है. टीम को अपनी पहली जीत की तलाश है और उनका अगला मुकाबला 31 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा.

# दिल्ली की लगातार दूसरी जीत

## स्टार्क और डुप्लेसी के आगे सनराइजर्स का सरेंडर

विशाखापट्टणम, 30 मार्च (एजेंसियां)। स्टार्क और डुप्लेसी के आगे सनराइजर्स का सरेंडर, दिल्ली की लगातार दूसरी जीत

दिल्ली कैपिटल्स ने 2 मैच में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है और अक्षर पटेल की कप्तानी में नए सीजन का जोरदार आगाज किया है. वहीं पिछले सीजन की फाइनलिस्ट सनराइजर्स हैदराबाद को 3 मैच में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा है.

नए कप्तान अक्षर पटेल के नेतृत्व में दिल्ली कैपिटल्स का आईपीएल 2025 में दमदार प्रदर्शन जारी है. पहले मैच में आखिरी ओवर में जीत हासिल करने वाली दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार दूसरे मैच में जीत दर्ज कर ली है. विशाखापट्टनम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली ने पिछले सीजन की फाइनलिस्ट सनराइजर्स हैदराबाद को एकतरफा अंदाज में 7 विकेट से रौंद दिया. दिल्ली की इस जीत के स्टार रहे ऑस्ट्रेलियाई

तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, जिन्होंने 35 साल की उम्र में 5 विकेट लेकर सनराइजर्स की विस्फोटक बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया. वहीं 41 साल के बल्लेबाज फाफ डुप्लेसी ने धुआंधार अर्धशतक जमाकर 164 रन के लक्ष्य को आसान बना दिया.

अपने दूसरे होम ग्राउंड विशाखापट्टनम में पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को 1 विकेट से हराने के बाद दिल्ली ने यहां दूसरे मैच में धमाकेदार जीत दर्ज की. रविवार 30 मार्च को खेले गए इस मुकाबले मे सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया था लेकिन पावरप्ले में ही टीम का खेल बिगड़ गया था और इसके जिम्मेदार रहे दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई पेसर स्टार्क. पारी के पहले ओवर में ही अभिषेक शर्मा रन आउट हो गए थे और इसके बाद हैदराबाद की पारी संभल ही नहीं पाई.

# लखनऊ में जीतना चाहेगा सुपरजायंट्स, दोनों टीमों ने जमकर बहाया पसीना

## मंगलवार को होना है मुकाबला

लखनऊ, 30 मार्च (एजेंसियां)। नए मेंटर (जहीर खान) और नए कप्तान (ऋषभ पंत) बीते साल आईपीएल में खराब प्रदर्शन करने वाली लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) की टीम नए कलेवर के साथ लीग के 17वें संस्करण में उतर चुकी हैं। दो मैच में एक जीत और एक हार के बाद अब टीम प्रबंधन की नजरें अपने होम ग्राउंड (इकाना स्टेडियम) पर हैं, जहां बेहतर प्रदर्शन पर टीम को प्लेऑफ का टिकट मिलेगा।

ऐसे में यहां होने वाले सभी सात मुकाबलों में मेजबान टीम को अधिक से जीत का लक्ष्य लेकर उतरना होगा। घरेलू समर्थन और युवाओं में ऋषभ पंत की लोकप्रियता एलएसजी के लिए मुश्किले कम कर सकती हैं।

हालांकि इकाना स्टेडियम में सातों मुकाबले आसान नहीं होने वाले हैं। टीम को पंजाब किंग्स (एक अप्रैल), गुजरात टाइटंस (12 अप्रैल), सनराइजर्स हैदराबाद (नौ मई) के अलावा रोहित एंड कंपनी (मुंबई इंडियंस- चार अप्रैल), माही आर्मी (चेन्नई सुपरकिंग्स- 14 अप्रैल), विराट सेना (रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू- नौ मई) और से दो-दो हाथ करने होंगे।

बताते चले कि इकाना स्टेडियम में वर्ष 2022 और 2023 में लखनऊ सुपरजायंट्स ने कुल 14 लीग मैच खेले हैं। वर्ष 2022 में टीम ने तीन मैच जीते, जबकि तीन में टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा एक मैच बारिश के चलते धुल गया था। वर्ष 2023 में एलएसजी ने चार मुकाबलों में जीत दर्ज की, जबकि तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा।

सुपरजायंट्स और किंग्स ने बहाया पसीना

आईपीएल के 18वें संस्करण के तहत अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में पहला मैच एक अप्रैल को लखनऊ सुपरजायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होना है। इस मुकाबले के लिए दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में भाग लिया। पहले मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत से आगाज करने वाली पंजाब टीम के नए कप्तान श्रेयस अय्यर, मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस ने नेट्स पर लंबे शॉट जमाए, जबकि टीम के स्टार गेंदबाज अर्शदीप सिंह और अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने गेंद डाली। दूसरी ओर लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से कप्तान ऋषभ पंत, निकोलस पूरन, मिचेल मार्श ने लंबे शॉट का अभ्यास किया, जबकि गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर, रवि बिश्नोई ने काफी देर तक पसीना बहाया। दोनों ही टीमों ने स्टेडियम के बी ग्राउंड में नेट्स पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। मुख्य स्टेडियम में फील्डिंग के अलावा दोनों टीमों को नेट्स उपलब्ध कराया गया, जहां बल्लेबाज लंबे शॉट जमा सके।

# डब्लयूटीटी के अंतिम-16 मैच में हार के साथ शरत कमल ने पेशेवर टीटी करियर को कहा अलविदा, हुए भावुक

चेन्नई, 30 मार्च (एजेंसियां)। डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में हमवतन स्नेहित सुरवज्जुला से हारने के साथ खत्म हो गया। शरत के खिलाफ वाइल्ड कार्ड धारक स्नेहित ने लगातार तीन गेम में 11-9, 11-8, 11-9 से जीत दर्ज की।

शरत ने बाद में मिस्र के उमर अस्सार के खिलाफ एक प्रदर्शनी मैच खेला जिसमें दर्शकों को उनके असाधारण कौशल की एक और झलक देखने को मिली। शरत ने अपने विदाई संबोधन में कहा, 'कहीं ना कहीं मुझे लगा कि यह काफी है और मैं कोर्ट के दूसरी तरफ से खेल को कुछ वापस देने की संभावना तलाशना चाहता था।' 42 वर्षीय शरत ने कहा कि वह प्रशासनिक भूमिका निभाना चाहेंगे। उन्होंने कहा, 'मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर अपना काम कर दिया है, मुझे लगता है कि मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर देश के लिए काफी योगदान दिया है और मैं एक प्रशासक, या एक कोच, एक मेंटर या फिर एक वरिष्ठ खिलाड़ी के तौर पर भी योगदान देना चाहता हूं।'

शरत कमल ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में टेबल टेनिस के पुरुष एकल में 16 साल बाद स्वर्ण जीता था। इससे पहले उन्होंने 2006 में पुरुष एकल में स्वर्ण

जीता था। शरत का यह राष्ट्रमंडल खेलों में कुल सातवां स्वर्ण पदक रहा था। बर्मिंघम में तीन स्वर्ण के अलावा शरत ने 2006 में पुरुष एकल और पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण, 2010 में पुरुष युगल में स्वर्ण और 2018 में पुरुष टीम इवेंट में स्वर्ण जीता था। इसके अलावा वह 2010 में दो कांस्य, 2014 और 2018 में एक-एक रजत और 2022 में एक रजत जीत चुके हैं। शरत ने राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 13 पदक जीते हैं।

# पुरुष फ्री स्टाइल पहलवानों के लिए अच्छा नहीं रहा दिन, पांच भारतीय चैंपियनशिप से बाहर

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों के लिए दिन अच्छा नहीं रहा है और पांच भारतीय पहलवान एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप से बाहर हो गए। 65 किग्रा वर्ग में सुजीत कलाल ने अच्छी शुरुआती फलस्तीन के अब्दुल्लाह असफ को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया था, लेकिन वह जापान के काएसेई तनाबे की चुनौती से पार नहीं पा सके।

चोट के कारण रेपचेज का फायदा नहीं उठा पाए सुजीत

सुजीत के पास रेपचेज के द्वारा पदक की दौड़ में आने का मौका था क्योंकि तनाबे फाइनल में पहुंचने में सफल रहे थे, लेकिन सुजीत चोट के कारण कुश्ती मैट पर नहीं आ सके। इसी तरह विशाल कालीरमन का भाग्य उन्हें हराने वाले मंगोलिया के प्रतिद्वंद्वी तुलगा तुमुर ओचिर के हाथों में

था। विशाल अपना पहला मुकाबला 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता के खिलाफ 0-8 से हार गए थे।

विशाल-चिराग भी हारे

ओचिर का सामना 65 किग्रा के सेमीफाइनल में ताजिकिस्तान के विक्टर रसादिन के खिलाफ था जिनसे वह हार गए जिससे विशाल भी प्रतियोगिता से बाहर हो गए। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत की अनुपस्थिति में 57 किग्रा में प्रतिस्पर्धा करते हुए चिराग एक भी अंक हासिल नहीं कर सके और अल्माज स्मानबेकोव के खिलाफ उन्हें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा। किर्गिस्तान का पहलवान इसके बाद क्वार्टर फाइनल में हार गया जिससे चिराग का भी प्रतियोगिता में सफर खत्म हो गया।

दीपक पूनिया से उम्मीद

चंद्रमोहन 79 किग्रा वर्ग में ताजिकिस्तान के मैगोमेट एवलोव के खिलाफ हार गए जिन्हें बार में सेमीफाइनल में हार का सामना करना भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों ने दो पदक जीते, जबकि 10 महिला पहलवानों में से छह ने पदक जीते जिसमें मनीषा भानवाला का 62 किग्रा में स्वर्ण और रीतिका हुड्डा का 76 किग्रा में रजत शामिल है। रविवार को प्रतियोगिता का अंतिम दिन है और शेष पांच पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवान यह सुनिश्चित करना चाहेंगे कि भारत का सफर इस वर्ग में पदक के बिना समाप्त नहीं हो। भारत की उम्मीदें 2019 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया पर टिकी हैं जो 92 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

# नूपुर श्योराण का भिवानी में जोरदार स्वागत

## गोल्ड मेडल के साथ घर वापसी

भिवानी, 30 मार्च (एजेंसियां)। हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप में हरियाणा की बेटियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में कुल 10 वेट कैटेगरी थीं, जिनमें से 9 गोल्ड मेडल हरियाणा की बेटियों ने जीते और इनमें से 5 गोल्ड मेडल अकेले भिवानी की बेटियों के नाम रहे। इन विजेताओं में एक प्रमुख नाम था, नूपुर श्योराण, जिन्होंने 80+ वेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता

मनीषा ने पहला स्वर्ण जीता, अंतिम ने वापसी पर कांस्य पदक जीताभारत ने आईटीएफ मास्टर्स विश्व टेनिस चैंपियनशिप में चार पदक जीते

हाल ही में ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप में हरियाणा की बेटियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में कुल 10 वेट कैटेगरी थीं, जिनमें

से 9 गोल्ड मेडल हरियाणा की बेटियों ने जीते और इनमें से 5 गोल्ड मेडल अकेले भिवानी की बेटियों के नाम रहे। इन विजेताओं में एक प्रमुख नाम था, नूपुर श्योराण, जिन्होंने 80+ वेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता और पांचवीं बार राष्ट्रीय चैंपियन बनीं। नूपुर श्योराण के भिवानी लौटने पर उनका शानदार स्वागत किया गया।

इस दौरान मीडिया से बात करते हुए नूपुर ने कहा कि यह मेरी पांचवीं राष्ट्रीय चैंपियनशिप है और मुझे इस उपलब्धि पर बहुत गर्व है। अब मेरी नजरें वर्ल्ड चैंपियनशिप पर हैं, जो सितंबर में इंग्लैंड में होगी। उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा की बेटियां विशेष होती हैं, लड़ना और जीतना हमारे डीएनए में है। इस दौरान नूपुर ने सरकार द्वारा खिलाड़ियों के लिए की जा रही योजनाओं की सराहना की और कहा कि इस तरह की योजनाएं खेलों को बढ़ावा देती हैं और खिलाड़ियों को उनके सपने साकार करने का अवसर प्रदान करती हैं।

वहीं, नूपुर के पिता और कोच संजय श्योराण ने कहा कि मेरे पिता, मैं और मेरी बेटी, तीन पीढ़ियां बॉक्सिंग में हैं और यह एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस चैंपियनशिप में नूपुर और उनकी दूसरी शिष्या पूजा बोहरा ने गोल्ड मेडल जीते हैं। अब नूपुर वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारी में जुटेंगी।

भिवानी, जिसे मिनी क्यूबा के नाम से जाना जाता है, के बॉक्सिंग खिलाड़ियों ने हमेशा से ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। इस बार भी भिवानी की बेटियां पूरी दुनिया में अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं।

राष्ट्रीय महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप में हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 गोल्ड मेडल जीते। इनमें से 5 गोल्ड मेडल अकेले भिवानी की बेटियों ने जीते हैं, जो इस इलाके की बॉक्सिंग के प्रति लगन और मेहनत को दर्शाता है। इस सफलता के बाद, नूपुर श्योराण समेत अन्य खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया, और हरियाणा के लोगों ने गर्व महसूस किया कि उनकी बेटियाँ खेल जगत में एक नया इतिहास रच रही हैं।

# कौन हैं 48 साल के जोबी मैथ्यू, जिनका पीएम मोदी की 'मन की बात' में हुआ जिक्र? पैरालंपिक्स पर नजर

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। 'मन की बात' के 120वें एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी ने खेल और खिलाड़ियों से जुड़ी बातें कीं। इस दौरान उन्होंने एक पैरा एथलीट के पत्र का भी जिक्र किया। इस खिलाड़ी का नाम है जोबी मैथ्यू। पीएम ने कहा, 'इस बार के खेलो इंडिया पैरा गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले आर्म रेसलर जोबी मैथ्यू ने मुझे चिट्ठी लिखी है।' पीएम मोदी ने कहा कि वह जोबी के पत्र के कुछ हिस्सों को पढ़कर सुनाना चाहते हैं।

पीएम ने पत्र में जोबी के लिखे शब्दों को पढ़कर सुनाया, 'पदक जीतना बेहद खास होता है, लेकिन हमारा संघर्ष सिर्फ पोडियम पर खड़े होने तक सीमित नहीं है। हम हर रोज एक लड़ाई लड़ते हैं। जीवन कई तरीकों से हमारी परीक्षा लेता है। बहुत कम लोग हमारे संघर्ष को समझ पाते हैं। इसके बावजूद हम साहस के साथ आगे बढ़ते हैं। हम अपने सपनों को पूरा करने में जुटते हैं। हमें यह विश्वास रहता है कि हम किसी से कम नहीं हैं।' पीएम मोदी ने जोबी के पत्र की तारीफ करते हुए कहा, 'वाह जोबी मैथ्यू! आपने कमाल लिखा है। अद्भुत लिखा है। इस पत्र के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैं जोबी मैथ्यू और हमारे सभी दिव्यांग साथियों से कहना चाहता हूं कि आपके प्रयास हमारे लिए बहुत बड़ी प्रेरणा हैं।'

**जोबी ने अलग मानक स्थापित किए**

यदि आप शारीरिक और मानसिक रूप से फिट हैं तो खेल में उम्र सिर्फ एक संख्या मानी जाती है। टाइगर वुड्स (49), महेंद्र सिंह धोनी (43) और क्रिस्टियानो रोनाल्डो (40) जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने अपने पेशेवर करियर में अपनी उम्र को किनारे करते हुए कड़ी मेहनत और इच्छाशक्ति की बदौलत सर्वोच्च खेल सम्मान हासिल किया है। ये खिलाड़ी अभी भी खेल रहे हैं। इसी तरह 48 साल के जोबी मैथ्यू ने भी पैरा खेलों में अलग मानक स्थापित किया है। जोबी केरल से ताल्लुक रखते हैं और पैरा पावरलिफ्टर हैं। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में जोबी ने 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। यह पहले संस्करण में उनके प्रदर्शन से बेहतर था, जब उन्होंने 59 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था।

अविकसित पैरों के साथ केरल के कोट्टायम में जन्मे जोबी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए चार स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीत चुके हैं। बहुमुखी प्रतिभा के धनी इस पैरा एथलीट ने हालांकि अविकसित पैरों को कभी अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया और पिछले 25 वर्षों से खेलों में सक्रिय बने हुए हैं। उनका सपना लॉस एंजेलिस 2028 पैरालंपिक खेलों में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना है और इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि वह तब तक 51 साल के हो जाएंगे।

जोबी प्रोक्सिमल फेमोरल फोकल डेफिशियेंसी से पीड़ित हैं। यह एक जटिल जन्म दोष जहां फीमर हड्डी का ऊपरी हिस्सा (जांघ में) या तो विकृत या अनुपस्थित होता है। इससे एक पैर दूसरे की तुलना में छोटा होता है। भारत पेट्रोलियम में एक प्रबंधक के रूप में काम करते हुए जोबी ने कभी अपनी कमियों को खेल के सामने नहीं आने दिया। उन्होंने पावरलिफ्टिंग में जाने से पहले शॉट पुट और डिस्कस थ्रो में हिस्सा लेने की भी कोशिश की। वह टेबल टेनिस में राष्ट्रीय स्तर पर पदक भी जीत चुके हैं।

'जैसा हूं, उसी में अपने लक्ष्यों को हासिल करने की कोशिश की'

जोबी ने साई मीडिया से कहा, 'मैं अपनी शारीरिक सीमाओं को नहीं बदल सकता, इसलिए मैंने अपने लक्ष्यों को हासिल करने की कोशिश की। 2010 में पैरा पावरलिफ्टिंग शुरू करने के बाद मैंने उसी वर्ष पंचकूला में आयोजित राष्ट्रीय पैरा खेलों में केरल के लिए अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा मैंने एक ही इवेंट में शॉट पुट और डिस्कस थ्रो दोनों में गोल्ड भी जीता। मैंने तब अपने राज्य के पदक जीतने की शुरुआत की थी, जब केरल में पैरा स्पोर्ट्स को मान्यता नहीं दी जाती थी।'

**2023 में अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुके थे जोबी**

जोबी ने बताया कि केरल सरकार ने पैरा स्पोर्ट्स को दिसंबर 2023 में ही मान्यता दी थी। तब तक वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुके थे। उन्होंने कहा, 'एक अंतरराष्ट्रीय पावरलिफ्टर के रूप में मैंने कोरिया 2022 में पैरा विश्व चैम्पियनशिप में भाग लिया। मैंने चार अलग-अलग वर्गों में पदक जीते थे। इनमें एशियाई स्वर्ण पदक (59 किग्रा), ओसियाना स्वर्ण पदक (59 किग्रा), सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट स्वर्ण (59 किग्रा) और कुल लिफ्ट स्वर्ण (59 किग्रा) में पहला स्थान हासिल किया था।'

**जोबी के लिए यह साल था कठिन**

अंतरराष्ट्रीय पैरा पावरलिफ्टर के रूप में अपने करियर के कठिन दौर को याद करते हुए जोबी ने कहा, 'कुल मिलाकर मैंने पांच अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं। मैंने चीन में 2023 एशियाई पैरा खेलों के लिए क्वालिफाई किया, लेकिन दुर्भाग्य से मैं एक अवैध मान्यता कार्ड के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सका। वह मेरे लिए बहुत दर्दनाक समय था।' जोबी के पास पेरिस 2024 पैरालिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने का एक शानदार अवसर था, लेकिन वह इसका खुलासा नहीं करना चाहते थे। हालांकि, उनकी नजरें अब लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले पैरालंपिक खेलों पर है।

# राज्यपाल ने राजस्थान के प्रसिद्ध किलों और महलों की प्रशंसा की

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा रविवार को हैदराबाद के राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित 'राजस्थान के स्थापना दिवस' समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल ने राजस्थान के स्थापना दिवस को मनाने पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने राज्य की अनूठी विशेषताओं पर प्रकाश डाला, जिसमें इसके सुंदर रंग-समन्वित शहर, अरावली पर्वतमाला के घर के रूप में इसका ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्व (भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे पुराने पहाड़) और प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता का एक महत्वपूर्ण स्थल कालीबंगन शामिल है। उन्होंने राजस्थान के प्रसिद्ध किलों और महलों की भी प्रशंसा की। राज्यपाल ने भारत सरकार की 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' पहल की सराहना की, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाती है और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने का लक्ष्य रखती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, राजभवन के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए। हैदराबाद में राजस्थानी समुदाय के कई सदस्यों ने भी समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

## उत्सव के दौरान विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी से सीएम के दौरे से पहले तनाव

नलगोंडा, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के रविवार को निर्धारित हुजूरनगर दौरे से पहले पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारियों से नलगोंडा और सूर्यपेट जिलों में उगादी उत्सव का माहौल खराब हो गया। रेवंत रेड्डी सरकार की विफलताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की आशंका में विपक्षी नेताओं और विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। सुबह की गिरफ्तारियों से पूरे जिले में तनाव फैल गया। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए कट्टंगुर में एमआरपीएस नेताओं और हुजूरनगर निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के बागी और विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिया गया।

## इमारत ढहने के मामले में इमारत मालिक श्रीपति गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम नगर पुलिस ने पिछले बुधवार को ढही एक निर्माणाधीन इमारत के मालिक श्रीपति श्रीनिवास को गिरफ्तार कर लिया है और स्थानीय अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। याद रहे कि इमारत ढहने से कस्बे के दो मजदूरों सीएच कामेश्वर राव और पडिसला उपेंद्र की मौत हो गई थी। श्रीपति पर आरोप था कि उन्होंने अधिकारियों से वैध अनुमति लिए बिना इमारत का निर्माण किया और स्थानीय ग्राम पंचायत अधिकारियों के नोटिस के बावजूद उन्होंने निर्माण जारी रखा। पुलिस ने श्रीपति (शेख मौलाना) और श्रीनिवास स्वाति के खिलाफ बीएनएस की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या के लिए सजा) के तहत मामला दर्ज किया और उन्हें श्रमिकों की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया।

श्रीपति ने 30 साल पुराने ढांचे की नींव पर लोगों से चंदा इकट्ठा करके निर्माण कार्य शुरू किया, जिसे कुछ समय पहले मंदिर में बदल दिया गया था। फंसे हुए मजदूरों को बचाने के लिए बचाव दल को तीन दिनों तक दिन-रात काम करना पड़ा, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

# तेलंगाना देश के लिए रोल मॉडल होगा : रेवंत रेड्डी

## वार्षिक बजट 2025-2026, 'उगादी पचड़ी' जैसे स्वादों का मिश्रण

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविंद्र भारती में उगादी समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के लोगों को 'विश्वावासु नाम' तेलुगु नववर्ष के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य में कल्याण और विकास का समान विकास हो और लोगों को रोजगार के भरपूर अवसर मिलें, ऐसी कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू विक्रमार्क भट्टी द्वारा प्रस्तुत वार्षिक बजट 2025-2026, 'उगादी पचड़ी' जैसे स्वादों का मिश्रण है। कृषि विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई और गरीब वर्गों को शिक्षा प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और कल्याण के लिए पर्याप्त धनराशि निर्धारित की गई। तेलंगाना राज्य को मजबूत विकास के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत की जा रही है। 'तेलंगाना राइजिंग' चमत्कार कर रहा है और देश में रोशनी ला रहा है। तेलंगाना देश के लिए एक रोल मॉडल होगा।नए शहरों का विकास देश के विकास का एक पैरामीटर है। इसलिए, तेलंगाना ने 'फ्यूचर सिटी' विकसित करने की योजना बनाई है। नया फ्यूचर सिटी देश में निवेश के लिए एक गंतव्य के रूप में उभरेगा। कांग्रेस सरकार ने देश में गरीबों के बीच भूख को कम करने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिनियम लागू किया। हम आज उगादी के शुभ अवसर पर गरीबों के लिए एक प्रतिष्ठित - 'फाइन राइस' वितरण योजना शुरू कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश में धान उत्पादन में तेलंगाना अन्य सभी राज्यों में सबसे आगे है। नई योजना के तहत तेलंगाना के किसानों द्वारा उगाए गए फाइन राइस को गरीबों में वितरित किया जा रहा है।राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य अधिक आय उत्पन्न करना और उसे गरीबों में वितरित करना है। यह समय राज्य के विकास पर अधिक ध्यान देने का है, न कि राजनीतिक वाद-विवाद पर्।सरकार की सोच और दृढ़ संकल्प स्पष्ट है। "तेलंगाना राइजिंग-2050" योजना को क्रियान्वित करके तेलंगाना को देश के लिए एक रोल मॉडल के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा।

## शिक्षाविद् ने बासर मंदिर के देवी को भेंट की चांदी की वीणा

निर्मल, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ामाबाद के एक भक्त ने रविवार को बसर के प्राचीन श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम के इष्टदेव को चांदी से बनी वीणा या वीणा भेंट की। नव्या भारती ग्लोबल हाई स्कूल के चेयरमैन क्यातम संतोष ने अपनी इच्छा पूरी होने पर आभार जताते हुए विद्या की देवी को यह वाद्य यंत्र भेंट किया। उन्होंने बताया कि इस वाद्य यंत्र को बनाने में 4 किलोग्राम चांदी का इस्तेमाल किया गया है, जिस पर करीब 5 लाख रुपये खर्च हुए हैं। देवी को वीणा भेंट करने के लिए पुजारियों ने उनका अभिनंदन किया। पुजारियों ने यंत्र के साथ कुछ अनुष्ठान किए और उसे देवता के पास रख दिया। भक्तों ने शिक्षाविद् के इस कदम पर खुशी जताई।

# एसएलबीसी में फंसे श्रमिकों की तलाश लगातार जारी

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार का आंशिक रूप से ध्वस्त एसएलबीसी परियोजना सुरंग में छह लोगों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान के तहत पानी निकालने और मिट्टी हटाने की प्रक्रिया लगातार जारी है। मिट्टी को कन्वेयर बेल्ट का उपयोग करके सुरंग से बाहर भेजा जा रहा था। सूत्रों के अनुसार सुरंग के अंदर मौजूद स्टील, जो तलाशी अभियान में बाधा बन रहा है, को भी हटाया जा रहा है और उसे लोको ट्रेन के जरिए बाहर ले जाया जा रहा है।

खोज अभियान की निगरानी के लिए विशेष अधिकारी शिवशंकर लोथेती ने बचाव दल को उगादी (तेलुगु नव वर्ष) के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विशेष रूप से बचाव कर्मियों की सराहना की, जिन्होंने तेलुगु नववर्ष के बावजूद अपने परिवारों से दूर रहकर अभियान में भाग लिया। इसमें कहा गया है कि तलाशी अभियान पहले दिन से ही लगातार चल रहा है जिसमें सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रेलवे, सरकारी खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज, आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के वैज्ञानिक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), खदान में काम करने वाले लोग, केरल पुलिस के शव खोजी कुत्ते और अन्य शामिल हैं। एसएलबीसी परियोजना की सुरंग का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह जाने से उसमें इंजीनियरों और मजदूरों सहित कुल आठ लोग फंस गए थे।

लापता व्यक्तियों की पहचान मनोज कुमार (उत्तर प्रदेश), श्री निवास (उत्तर प्रदेश), सनी सिंह (जम्मू और कश्मीर), गुरप्रीत सिंह (पंजाब) और संदीप साहू, जेगता जेस, संतोष साहू और अनुज साहू (सभी झारखंड) के रूप में हुई है। फंसे हुए आठ लोगों में से दो गुरप्रीत सिंह और मनोज कुमार के शव बरामद कर लिए गए हैं।

# प्लास्टिक के गिलास सेहत के लिए ख़तरनाक : पोन्नम

## मंत्री ने होटल संचालकों के बीच स्टील के गिलास बांटे

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद कस्बे में होटल मालिकों को स्टील के चाय के गिलास बांटे। कार्यक्रम में सिद्दीपेट लाइब्रेरी कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष लिंगमूर्ति, डीपीओ देवकी देवी, पीएसी अध्यक्ष शिवय्या, आरडीओ, नगर आयुक्त ने भाग लिया। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि जब हम होटलों में चाय पीते हैं तो प्लास्टिक के गिलास में चाय पीने से हम बीमार हो जाते हैं। इसीलिए हुस्नाबाद शहर के सभी होटलों में स्टील के गिलास बांटे गये है। हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र में स्टील बैंक स्थापित करने की पहल की गयी। हमने हर होटल को 100 गिलास दिए ओर हुस्नाबाद शहर में 50 होटल हैं। उन्होंने कहा कि सेहत दुरूस्त रखने के लिए होटलों में स्टील के गिलासों का प्रयोग करें। उगादि के अवसर पर सालिवाहन संगम के सहयोग से मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों को मिट्टी के बर्तन, मिट्टी के पात्र, गिलास, मिट्टी के जग, उगादि पचड़ा कुंडा का वितरण किया गया। आज प्रदेश में बढ़िया चावल का वितरण शुरू होगा। हम छोटे गांवों में 500 किट और बड़े गांवों में 1000 किट वाला एक स्टील बैंक स्थापित कर रहे हैं। हम गांवों को वैसे ही दे रहे हैं जैसे हम उन लोगों को देते हैं जिन्हें इसकी जरूरत है। इन्हें हर गांव में महिला समूहों द्वारा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि रखरखाव शुल्क के अलावा कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं है। हमें अपने जीवन से प्लास्टिक को हटा देना चाहिए।

# बुलडोजर पहुंचने पर यूओएच परिसर में तनाव

## कांचा गच्चीबावली वन क्षेत्र को साफ करने का मामला

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर में रविवार दोपहर को उस समय तनाव व्याप्त हो गया जब कांचा गच्चीबावली के वन क्षेत्र को साफ करने के लिए कथित तौर पर बुलडोजर लाए गए। बताया जाता है कि भारी मशीनरी यूओएच पूर्वी परिसर में 400 एकड़ वन भूमि को साफ करने के लिए आई थी, जिसे तेलंगाना कांग्रेस सरकार ने नीलामी के लिए रखा है। बड़ी संख्या में एकत्र हुए छात्रों ने पूरे पूर्वी परिसर में बैरिकेडिंग करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ नारे लगाए। वे बुलडोजर पर चढ़ गए और विरोध में भारी मशीनरी को रोकने की कोशिश की। पुलिस ने छात्र संघ महासचिव निहाद सुलेमान समेत कई छात्रों को हिरासत में लिया। कुछ छात्र जो पढ़ाई के लिए पूर्वी परिसर जा रहे थे, उन्हें भी हिरासत में लिया गया।

एक वीडियो में, यूओएच के एक छात्र ने कहा कि छात्र सूचना मिलने पर पूर्वी परिसर में पहुंचे कि पुलिस ने इलाके में बैरिकेडिंग कर दी है और जेसीबी मंगवाई गई है। छात्र ने कहा कि हम सिर्फ यह जानना चाहते थे कि वहां क्या हो रहा है, लेकिन पुलिस ने लड़कियों सहित छह छात्रों को जबरन ले लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में शामिल एक छात्रा ने बताया कि छात्र पूर्वी परिसर में यह पता लगाने के लिए पहुंचे थे कि परिसर में बुलडोजर क्यों है? उसने कहा कि हमने वहां के अधिकारी से बस पूछताछ की। दरअसल, मैं वापस लौट रही थी जब पुलिस ने मुझे जबरन हिरासत में ले लिया।

## नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान

### 222 आरोपियों को पकड़ा गया

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इस सप्ताहांत साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा नशे में वाहन चलाने के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया, जिसके तहत 222 अपराधियों को पकड़ा गया।कुल 163 दोपहिया वाहन, 9 तिपहिया वाहन, 48 चार पहिया वाहन और 2 भारी वाहन पकड़े गए।113 अपराधियों को 200 मिलीग्राम/100 मिली से 500 के बीच रक्त अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) के साथ पकड़ा गया, 05 अपराधियों को 500/100 मिली से अधिक रक्त अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए सभी लोगों को उच्च न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति शराब के नशे में वाहन चलाता है और दुर्घटना का कारण बनता है, जिससे लोगों की मृत्यु होती है, तो ऐसे व्यक्तियों को भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा, जिसके लिए अधिकतम सजा 10 साल की जेल और जुर्माना है।

आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित राजस्थान और ओडिशा के राज्य स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। यह आयोजन 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत किया गया। राजस्थान और ओडिशा का राज्य स्थापना दिवस हर साल क्रमश: 30 मार्च और 1 अप्रैल को मनाया जाता है।

## सड़क दुर्घटना में आरटीसी कंडक्टर की मौत

खम्मम, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पेनुबल्ली मंडल के कोठा लंकापल्ली गांव में रविवार को एक आरटीसी बस ने एक खड़े तेल टैंकर को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे एक टीएसआरटीसी बस कंडक्टर की मौत हो गई और पांच यात्री घायल हो गए। खम्मम डिपो की सुपर लग्जरी बस विजाग से खम्मम जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। बस में करीब 20 यात्री सवार थे। मृतक सीताराम प्रसाद (50) कल्लुर के रहने वाले थे और सथुपल्ली डिपो में काम करते थे। वे काम खत्म होने के बाद घर जाने के लिए बस में सवार हुए थे। घायलों को इलाज के लिए सथुपल्ली और पेनुबल्ली के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

## जहीराबाद में अज्ञात हमलावरों द्वारा की गई महिला की हत्या

संगारेड्डी, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात हमलावरों ने रविवार को जहीराबाद के पास पस्तापुर गांव में एक महिला की उसके किराए के घर में हत्या कर दी। हमलावरों ने उसकी आंखों में मिर्च पाउडर फेंका और छोटे एलपीजी सिलेंडर से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। महिला की पहचान झारासंगम मंडल के चीलामामिडी की मूल निवासी मेथाई लक्ष्मी (47) के रूप में हुई है। कुछ साल पहले वह जहीराबाद चली गई थी। लक्ष्मी अपने इकलौते बेटे के साथ घर में रह रही थी। वह मजदूरी करके अपना गुजारा करती थी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए जहीराबाद के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

## एसआरएसपी नहर में दो साल की बच्ची डूबी

पेद्दापल्ली, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामगिरी मंडल के कलवाचेरला के पास एसआरएसपी डी-83 नहर में रविवार को दो वर्षीय बच्ची दास गेली डूब गई। पुलिस के अनुसार, ओडिशा के अंगुल जिले के मूल निवासी दास सागर अपने परिवार के साथ एसबीके ईंट उद्योग में काम करने के लिए सात महीने पहले कलवाचेरला चले गए थे। जब माता-पिता ईंट भट्टे पर काम कर रहे थे, तो बच्ची गलती से नहर में गिर गई और बह गई। बच्ची के न दिखने पर माता-पिता ने नहर में उसकी तलाश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

एसआई चंद्र कुमार मौके पर पहुंचे और नहर में पानी छोड़ने पर रोक लगाकर तलाशी अभियान शुरू किया। शव घटनास्थल से करीब 700 मीटर दूर मिला।

## टीजीपीएससी ने ग्रुप-I मेन्स 2024 सामान्य रैंकिंग सूची और अंक जारी किए

हैदराबाद, 30 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) ने रविवार को 21 से 27 अक्टूबर, 2024 तक आयोजित ग्रुप-I मुख्य परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की सामान्य रैंकिंग सूची (जीआरएल), कुल अंक और अंकों का ज्ञापन जारी किया जबकि जीआरएल को आयोग की वेबसाइट पर होस्ट किया गया है, सभी सात पेपरों में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों के कुल अंक और अंक ज्ञापन वेबसाइट पर उम्मीदवार के लॉगिन में उपलब्ध करा दिए गए हैं।

टीजीपीएससी ने कहा कि जीआरएल उन अभ्यर्थियों के लिए तैयार किया गया है, जिन्होंने सामान्य अंग्रेजी पेपर में अर्हता प्राप्त की है और संबंधित श्रेणियों के लिए निर्धारित न्यूनतम अर्हक कुल अंक प्राप्त किए हैं। आयोग ने कहा कि जीआरएल के आधार पर प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए अपेक्षित संख्या में उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। ऐसे उम्मीदवारों को व्यक्तिगत रूप से तथा टीजीपीएससी वेबसाइट के माध्यम से भी सूचित किया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अधिसूचना में उल्लिखित सभी आवश्यक मूल प्रमाण-पत्र और दस्तावेज तैयार रखें। टीजीपीएससी ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देश पर मुख्य परीक्षा के लिए जिन उम्मीदवारों को प्रवेश दिया गया था, उनके अंक अदालत के आदेश के अनुसार प्रदर्शित नहीं किए गए।

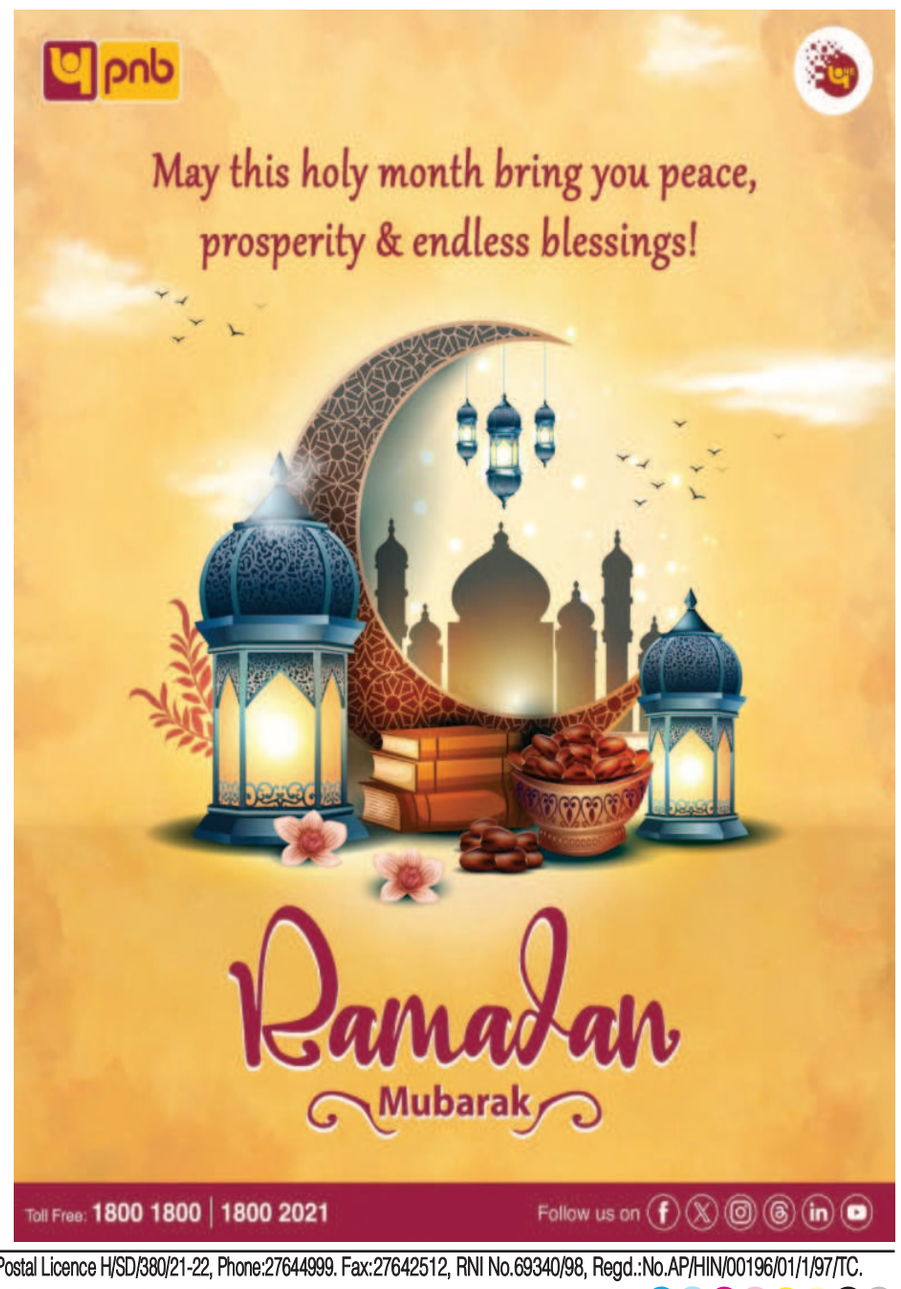


Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.